ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भगदड़ की त्रासदी के लिए पुलिस को दोषी ठहराने पर सरकार के खिलाफ भारी जनाक्रोश @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 07 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-156

ऑपरेशन सिंदूर में रूसी विमानों और मिसाइलों ने साबित की क्षमता

रूस और भारत के पुख्ता रक्षा संबंधों से अमेरिका बौखलाहट में

भारत में रूसी हथियारों S-400 परमाणु पनडुब्बी से अमेरिका में हड़कंप

दीनबंधु कबीर

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के बुरी तरह मार खाने की अंदरूनी वजहें अमेरिका को परेशान कर रही हैं। अमेरिका इसीलिए बौखलाया हुआ है कि भारत को रूस से मिले और रूस की मदद से भारत में विकसित किए गए विमानों और हथियारों ने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी मारक क्षमता का जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि और अनुभव ने अमेरिका से रक्षा उपकरणों, विमानों और आयुधों की खरीद की संभावनाओं पर पानी फेर दिया है। फ्रांस का बहुप्रचारित राफेल विमान भी इस ऑपरेशन में नाकाम साबित हुआ। इससे फ्रांस के साथ राफेल करार भी संकट में आ गया है। भारत ने फ्रांस से कहा है कि वह राफेल का सोर्स-कोड दे, ताकि राफेल को भारत में भारतीय जरूरतों के मुताबिक अपग्रेड किया जा सके। लेकिन फ्रांस ने सोर्स-कोड देने से मना कर दिया है। इसलिए यह माना जा सकता है कि फ्रांस के साथ हुई राफेल-डील अब खत्म है।

रूस और भारत के घनिष्ठ रक्षा संबंध आधी सदी से भी अधिक पुराने हैं। 1971 में पाकिस्तान-परस्त अमेरिकी रवैये के सामने सोवियत संघ भारत की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण था, जिसने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी (पार्टनरशिप) के स्तर तक पहुंचाया। यह संबंध आज भी कायम है। दिल्ली मास्को का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण रक्षा ग्राहक बना हुआ है, जिसके पास हजारों टैंक, बख्तरबंद वाहन, वायु रक्षा प्रणाली और सैकड़ों विमान हैं जो रूस से आयातित हैं या रूसी सोर्स-कोड से देश में विकसित किए गए हैं। यही वजह है कि आज ओकेबी-सुखोई यानि ऑपितनो कॉन्सट्रक्तॉरस्कोई ब्यूरो सुखोई (एक्सपेरिमेंटल डिजाइन ब्यूरो सुखोई) भारतीय वायु सेना का सबसे महत्वपूर्ण भागीदार है जो सैकड़ों एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमानों का संचालन करता है। पाकिस्तान के साथ हाल ही में हुई झड़पों में इन बहुउद्देशीय जेट विमानों अत्यंत कारगर भूमिका निभाई। भारतीय सेना ने इसके प्रदर्शन की पुरजोर तारीफ की है। यह प्रशंसा राफेल के विपरीत है जिसे अपमानजनक स्थितियों का सामना करना पड़ा। इसने भारत को फ्रांसीसी निर्मित लड़ाकू जेट की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए विवश किया।

ऑपरेशन सिंदूर से प्राप्त अनुभव के आधार पर ही भारत सरकार ने फ्रांस से राफेल का सोर्स कोड साझा करने के लिए कहा ताकि वह उसे अपने

अमेरिका से रक्षा सामान की खरीद की उम्मीद पर लगा ग्रहण

सोर्स-कोड के साथ 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू जेट देने को रूस तैयार

मुताबिक विकसित कर सके और उसमें घरेलू हथियारों (विशेष रूप से शक्तिशाली एस्ट्रा श्रृंखला की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों) को संलग्न कर सके। इससे चीन निर्मित लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की पाकिस्तानी तैनाती के सामने भारत को अपने जेट की क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि, फ्रांस ने सोर्स-कोड साझा करने के भारत के अनुरोध को ठुकरा दिया है। इससे भारत द्वारा राफेल जैसे अत्यधिक महंगे और अतिरंजित जेट की खरीद का निर्णय विवादों और सवालों में घिरता जा रहा है। क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने राफेल खरीदने पर जो अरबों डॉलर बर्बाद कर दिए उससे कहीं कम दर पर और अधिक एसयू-30एमकेआई जेट खरीदे जा सकते थे, जिसने ऑपरेशन सिंदूर में कमाल का प्रदर्शन कर दिखाया। स्पष्ट है कि रूस-भारतीय लड़ाकू विमान की कीमत कई गुना कम है जबकि यह कहीं बेहतर और कारगर क्षमता वाले विमान साबित हुए हैं। एसयू-30एमकेआई भारत में निर्मित हो रहा है, यानि उन्हें खरीदने से न केवल हार्ड करेंसी में अरबों की बचत होती, बल्कि वास्तव में इसके घरेलू एयरोस्पेस उद्योग के विकास में भी मदद मिलती।

इन अनुभवों के मद्देनजर भारत को मॉस्को के साथ अपनी साझेदारी बढ़ाने की अनिवार्यता और आवश्यकता है। इसीलिए भारत सरकार अपने पुराने करारों के विकल्पों पर पुनर्विचार भी कर रही है। इस दिशा में नवीनतम घटनाक्रम काफी सकारात्मक संभावनाएं दिखा रहा है। रूस ने भारत को एक अभूतपूर्व प्रस्ताव दिया है। अभी 4 जून 2025 को ही रूस के यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (यूएसी) ने न केवल एसयू-57ई अगली पीढ़ी के लड़ाकू जेट देने की पेशकश की, बल्कि इसके सोर्स-कोड देने तक का प्रस्ताव दिया है। यह वास्तव में उल्लेखनीय और महत्वपूर्ण प्रस्ताव है, जो भारत के लिए सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। यह प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतरा तो घरेलू रूप से विकसित प्रणालियों (विशेष रूप से एवियोनिक्स और हथियारों) के एकीकरण को सक्षम करेगा। यह भारत को आर्थिक शक्ति भी प्रदान करेगा और यह भारत जैसे एशियाई दिग्गज के महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया कार्यक्रम के अनुरूप भी होगा। रक्षा मंत्रालय के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने कहा कि रूस का यह प्रस्ताव सभी पश्चिमी प्रस्तावों को ग्रहण लगा देगा। एसयू-57 ई एक सुपरमैन्युवरेबल, कम नजर में आने वाला मल्टीरोल फाइटर जेट है जिसमें सुपर क्रूज़ करने की क्षमता है। इसके उन्नत एवियोनिक्स में सेंसर फ़्यूज़न भी शामिल है।

▶10पर

प्रधानमंत्री ने असंभव को संभव बना दिया : मनोज सिन्हा

जम्मू, 06 जून (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी अब सिर्फ एक नारा नहीं रह गया है। अभी कुछ समय पहले ही प्रधानमंत्री ने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इसे हकीकत में बदल दिया है। देश के दो कोनों को एक करके उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को भी साकार किया है। उन्होंने इस रेलवे लाइन से जुड़े शहरों में लाखों भारतीयों के दिलों की धड़कन को भी जोड़ा है। आज उद्घाटन किया गया रेलवे पुल सिर्फ सीमेंट और लोहा नहीं है, बल्कि जम्मू-कश्मीर की आकांक्षाओं को जोड़ने का माध्यम है।

मनोज सिन्हा ने कहा, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल सेवा जम्मू-कश्मीर के लिए एक नए युग की शुरुआत कर रही है। यहां व्यापार और उद्योग के लिए आदर्श वातावरण तैयार होगा। चेनाब रेलवे पुल 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (यूएसबीआरएल) का एक प्रमुख हिस्सा है ▶10पर

चेनाब नदी पर बना विश्व का सबसे ऊंचा पुल राष्ट्र को समर्पित

हम चुनौतियों को भी चुनौती देते हैं : मोदी

जम्मू, 06 जून (एजेंसियां/ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज को आज राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने इसे भारत की एकता, इच्छाशक्ति और इंजीनियरिंग का अद्भुत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि 46,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं जम्मू-कश्मीर में विकास की नई रफ्तार लाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कटरा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम भारत की एकता और भारत की इच्छाशक्ति का विराट उत्सव है। माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से आज कश्मीर घाटी भारत के रेल नेटवर्क से जुड़ गई है। प्रधानमंत्री ने कहा, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन परियोजनाएं, ये सिर्फ नाम नहीं हैं, ये जम्मू कश्मीर के नए सामर्थ्य की पहचान हैं। भारत के नए सामर्थ्य का जयघोष है। थोड़ी देर पहले मुझे चेनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज का लोकार्पण करने का अवसर मिला है। आज ही दो नई वंदे भारत ट्रेनें जम्मू कश्मीर को मिली है। जम्मू में नए मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास हुआ है। ये हमारी सरकार का सौभाग्य है कि इस प्रोजेक्ट ने हमारे कार्यकाल में गति पकड़ी और हमने इसे पूरा करके दिखाया। रास्ते में आने जाने की मुश्किलें, मौसम की परेशानी, लगातार पहाड़ों से गिरते पत्थर, ये प्रोजेक्ट पूरा करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन हमारी सरकार ने चुनौती को ही चुनौती देने का रास्ता चुना है। चेनाब ब्रिज, दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। ये ब्रिज, एफिल टावर से भी उंचा है। अब लोग चेनाब ब्रिज के जरिए कश्मीर देखने तो जाएंगे ही, साथ ही ये ब्रिज भी अपने आप में एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा, आज जम्मू-कश्मीर के लाखों लोगों का सपना साकार हुआ है। ये सिर्फ पुल नहीं, भारत के फौलादी इरादों और इंजीनियरिंग कौशल का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह भी एक हकीकत है कि जितने भी अच्छे काम हैं, वे मेरे लिए ही बचे रहते हैं। यह हमारी सरकार का सौभाग्य है कि इस प्रोजेक्ट को हमने अपने कार्यकाल में रफ्तार दी और इसे पूरा कर दिखाया। बीच में कोविड का कालखंड और खराब मौसम जैसी चुनौतियां थीं, ▶10पर

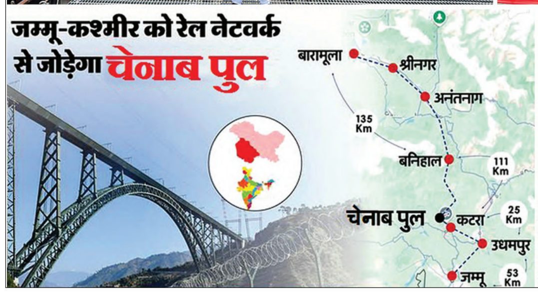

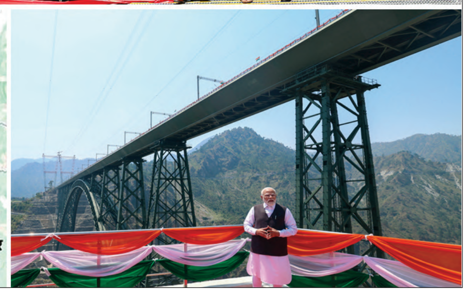

दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज से कश्मीर देखने जाएंगे लोग

एकता, इच्छाशक्ति और इंजीनियरिंग का अद्भुत प्रतीक है

46,000 करोड़ की परियोजनाएं विकास को नई गति देंगी

गोलाबारी से टूटे घरों के लिए मिलेंगे दो लाख अतिरिक्त

विकास की गति तेज जल्द होगा पूर्ण राज्य : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 06 जून (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विकास पुरुष कहा और बताया कि जम्मू कश्मीर अब विकास के मार्ग पर तेजी से दौड़ रहा है। सीएम उमर ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लोगों का आना-जाना सुगम होगा और राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि अब वह दिन दूर नहीं जब जम्मू-कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा मिलेगा। सीएम उमर ने कहा, मनोज सिन्हा जी को प्रमोशन मिला और वह अब उपराज्यपाल हैं। लेकिन मुझे थोड़ी डिमोशन मिली, मैं अब रियासत का नहीं, यूटी का मुख्यमंत्री हूं। माता वैष्णो देवी की कृपा से यह अस्थाई है, अब बदलाव दूर नहीं। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, मुझे गर्व है कि आज जिस रेल संपर्क का सपना अंग्रेजों ने देखा था। झेलम नदी के किनारे रेल लाइन बिछाने का वह सपना भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरा हुआ। अंग्रेजों की अधूरी योजना आज साकार हुई है। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी ▶10पर

स्टारलिंक को भारत में भी मिला लाइसेंस

15 दिन में शुरू हो जाएगा ट्रायल

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट कम्युनिकेशन (सैटकॉम) सेवाएं देने के लिए आधिकारिक लाइसेंस जारी कर दिया है। 15-20 दिनों के भीतर उन्हें परीक्षण स्पेक्ट्रम प्रदान कर दिया जाएगा। स्टारलिंक को भारत में ब्रॉडबैंड और सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की हरी झंडी मिल गई है। यह मंजूरी भारत के ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने में मदद कर सकती है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सैटकॉम कंपनियों के लिए स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन की सिफारिश की है, लेकिन डीओटी ने इन सिफारिशों को अभी तक मंजूरी नहीं दी है। ▶10पर

आरएसएस के सम्मेलन में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत

वनवासियों में धर्मांतरण गंभीर मुद्दा है

नागपुर, 06 जून (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें जनजातीय समाज में हैं और उन्होंने देश की परंपरा को बचाए रखा है। इसलिए जनजातीय क्षेत्रों में धर्मांतरण का मुद्दा गंभीर है। अगर कोई पूरे मन से पूजा पद्धति बदल रहा है, तो उस पर किसी को आपत्ति होने का सवाल ही नहीं उठता। लेकिन तरह-तरह के लालच दिखाकर और जबरदस्ती दूसरा मत स्वीकार करने के लिए मजबूर करना गलत है। यह हिंसा है। अगर इस तरह से मतांतरित व्यक्ति घर वापसी कर रहा है, तो उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। स्थानीय रेशमबाग मैदान पर हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में मोहन भागवत ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि वनवासी हमारे समाज का हिस्सा हैं। धर्मांतरण और अन्य मुद्दों पर हम जनजातीय समुदाय के साथ यथासंभव सहयोग करेंगे। सरकार और प्रशासन मददगार हो सकते हैं, लेकिन संबंधित लोगों को भी इस काम में भाग लेना चाहिए। सरसंघचालक ने पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद सरकार और सेना ने आवश्यक कार्रवाई की। इस घटना ने भारतीय सेना की क्षमता और वीरता को दुनिया के सामने ला दिया। इसने साबित कर दिया कि विभिन्न रक्षा अनुसंधान कितने आवश्यक और उपयोगी हैं। इसने केंद्र सरकार की दृढ़ता को भी दिखाया। महत्वपूर्ण बात यह है कि दुनिया ने भारत में राजनीति करने वाले सभी दलों के नेताओं की समझदारी और आपसी ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सेना का पराक्रम दिखाया

भारत माता से चिढ़ने वाला केरल सरकार में मंत्री

भारत माता की तस्वीर देखकर भड़का मंत्री

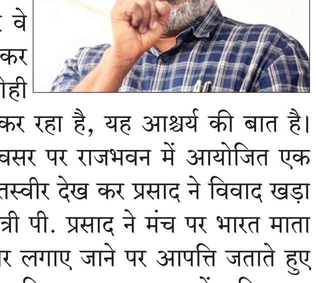

तिरुवनंतपुरम, 06 जून (एजेंसियां)।

केरल सरकार के मंत्री पी. प्रसाद को भारत माता की तस्वीर से चिढ़ हो गई और वे कार्यक्रम का बहिष्कार कर बाहर चले गए। ऐसे राष्ट्रद्रोही नेता को देश कैसे स्वीकार कर रहा है, यह आश्चर्य की बात है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत माता की तस्वीर देख कर प्रसाद ने विवाद खड़ा कर दिया। केरल के कृषि मंत्री पी. प्रसाद ने मंच पर भारत माता की भगवा ध्वज वाली तस्वीर लगाए जाने पर आपत्ति जताते हुए कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर द्वारा उद्घाटन किए जाने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पी. प्रशांत को आमंत्रित किया गया था। ▶10पर

विचारोत्तेजक और आत्मशुद्धिकारी कार्यक्रम के तहत कर्म थ्योरी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने सेवा वर्टिकल के अंतर्गत एक बेहद विचारोत्तेजक और आत्मशुद्धिकारी कार्यक्रम कर्म थ्योरी का आयोजन गुरुवार को टाउन हॉल, जे.सी. रोड में किया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। बबीता रायसोनी चेयरपर्सन जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और उप-स्थितजनों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा 2007 में स्थापित जीतो, आज वटवृक्ष की तरह विशाल बन चुका है। सेवा का जज्बा, ज्ञान का दान और आर्थिक सशक्तिकरण यही हमारे संगठन के तीन मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कर्मा थ्योरी कोई साधारण कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा है, एक जागृति है।

जब जीवन में कठिनाइयाँ आती हैं तो हम सोचते हैं - क्यों मेरे साथ ऐसा हो रहा है? पर कभी-कभी बिना मांगे भी अच्छा हो जाता है। इसका उत्तर कर्म सिद्धांत में है। आज का नाटक और सेशन इसी को उजागर करेगा। कार्यक्रम की संयोजिका लता बोहरा ने मुख्य वक्ता अरविंद मंडोत का परिचय दिया। वे एक सफल उद्यमी, उपासक, एज इट इस पुस्तक के लेखक और संयुक्त परिवार मूल्यों के पालनकर्ता हैं। अरविंद मंडोत ने एक सफेद गेंद के माध्यम से आत्मा की पवित्रता और कषायों के कारण कर्मों के बंधन को सरलता से समझाया। उन्होंने औदारिक शरीर, कषायों और मुक्ति मार्ग की चर्चा की और बताया कि कैसे लौकिक और लोकातीत धर्मों का पालन कर मोक्ष की ओर बढ़ा जा सकता है। इसके बाद एक सुंदर और नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें चार प्रकार के कर्मों को दर्शाया गया। ज्ञानावरणीय कर्म, अवधी चौहान द्वारा निभाए गए इस पात्र में दिखाया गया कि कैसे पूर्वजन्म में गुरु का अपमान करने, छात्रों को भटकाने और पुस्तकों का अनादर करने के कारण इस जन्म में ज्ञान प्राप्ति में बाधा आती है। इसका समाधान ज्ञान और ज्ञानी का सम्मान है। दर्शनावरणीय कर्म, पात्र ने बताया कि कैसे समायिक या सत्संग के समय नींद आना या ध्यान न लगना इस कर्म के उदय हैं। समाधान है, नियमित स्वाध्याय। वेदनीय कर्म, अर्पिता लढ़ानी ने एक मां की पीड़ा को उजागर किया, जिसने अपने बच्चे को खो दिया। साथ ही यह भी दिखाया गया कि कैसे यह कर्म दुर्घटनाओं और असफलताओं का कारण बनता है। समाधान है, दुख को शांत मन से सहना और नया वेदनीय कर्म न बांधना। अंतराय कर्म, निशा कोठारी ने यह दर्शाया कि जब हम धार्मिक या मनोरंजन के लिए जाने वाले होते हैं, तो परिवार की स्थिति या स्वास्थ्य के कारण हमें रुकना पड़ता है। समाधान है, दूसरों के अच्छे कार्यों में सहयोग करें, बिना स्वार्थ के।

इसके पश्चात चार कषायों को नाटकीय ढंग से प्रस्तुत किया गया। क्रोध, सुहानी बरलोता ने दिखाया कि कैसे सुबह की एक छोटी तकरार पूरे दिन को बिगाड़ देती है। समाधान है, रियेक्ट करने से पहले रुकें, क्षमा करें, अपेक्षाएं घटाएं, और शांत लोगों की संगति करें। मान में तरुणा मेहता ने दिखाया कि कैसे धन और प्रतिष्ठा का अभिमान हमारे रिश्तों को तोड़ता है। समाधान है, विनम्रता, समता और आत्म-ज्ञान से मान को घटाएं। माया में बिंदु मेहता ने दिखाया कि कैसे छल, बहाने और झूठ हमारे जीवन में जड़ें जमा लेते हैं। समाधान है, सादगी से जीना, भौतिक वस्तुओं से मोह हटाना और सत्य के साथ रहना। लोभ में अवधी चौहान और उनकी टीम उर्मिला बरडिया, पिंकी जैन, अस्मिता चौहान, सरिता गाडिया ने दिखाया कि कैसे पद, प्रतिष्ठा और लाभ के पीछे भागने से आत्मा का पतन होता है। समाधान है, खुशी से देना, कम में संतोष करना और निस्वार्थ सेवा करना। अरविंद मंडोत ने हर कषाय के पीछे का कारण, उसका जीवन में प्रभाव और उसे मिटाने के उपाय स्पष्ट किए। रंजीत सोलंकी चेयरमैन जीतो बेंगलूरु साउथ ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस विषय पर कार्यक्रम करना अपने आप में सराहनीय है। प्रवीण शाह, जीतो एपेक्स के यूथ कन्वीनर ने भी कहा कि कर्मों से मुक्ति के लिए सबसे जरूरी है, धैर्य।

इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु साउथ के वाइस चेयरमैन महेंद्र रांका, जीतो महिला विंग बेंगलूरु के पूर्व चेयरपर्सन प्रमिला भंडारी, ललिता गुलेचा, मधु दोशी, पिंकी जैन (केकेजी जोन संयोजिका), अनीता पिरगल (जेआईआईएफ एवं जे पॉइंट शीर्ष संयोजिका), सुनीता गांधी (श्रवण आरोग्यम संयोजिका), लक्ष्मी बाफना चेयरपर्सन जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ, रक्षा छाजेड़ मुख्य सचिवा जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ, चित्रा मेहता (हॉस्टल सह-संयोजिका), रेखा छाजेड़ (लघु व्यवसाय शीर्ष संयोजिका) और अन्य मौजूद थे। इस कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाने वाले समिति सदस्य नीलम शांड, संगीता पारख, चंद्रा जैन, हेमा सोलंकी, अस्मिता चौहान, तरुणा मेहता, रेखा विनोद जैन, निशा कोठारी, नीतू गुलेचा, वनीता बचावत, अर्पिता लढ़ानी, अंगिका बाफन, संगीता सियाल, कविता मुथा थे। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल व्हील फैक्ट्री (आरडब्ल्यूएफ) ने विश्व पर्यावरण दिवस को उत्साह के साथ मनाया, जो पर्यावरण-केंद्रित गतिविधियों की एक पखवाड़े लंबी श्रृंखला का समापन था। समारोह में प्रभात फेरी, स्वच्छता अभियान और केंद्रीय विद्यालय के प्रशिक्षुओं और छात्रों द्वारा किए गए नुक्कड़ नाटक जैसे कार्यक्रम शामिल थे। प्रशिक्षुओं के लिए ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता और कर्मचारियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। एक गैर सरकारी संगठन एमआईटीयू फाउंडेशन के सहयोग से अपशिष्ट/प्रयुक्त कपड़ों से पुन: प्रयोज्य बैग सिलाई पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला को उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में अपसाइक्लिंग के महत्व को रेखांकित किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित समापन समारोह में आरडब्ल्यूएफ के महाप्रबंधक चंद्रवीर रमन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में, रमन ने पर्यावरण की रक्षा के लिए सामूहिक और व्यक्तिगत कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, सभी से प्लास्टिक प्रदूषण को हराने के वैश्विक मिशन में ईमानदारी से योगदान देने का आह्वान किया। अतिथि वक्ता के रूप में एनआईटीटीई स्कूल ऑफ डिजाइन के सहायक प्रोफेसर सुदर्शन पांडुरंग ने पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देने में डिजाइन की भूमिका पर बहुमूल्य जानकारी दी। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एम.के. पोद्दार ने आरडब्ल्यूएफ द्वारा पहले से अपनाई गई टिकाऊ उत्पादन प्रक्रियाओं पर बात की, जिसमें ऊर्जा, पानी और रेत जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में मुख्य पर्यावरण अधिकारी गोविंद पांडे, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत हंपी नगर विरुपाक्ष देवस्थान के निकट स्थित एसवीएस पाठशाला के विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित किया गया। इस मौके पर महेंद्र मुणोत समेत अन्य लोग मौजूद रहे।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट द्वारा मन्दिर प्रांगण में निर्जरा एकादशी के पावन अवसर पर सायं 4.15 बजे से भजन संध्या का आयोजन बड़े ही धूमधाम किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का फुलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। स्थानीय गायकों द्वारा बाबा श्याम को मधुर भजनों से रिझाया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने कतारबद्ध होकर दर्शन किए।*

सिंधारा व झूलोत्सव 27 जुलाई को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में दादीजी का सिंध-ारा उत्सव व झूलनोत्सव आगामी 27-जुलाई को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी। समिति का मासिक कीर्तन व मंगल पाठ मीणा-विनय राय के सौजन्य से हरियाणा भवन में बहुत ही धूमधाम से सम्पन्न हुआ। वन्दना तुलस्यान एवं शशि शर्मा द्वारा दादीजी का लघु मंगलपाठ रामसुन्दर बगड़िया, किशन बगड़िया एवं बाल कलाकार उर्विस व उत्कर्ष जैन द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। दादीजी का भव्य श्रृंगार, ज्योत, महाप्रसाद, चुनड़ी उत्सव की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी थी। इस अवसर पर सज्जन-शिल्पा, सुबोध-ज्योती, अनिल-सोभा मोर, अर्चना-गोविन्द चौधरी, उत्तम-अर्पणा केड़िया, अमर-सीमा सलारपुरिया,

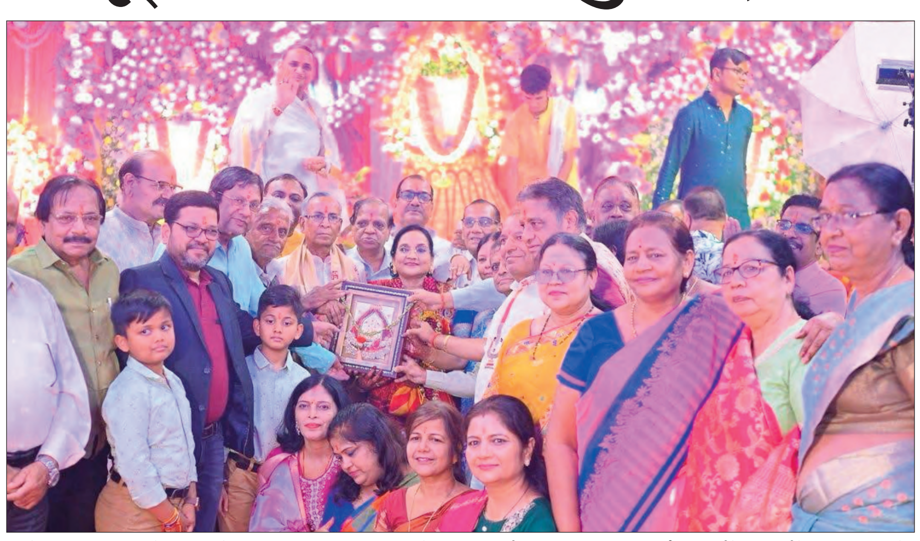

अमित-दीपा, सुमित-कृति राय, मंजू -जोधराज गौरीसरया के निवास एमनुवल हाइट्स होसा रोड में माँ ब्रह्मानी का मंगल व दादीजी की भजन संध्या का आयोजन किया गया। वन्दना तुलस्यान एवं ममता जालान ने मंगल पाठ व कैलाश जालान, मंजू गोरिसरया ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने कहा कि आगामी 27-जुलाई को समिति के तत्वावधान में संजय-रमा नोपानी परिवार द्वारा दादीजी का सिंधारा व झूलणोत्सव बनेरघट्टा रोड स्थित कल्याणी कला मंदिर में मनाया जायेगा। स्वाती अग्रवाल एवं कोलकाता के गायक अरविंद सहत्त इस कार्यक्रम में भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर हेमंत- प्रिया गोरिसरया, नीलू -चन्दन मुसद्दी, नारायणी-जयप्रकाश सरावगी, सुभाष-बबिता गोरिसरया, प्रवीण डालमिया, शंकर सुल्तानिया, गंगाधर मोर, घनश्याम सिंघानिया, संजय जाजोदिया, इंदु गुप्ता सहित अनेक दादी भक्त उपस्थित थे।

कर्नाटक इनर वेयर एसोसिएशन की टीम अयोध्या रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनर वेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल अयोध्या के लिए रवाना हुआ। अयोध्या में रामलला एवं राजा रामजी के दर्शनार्थ रवाना होने वालों में एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, कोषाध्यक्ष प्रकाश, रमेश जैन, सहकोषाध्यक्ष विनोद चौहान, कमेटी सदस्य राजेश चोपड़ा, मनीष जैन, गौरव शर्मा, मूलसिंह पुरोहित, महिपाल जैन, माधुराम खदाव शामिल हैं। अश्विन सेमलानी ने बताया कि टीम का यह दौरा बेंगलूरु में आगामी जुलाई माह में 22, 23 व 24 तारीख को लगने वाले भारत के सबसे बड़े ट्रेड फेयर से पूर्व अहम है। चूंकि सभी उत्साह के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु रामचंद्रजी के दर्शन, वंदन एवं ट्रेड फेयर आयोजन की सफलता हेतु प्रार्थना कर आशीर्वाद लेंगे।

जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी. कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह ने अपनी चौथी कार्यकाल की बैठक राज-ाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में आयोजित की। बैठक में जेएलडब्ल्यू की कोषाध्यक्ष एवं जेबीएन कन्वीनर तनुजा मेहता की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक की मुख्य वक्ता वंदना सूरी रहीं, जो टैक्सशी की संस्थापक और एक प्रसिद्ध टेडएक्स वक्ता हैं। उन्होंने अपने प्रेरणादायक दृष्टिकोण से बताया कि व्यवसाय में अंतराल को पहचानकर अवसरों में कैसे बदला जा सकता है। उन्होंने व्यवसाय में सरलता के महत्व और महिलाओं की नेतृत्व क्षमता पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में सदस्य स्पॉटलाइट के रूप में मोक्षा सोलंकी ने अपने यूफिट न्यूट्रिशन ब्रांड की 8 मिनट की प्रस्तुति दी। उन्होंने समझाया कि कैसे साधारण घरेलू भोजन के माध्यम से स्वास्थ्य परिवर्तन संभव है, विशेष रूप से पीसीओडी, बीपी, मधुमेह और वजन घटाने की समस्याओं में उनकी विश-ेषज्ञता की जानकारी साझा की। इसके अलावा, मीनाक्षी जैन ने ऑफिस दर्शन पर एक शैक्षिक सत्र आयोजित किया, जबकि रितिका जैन ने डिजिटल कौशल और सोशल मीडिया पर आकर्षक इंस्टाग्राम रील्स बनाने की महत्ता पर प्रकाश डाला। बैठक का नेतृत्व रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया और रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने कुशलतापूर्वक किया। सभी जे.बी.एन. सदस्यों को 30-सेकेंड में पिच साझा करने का मौका मिला। डोर पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पिच के लिए चंद्रा मेहता, सर्वाधिक रेफरल के लिए बिंदु मेहता और उच्चतम 121 के लिए पिंकी मेहता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके पश्चात हुए खुले नेटवर्किंग सत्र ने सदस्यों के बीच सार्थक व्यावसायिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीजेएस महिला चैप्टर द्वारा गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ईको फिएस्टा - प्रकृति को अपनाएं कार्यक्रम का आयोजन लालबाग में किया गया। इस अवसर पर लालबाग में एक स्वच्छता अभियान चलाया गया, जो स्थान को स्वच्छ करने और प्रकृति को अपनाने की एक सराहनीय पहल थी। महिला चैप्टर की सदस्याओं ने वहाँ टहलने आए लोगों को भी इस अभियान में शामिल किया। नर्सरी से नए पौधे खरीदे गए और लालबाग में लगाए गए। यह दिन की एक शानदार शुरुआत थी और पर्यावरण को और अधिक हरा-भरा, स्वच्छ और सुंदर बनाने की एक बेहतरीन पहल रही। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष नेहा चौधरी, डिवीजन प्रमुख विभा हिरावत और प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर आरती जैन उपस्थित रहीं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर, आशुतोष माथुर, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) ने केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों, कर्मचारियों और यात्रियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शपथ दिलाई और पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने यात्रियों को कपड़े के थैले भी वितरित किए और उन्हें एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग से बचने और अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। बाद में, एम.जी. रेलवे कॉलोनी, बेंगलूरु में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनुराग सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर और वरिष्ठ मंडल पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधक संचित श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) प्रभाकर सिन्हा, वरिष्ठ डीएमएम सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

भगदड़ की त्रासदी के लिए पुलिस को दोषी ठहराने पर सरकार के खिलाफ भारी जनाक्रोश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में अपनी मर्जी से फैसला लेने वाली राज्य सरकार ने आखिरकार अपनी गलती छिपाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को दंडित किया है। सोशल मीडिया पर हैशटैग अभियान 'आई स्टैंड विद दयानंद' जोर पकड़ रहा है। जैसा कि राज्य सरकार ने निलंबन आदेश प्रक्रिया में उल्लेख किया है, आरसीबी टीम के सीईओ ने सिटी पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद से कहा कि वे 3 जून को आईपीएल सीरीज जीतने के लिए 4 जून को विजय जुलूस और जश्न मनाएंगे। लेकिन पुलिस कमिश्नर दयानंद आरसीबी फ्रेंचाइजी प्रबंधन बोर्ड को लिखित राय देने में विफल रहे। उन्होंने अनुमति देने से इनकार किया क्योंकि कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सकता था और संबंधित सुरक्षा व्यवस्था कम समय में संभव नहीं थी। यह सच है कि अगर पुलिस कमिश्नर ने आरसीबी फ्रेंचाइजी प्रबंधन को जश्न की अनुमति देने से इनकार करने की लिखित सूचना दी होती, जैसा कि सरकार ने कहा था, तो इससे लोगों में और आक्रोश पैदा

होता। अनुमान लगाया जा रहा था कि आरसीबी ने पुलिस के पत्र को सोशल मीडिया पर लीक कर दिया होता, जिससे करोड़ों प्रशंसक नाराज हो जाते। इससे एक अलग तरह का विवाद पैदा हो जाता।

भले ही आरसीबी के प्रशंसक सरकार के खिलाफ हो रहे थे, लेकिन सरकार भी इस तथ्य से वाकिफ थी। इसलिए सरकार ने आरबीसी के दबाव के आगे झुकना शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बेटे डॉ. यतींद्र ने गुरुवार को स्पष्ट किया था कि आरसीबी ने जीत का जश्न मनाने के लिए सरकार पर बहुत दबाव बनाया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को बहुत संवेदनशीलता के साथ संभालने की कोशिश की थी। लेकिन सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री ने आपस में स्पष्टता के बिना बार-बार भ्रमित करने वाले बयान दिए और सब कुछ बिखर गया।

जबकि गृह मंत्री और उपमुख्यमंत्री कह रहे थे कि कार्यक्रम की रूपरेखा अभी तय नहीं हुई है, मुख्यमंत्री ने सुबह ही घोषणा कर दी थी कि शाम 4 बजे विधान सौधा की सीढ़ियों पर अभिनंदन कार्यक्रम होगा। पिछले दिन मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भी विधान सौधा की सीढ़ियों पर कार्यक्रम का स्पष्ट उल्लेख था। पुलिस विभाग शुरू से ही कह रहा था कि वे विजय समारोह की अनुमति नहीं देंगे। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि उच्च पदों पर बैठे लोगों ने वरिष्ठ अधिकारियों को चेतावनी दी थी और जोर देकर कहा था कि वे विजय समारोह की अनुमति दें। यह करोड़ों प्रशंसकों की भावनाओं से जुड़ा मामला है। सूत्रों ने कहा कि अगर कार्यक्रम या विजय समारोह नहीं हुआ तो सरकार की बदनामी होगी, इसलिए उसे मौका दिया जाना चाहिए। घटना के बाद सभी एक-दूसरे पर हमला करने लगे। पुलिसकर्मियों से भी काफी दिक्कतें हुईं। 3 जून को आरसीबी के बीपीएल मैच जीतने के बाद से सुबह 5 बजे तक सड़कों पर जश्न मनाया गया।

चूंकि कमिश्नर ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सख्त आदेश दिए थे, इसलिए कांस्टेबल से लेकर कमिश्नर तक सभी ने बिना सोए काम किया था। पता चला है कि जब अगले दिन विजय समारोह के लिए बंदोबस्त बुलाए गए तो कुछ कर्मचारी स्वाभाविक मानवीय थकान के कारण आराम कर रहे थे। बताया गया है कि विजय उत्सव की सुरक्षा के लिए 1600 कर्मियों को तैनात किया गया था। सरकारी सूत्रों के अनुसार, अगर बेंगलूरु में 8 लाख लोग जश्न में शामिल हुए, तो सवाल उठता है कि सुरक्षा के लिए सिर्फ 1600 कर्मी कहां से पर्याप्त होंगे। अत्यधिक भीड़, उत्साह का अतिरेक, अत्यधिक चिल्लाहट ने प्रशासन, खासकर सुरक्षाकर्मियों के हाथ कुछ घंटों के लिए बांध दिए। आईपीएल और उसके प्रशंसकों की संख्या देखकर सरकार खुद हैरान थी। ऐसी स्थिति में क्या पुलिस अधिकारी सरकार के आदेशों की अवहेलना करते हुए निर्णय ले सकते थे? अगर ऐसे निर्णय लिए गए होते, तो क्या सरकार अन्य पुलिस अधिकारियों को परिणामों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराती? पुलिस आयुक्त द्वारा पकड़े गए सभी वरिष्ठ अधिकारियों को एक झटके में निलंबित करके मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने साबित कर दिया है कि वे प्रशासनिक रूप से साहसिक निर्णय लेने में सक्षम हैं। लेकिन इस बात की जांच करने की जरूरत है कि वास्तव में स्थिति और उसके बाद की घटनाओं के लिए कौन जिम्मेदार है।

नए शहर पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने सीएम, डीसीएम, गृह मंत्री से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त के रूप में गुरुवार देर रात कार्यभार संभालने वाले सीमांत कुमार सिंह ने शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री से मुलाकात की।

बी. दयानंद, जो अब तक पुलिस आयुक्त थे, को निलंबित कर दिया गया, और सीमांत कुमार सिंह को एक जटिल परिस्थिति में राज्य सरकार द्वारा अचानक लिए गए निर्णय में पुलिस आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने तुरंत काम करना शुरू कर दिया। आयुक्त ने उस रात शहर के कुछ इलाकों में गश्त की। शुक्रवार सुबह उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के घर का दौरा किया।

इससे पहले, आयुक्त ने अपने कार्यालय में अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक की। शहर में हाल ही में उपद्रवी गतिविधियां बढ़ी हैं, और घातक हथियारों का सार्वजनिक प्रदर्शन, निर्दोष लोगों और दुकानदारों पर हमले जैसे मामले सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाना चाहिए और कानून व्यवस्था को बनाए रखा जाना चाहिए। बकरीद समारोह के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए। बताया जा रहा है कि नए पुलिस कमिश्नर ने अपने सहकर्मियों को हर परिस्थिति में वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह मशविरा कर उचित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। इस बीच पत्रकारों से बातचीत में सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस का काम हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। अब तक सभी ने अच्छा काम किया है।

उन्होंने कहा कि वे पुलिस कर्मियों, अधिकारियों और जनता के सहयोग से शहर को अच्छी पुलिसिंग मुहैया कराएंगे। मैंने अभी कार्यभार संभाला है। सभी अधिकारियों से चर्चा कर अगला कदम तय करूंगा। चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ की घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच टीम ने पूरी रात काम किया और ऑपरेशन चलाया। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दर्ज मामले को सीआईडी को सौंपने से पहले हम अपना काम करेंगे। टीम का गठन हो चुका है।

बेंगलूरु भगदड़ घटना

जांच का दायरा बढ़ाते हुए पुलिस ने कार्यक्रम आयोजकों को गिरफ्तार किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के आईपीएल जीत समारोह में हुई दुखद भगदड़ के बाद एक बड़ी घटना में, पुलिस ने शुक्रवार को केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो प्रमुख आयोजकों को गिरफ्तार किया। आरसीबी के मार्केटिंग हेड निखिल सोसले और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए के सुनील मैथ्यू को घटना से जुड़े दो अन्य लोगों के साथ हिरासत में लिया गया। आरसीबी, डीएनए और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ खराब योजना और सुरक्षा चूक को लेकर दर्ज की गई एफआईआर के मद्देनजर ये गिरफ्तारियाँ की गई हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पहले पुलिस को त्वरित कार्रवाई करने और जिम्मेदार पक्षों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, केएससीए के अधिकारी अभी भी लापता हैं।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सीमांत कुमार सिंह द्वारा बेंगलूरु के नए पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के तुरंत बाद कार्रवाई शुरू हुई, उन्होंने बी दयानंद की जगह ली, जिन्हें चार अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लापरवाही के कारण निलंबित कर दिया गया था। यह त्रासदी बुधवार को आरसीबी की ओपन-बस विजय परेड के अंतिम समय में रद्द होने के बाद हुई। हालांकि दोपहर से ठीक पहले कार्यक्रम को अचानक बंद कर दिया गया, लेकिन हजारों लोग पहले से ही तय मार्ग पर और एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर टीम की एक झलक पाने की उम्मीद में जमा हो गए थे। स्टेडियम के गेट 3 को शाम 4 बजे के आसपास आंशिक रूप से खोले जाने के बाद अराजकता बढ़ गई। पास धारकों और बिना टिकट वाले दर्शकों की अचानक भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिससे दर्जनों लोग घायल हो गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्टेडियम के पास के मेट्रो स्टेशनों को अस्थायी रूप से बाईपास किया गया।

स्टेडियम में लाखों लोग जमा हो गए

शिकायत में कहा गया है कि सम्मान कार्यक्रम और क्रिकेट टीम को एचएएल हवाई अड्डे से ताज वेस्ट एंड होटल से विधान सौधा परिसर तक ले जाने के लिए विधान सौधा में आवश्यक सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी। इस बीच, कार्यक्रम के लिए स्टेडियम में लाखों लोग जमा हो गए और आयोजकों के असमंजस के कारण भीड़ बेकाबू हो गई क्योंकि स्टेडियम में लोगों को प्रवेश की अनुमति कैसे दी जाए, जबकि स्टेडियम की क्षमता करीब 35,000 है। शिकायत में दावा किया गया है कि इस कारण भीड़ को प्रवेश देने के लिए और अधिक गेट खोले गए, जिससे भगदड़ और हंगामा हुआ। एफआईआर में कहा गया है कि इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 64 लोग घायल हो गए, जबकि कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

प्रयासों के बावजूद, एक किलोमीटर के दायरे में 50,000 से अधिक लोगों की भारी भीड़ ने सुरक्षा व्यवस्था को चरमरा दिया। घटना के बाद, राज्य सरकार ने अतिरिक्त आयुक्त विकास कुमार विकास, डीसीपी (मध्य) शेखर एचटी, एसीपी सी बालकृष्ण और कब्बन पार्क के पुलिस निरीक्षक गिरीश ए के सहित बेंगलूरु के शीर्ष पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया। आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा मैं अपने अधिकारियों के साथ समन्वय करूंगा और जवाबदेही सुनिश्चित करूंगा। जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जांच जारी है, तथा पुलिस समन्वय और भीड़ नियंत्रण में खामियों की पहचान करने में लगी हुई है, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। इससे पहले भगदड़ की घटना के कुछ घंटों बाद, कब्बन पार्क पुलिस ने गुरुवार को आरसीबी फ्रेंचाइजी, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और अन्य गंभीर आरोपों के तहत एफआईआर दर्ज की थी। कब्बन पार्क थाने के पुलिस निरीक्षक गिरीश ए. के. द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने आरोपियों पर धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 118 (स्वेच्छा से खतरनाक तरीकों से चोट पहुंचाना या गंभीर चोट पहुंचाना), 190 (अपराधों के लिए गैरकानूनी सभा के सदस्यों की जिम्मेदारी), 132 (सरकारी कर्मचारी को उसके कर्तव्य का पालन करने से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और 125 (लापरवाही या लापरवाही के कारण मानव जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, पुलिस ने मंगलवार रात स्टेडियम के अंदर और आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी, जहां हजारों प्रशंसक फाइनल मैच में आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे। मंगलवार को शाम करीब 6 बजे केएससीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुभेंदु घोष ने बुधवार को विजय उत्सव आयोजित करने के लिए पुलिस को एक अनुरोध प्रस्तुत किया था, जिसे सुरक्षा कारणों और यातायात मुद्दों को देखते हुए अस्वीकार कर दिया गया था।

हालांकि प्रबंधन ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम की घोषणा की और लोगों को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इसका संज्ञान लेते हुए, सुरक्षा उपायों और यातायात व्यवस्था के बारे में चर्चा करने के लिए एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल लगाया गया।

इस त्रासदी में पुलिस को बलि का बकरा बनाया गया

विजयेंद्र ने सीएम, डीसीएम और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के मद्देनजर, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एफआईआर में कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए), आरसीबी और आयोजन एजेंसी डीएनए को आरोपी बनाया गया है। उन्होंने तीखा हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री खुद आरोपी नंबर 1 हैं, उपमुख्यमंत्री आरोपी नंबर 2 हैं और गृह मंत्री जी. परमेश्वर आरोपी नंबर 3 हैं। उन्होंने कहा कि भगदड़ और 11 निर्दोष लोगों की मौत के संबंध में आखिरकार कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि सरकार ने तभी कार्रवाई की जब कर्नाटक उच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला शुरू किया और कड़ी टिप्पणी जारी की। उन्होंने दोहराया कि पुलिस अधिकारियों को बलि का बकरा बनाने के बजाय मुख्यमंत्री, डीसीएम और गृह मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। एफआईआर में मुख्य रूप से केएससीए, आरसीबी और डीएनए एजेंसी को आरोपी बनाया गया है। विजयेंद्र ने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के बाद ही मुख्यमंत्री जागे। सीएम ने देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बेंगलूरु कमिश्नर सहित पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि यह मुख्यमंत्री द्वारा सीधे तौर पर स्वीकारोक्ति है कि 11 लोगों की मौत की वजह बनी इस घटना में सरकार की गलती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अपनी विफलता को छिपाने के लिए पुलिस को बलि का बकरा बनाया। विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री पर पुलिस को बलि

का बकरा बनाकर जिम्मेदारी से बचने की साजिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा आपने पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, लेकिन खुफिया विंग के किसी भी अधिकारी को उनकी विफलता के लिए निलंबित क्यों नहीं किया गया? उन्होंने बताया कि खुफिया विभाग सीधे सीएम के अधीन काम करता है, और उन्हें निलंबित करने से सीएम खुद ही फंस जाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें 30,000-40,000 लोगों की भीड़ की उम्मीद थी, लेकिन लगभग 2-3 लाख लोग आए, जो स्पष्ट रूप से खुफिया विफलता थी - एक ऐसी विफलता जिसे अब सीएम ने भी स्वीकार किया है। विजयेंद्र ने आईपीएल फाइनल में आरसीबी टीम की जीत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आरसीबी ने राज्य को गौरवान्वित किया और सरकार ने उस दिन शाम 4 बजे विधान सौधा की भव्य सीढ़ियों पर उन्हें सम्मानित करने की योजना बनाई थी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह मुख्यमंत्री ही थे जिन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने खुलासा किया कि 3 तारीख को मैच से पहले ही, केएससीए, आरसीबी और डीएनए एजेंसी ने समारोह आयोजित करने की अनुमति के लिए कब्बन पार्क पुलिस से संपर्क किया था। लाखों प्रशंसकों की अपेक्षित बड़ी भीड़ को देखते हुए, पुलिस ने आधिकारिक तौर पर अनुमति देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस द्वारा अनुमति देने से इनकार करने के बावजूद कार्यक्रम की अनुमति कैसे दी गई। उन्होंने पूछा सरकार में किसने अनुमति दी? उन्होंने कहा आरसीबी के लाखों प्रशंसक विधान सौधा के पास एकत्र हुए - किसने इसे अधिकृत किया? उन्होंने कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के लिए भी कोई अनुमति नहीं दी गई थी और एफआईआर में कहा गया है कि यह आयोजन अवैध था। उन्होंने सवाल किया इसके बावजूद, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार चिन्नास्वामी स्टेडियम क्यों गए और जश्न में हिस्सा क्यों लिया? उन्होंने ट्रॉफी क्यों पकड़ी और चूमी? विजयेंद्र ने उप्परपेट पुलिस स्टेशन के पास दिन में पहले हुई बातचीत को साझा किया। जब मैं यात्रा कर रहा था, तो मैंने एक ऑटो चालक से बात की, जिसने कहा आप विपक्ष से हैं, है न? ग्यारह निर्दोष लोग मारे गए। आपको इस घटिया कांग्रेस सरकार को गिरा देना चाहिए। विजयेंद्र ने कहा कि यह आज की जनता की भावना को दर्शाता है। कांग्रेस नेता बी.के. हरिप्रसाद ने भी सरकार द्वारा इस जीत के जश्न की आवश्यकता पर सवाल उठाया है। उन्होंने कथित तौर पर कहा राज्य सरकार ने आरसीबी की जीत का जश्न क्यों मनाया? राज्य सरकार को 11 लोगों की मौत के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

आरसीबी के समारोह पर केएससीए द्वारा सरकार को लिखे गए पत्र का खुलासा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यह बात सामने आई है कि देशभर में बड़ा विवाद खड़ा करने वाले कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने 3 जून को राज्य सरकार को पत्र लिखकर विधान सौधा में सम्मान समारोह आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

सरकार ने पहले कहा था कि केएससीए ने कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में कोई पत्र नहीं लिखा है। पत्र में खुलासा किया गया है कि सरकार को इस बात की जानकारी दी गई थी कि अगर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु आईपीएल 2025 का खिताब जीतती है तो विधान सौधा में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पत्र में डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क नामक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को विधान सौधा ग्रैंड स्टेप्स में 4 जून को आयोजित होने वाले सम्मान समारोह की व्यवस्था

करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था। यह पत्र 3 जून को शाम 7:30 बजे सरकार के पास पहुंच गया। केएससीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुभेंदु घोष द्वारा हस्ताक्षरित राज्य सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग को भेजे गए पत्र में अतिथि सूची का भी उल्लेख किया गया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आरसीबी के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को सम्मानित करने के लिए इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। केएससीए ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और घोष को सलाह दी कि यदि किसी और स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो वे डीपीएआर कार्यालय से संपर्क करें। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत के बाद बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि राज्य सरकार केएससीए द्वारा आयोजित स्टेडियम कार्यक्रम में भाग नहीं लेगी। स्टेडियम में समारोह से पहले विधान सौधा में आईपीएल 2025 विजेताओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया था।

विधान सौधा के सामने एक लाख से अधिक लोग एकत्र हुए, लेकिन सौभाग्य से वहां कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

हालांकि, 35,000 की क्षमता वाले स्टेडियम में करीब दो से तीन लाख लोग एकत्र हुए। यह पूरी तरह से अप्रत्याशित था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया था कि स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन केएससीए ने किया था, राज्य सरकार ने नहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार की भूमिका अनुमति देने और पुलिस सुरक्षा प्रदान करने तक सीमित थी। हमने अनुमति दी और सुरक्षा के लिए पूरे बेंगलूरु पुलिस बल को तैनात किया। उन्होंने यह कहकर अपना बचाव किया था कि सरकार ने स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित नहीं किया था।

हम शव पर राजनीति नहीं करते: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय बड़े उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि हमने कभी भी शव पर राजनीति नहीं की है। हम भविष्य में भी ऐसा नहीं करेंगे। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा-जेडीएस गठबंधन मजबूत है और हम सरकार की कमियों का खुलासा करने का काम करेंगे।

दोनों पार्टियां एकजुट हैं और कोई भी उन्हें विभाजित नहीं कर सकता। दोनों सहयोगियों ने कहा कि वे राज्य के विकास के लिए कानूनी रूप से लड़ेंगे और एक अच्छी सरकार लाने के लिए पूरे राज्य में सरकार की विफलताओं के खिलाफ जागरूकता पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक एक स्वर्णिम राज्य है और राज्य को कांग्रेस से बचाने की जरूरत है, जो एक खराब सरकार चला रही है।

आरसीबी की जीत के जश्न में हुई भगदड़ में 11 निर्दोष लोगों की मौत हो गई। पुलिस की सलाह को नजरअंदाज करने वाली कांग्रेस सरकार ही त्रासदी का कारण है। लोग सिटी पुलिस कमिश्नर दयानंद के निलंबन का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि उन्होंने निलंबन का नाटक किया हो। एफआईआर में दर्ज है कि 3 जून को आरसीबी की जीत होने पर केएससीए ने 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम में कार्यक्रम करने की अनुमति मांगी थी। इसमें उल्लेख है कि कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग से अनुमति मांगी गई थी। जब पुलिस अधिकारी दोनों स्थानों पर कार्यक्रम करने के लिए सहमत नहीं हुए तो उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने खुद शहर के पुलिस आयुक्त को कार्यक्रम करने की अनुमति देने का आदेश दिया और व्यवस्था करने का निर्देश दिया। इस मामले में मुख्यमंत्री के राजनीतिक कार्यालय ने सीएम पर दबाव बनाया है। डी.के. शिवकुमार सीधे कनकपुरा स्थित एचएएल हवाई अड्डे पर आए और आरसीबी टीम का स्वागत किया। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि उन्होंने देश को ब्रांड बेंगलूरु दिखाने के इरादे से ऐसा किया। क्या 11 निर्दोष लोगों की मौत पर आंसू बहाने और नाटक करने से न्याय मिलेगा? विधान सौधा के सामने आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के परिवारों में फोटो खिंचवाने की होड़ मच गई। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उचित सम्मान नहीं दिया गया। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने यह जानते हुए भी कि भगदड़ में कई मर गए, जीत का प्याला चूमा। मुख्यमंत्री ने सभी के साथ एक होटल में लंच किया। इससे पता चलता है कि उनमें कितनी मानवता है। इस त्रासदी की जांच डीसी, सीआईडी और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जाएगी। तीनों में से किसको स्वीकार किया जाएगा? एक एफआईआर यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि पुलिस अधिकारी दोषी नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी जांच से सच्चाई सामने नहीं आएगी और मृतकों के परिवारों को न्याय नहीं मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों के निलंबन का किया बचाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने एक बार फिर शहर के पुलिस आयुक्त समेत वरिष्ठ अधिकारियों के निलंबन का बचाव करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स की 43वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा के पास माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और जेडीएस पार्टियां राजनीति कर रही हैं। लेकिन मैं इस मामले में राजनीति नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि जो भी जिम्मेदार है, हमने उसके खिलाफ कार्रवाई की है। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि देवराज उर्स राज्य के सबसे कूटनीतिक राजनेताओं में से एक थे। उन्होंने कहा कि वे गरीबों, अन्याय, उत्पीड़न के शिकार लोगों और अवसरों से वंचित लोगों के बारे में बहुत चिंतित थे। उन्होंने कर्नाटक में गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम को बहुत ही सफाई से चलाया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने राजनीतिक रूप से वंचित लोगों की पहचान करने और उन्हें सामने लाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि विधायकों ने उन्हें विधान परिषद का सदस्य बनाकर विधानसभा में पहुंचाया। उन्होंने हवनूर आयोग का गठन कर उसकी रिपोर्ट लागू की तथा पिछड़े वर्गों के लिए रोजगार और शिक्षा में आरक्षण की व्यवस्था की। सामाजिक न्याय में उनकी गहरी आस्था थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने जरूरतमंदों और भूमिहीनों को न्याय दिलाया। उन्होंने भूमि स्वामी अधिनियम के माध्यम से भूमिहीन भूस्वामियों को भूस्वामी बनाया। उन्होंने दास प्रथा को समाप्त किया। उनके कार्यक्रमों के बारे में बताने में बहुत समय लगेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में लंबे समय तक राज्य पर शासन किया। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की चिंता करने वाले और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध राजनेता देवराज उर्स को 7 करोड़ कन्नड़ लोगों के प्रतिनिधि के रूप में आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि देवराज उर्स के कार्यक्रम हमारे लिए प्रेरणा हैं। हमारी सरकार भी सामाजिक न्याय लागू करने में उनके मार्ग पर चलेगी।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के लिए निकाली रैली

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्यावरण जागृती वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में नवकीस एजुकेशनल सेंटर के विद्यार्थियों के सहयोग से लोगों में पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता लाने के लिए एक रैली निकाली गई। मैसूरु महल परिसर स्थित आंजनेय स्वामी मंदिर के आगे विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी नाटक की प्रस्तुति दी।

अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने अपने सम्बोधन में बताया कि आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं, जो आने वाली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी शिक्षा, उनका विकास और उनकी प्रतिभा के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण के बारे में भी जानकारी देना आवश्यक है, ताकि बच्चे देश के भविष्य को आकार दे सकें। हमें बच्चों में एक सुरक्षित और सकारात्मक माहौल प्रदान करना चाहिए, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ सकें। बच्चे देश की रीढ़ हैं। वे ही आने वाले कल के निर्माणकर्ता हैं। बच्चे अपने चरित्र निर्माण, समाज सेवा, देश की अर्थव्यवस्था में सुधार और देशभक्ति की भावनाओं से सरोबार, राजनीति में सकारात्मक विचारों के साथ देश का नेतृत्व करेंगे। शिक्षा बच्चों को ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जिससे वे बेहतर जीवन जी सकते हैं और देश के विकास में योगदान कर सकते हैं। आज के समय में ज्यादा से ज्यादा पौधा रोपण करने की आवश्यकता है। बाद में राजप-ुरोहित ने रैली को हरी झंडी दिखाई।

रैली गांधी चौक, सय्याजीराव मार्ग, केआर सर्कल, देवराज अर्स मार्ग होते हुए पुराना जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा, जहां उसका समापन हुआ। इस मौके पर प्रिंसिपल ताराकेश्वरी, व्यवस्थापक महेश, सुभा, भव्या, अनोप, गणपत सिंह दहिया, अमराराम सीरवी सहित बड़ी संख्या में विधार्थी उपस्थित रहे।

सिद्धपुरा में तीन दिन के अभियान के बाद जंगली हाथी पकड़ा गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। सिद्धपुरा के वन-सीमावर्ती गांवों के पास पिछले तीन दिनों से घूम रहा एक अकेला जंगली हाथी, जो निवासियों के बीच दहशत पैदा कर रहा था, आखिरकार गुरुवार शाम को छह कुमकी (प्रशिक्षित) हाथियों और 150 सदस्यीय टीम के साथ एक बड़े और समन्वित अभियान के बाद पकड़ा गया। सिद्धपुरा शहर और आसपास के इलाकों में भटकने वाले हाथी ने सामान्य जीवन को बाधित कर दिया था, जिससे अधिकारियों को स्कूलों और आंगनवाड़ियों के लिए अवकाश घोषित करना पड़ा। एहतियात के तौर पर शाम 6:30 बजे तक व्यवसायों को बंद करने का भी आदेश दिया गया था। हाथी को पकड़ने के अभियान में चिक्कमगलूरु हाथी टास्क फोर्स, कुद्रेमुख और शिवमोग्गा वन्यजीव प्रभागों, कुंदापुर, सिद्धपुरा, अमासबेलू और शहरी वन्यजीव रेंज के क्षेत्रीय वन विभागों के साथ-साथ शंकरनारायण रेंज के अधिकारियों की टीमें शामिल थीं। गुरुवार दोपहर को प्रयास तेज हो गए जब वन अधिकारियों ने हाथी पर पहले से लगे रेडियो कॉलर का उपयोग करके उसका पीछा करना शुरू किया। शाम 5:30 बजे तक, सकरेबेलू के पशु चिकित्सक डॉ. कल्लप्पा, मेंगलूरु के डॉ. यशस्वी और नागरहोल के डॉ. रमेश ने 1.2 मिली की ट्रैंक्विलाइजर खुराक दी। हाथी के 8-10 मिनट के भीतर लेट जाने की उम्मीद थी, लेकिन वह हेन्नाबेलू में उरापालू के पास गिरने से पहले जंगल में लगभग 1.5 किलोमीटर अंदर चला गया। इस ऑपरेशन में नागरहोल के भीमा और सकरेबेलू के बहादुर, बालचंद्र और सोमन्ना सहित कुमकी हाथियों का इस्तेमाल किया गया। महावत, वन रक्षक और पशु चिकित्सकों ने समन्वय में काम किया और सफलतापूर्वक पकड़ने का काम पूरा किया। हाथी को मूल रूप से जंगल के किनारे शरारती व्यवहार दिखाने के बाद ट्रैंक्विलाइज करके हासन से भद्रा वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित कर दिया गया था। हालांकि, यह झुंड में शामिल नहीं हुआ और भाग गया। 3 जून की रात को बालेबारे घाट के माध्यम से सिद्धपुरा में प्रवेश करने से पहले लक्कावली जंगल के माध्यम से 150 किमी से अधिक की यात्रा की। चार ईटीएफ टीमों द्वारा कई प्रयासों के बावजूद, हाथी दो दिनों तक पकड़ में नहीं आया। आखिरकार, गुरुवार को, विशाल टीम ने हेन्नाबेलु के पास उरापालु जंगल में उसे खोजने और पकड़ने में कामयाबी हासिल की। हाथी को अब सकरेबेलु हाथी शिविर में स्थानांतरित कर दिया गया है।

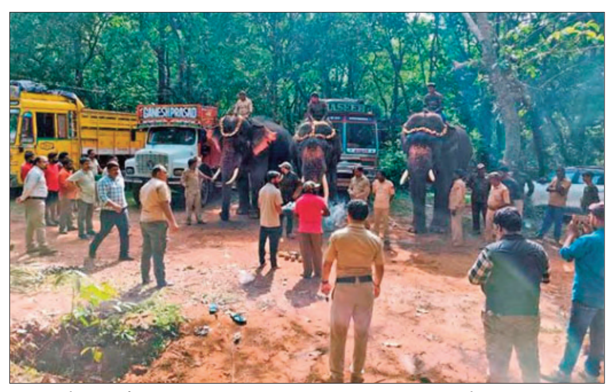

ऑपरेशन की प्रत्याशा में, सिद्धपुरा के कुछ हिस्सों की बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से काट दी गई थी। लोगों को सचेत करने के लिए ऑटो पर लगे लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया गया। व्यवधान से बचने के लिए सिद्धपुरा-होसांगडी राज्य राजमार्ग को दोपहर 3:30 बजे से शाम 7:30 बजे के बीच बंद कर दिया गया। उडुपी की डिप्टी कमिश्नर डॉ. के विद्याकुमारी ने कहा हाथी को लोगों को कोई नुकसान पहुँचाए बिना सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय किए गए, और वन विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। कुद्रेमुख डिवीजन के सहायक वन संरक्षक शिवराम बाबू ने कहा 150 कर्मियों, तीन पशु चिकित्सकों और छह कुमकी हाथियों की टीम वर्क की बदौलत यह ऑपरेशन सफल रहा। उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार हाथी को सुरक्षित रूप से सकरेबेलू में स्थानांतरित कर दिया गया है।

डीके में शांति बहाली मामला

कांग्रेस तथ्यान्वेषी पैनल अगले सप्ताह अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में सांप्रदायिक सद्भाव और शांति बहाली का अध्ययन करने के लिए कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) द्वारा गठित तथ्यान्वेषी समिति ने अपने दौरे का पहला चरण पूरा कर लिया है। पैनल अगले सप्ताह राज्य सरकार और पार्टी को एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपेगा। मेंगलूरु में शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पैनल का नेतृत्व करने वाले एआईसीसी महासचिव सैयद नसीर हुसैन, केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और एमएलसी मंजूनाथ भंडारी, केपीसीसी के उपाध्यक्ष वीआर सुदर्शन और नेता किम्माने रत्नाकर और जयप्रकाश हेगड़े ने अपनी बातचीत और निष्कर्षों का विवरण साझा किया। उन्होंने कहा हमने दक्षिण कन्नड़ के कांग्रेस नेताओं, पुलिस और राजस्व अधिकारियों, विभिन्न समुदायों और धार्मिक संस्थानों के नेताओं, व्यापारिक संघों और आम जनता से मुलाकात की है। सभी ने क्षेत्र में शांति कायम करने की इच्छा व्यक्त की है। टीम ने उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों की अपनी निर्धारित यात्रा स्थगित कर दी है, जो पहले 9 और 10 जून के लिए निर्धारित थी। समिति ने कहा हम इस पहले चरण से अपने निष्कर्षों को प्रस्तुत करने के लिए मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह और कानून मंत्रियों से मिलेंगे। चर्चाओं के आधार पर, हम तय करेंगे कि यात्रा का अगला चरण जिला या तालुका स्तर पर होना चाहिए।

समिति ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी रिपोर्ट हत्या और सांप्रदायिक हिंसा जैसी घटनाओं को रोकने और शांति, सद्भाव और विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा हम विश्लेषण करेंगे कि क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव में गिरावट का कारण क्या था - चाहे वह प्रशासनिक विफलता या अन्य कारकों के कारण था - और सुधारात्मक उपाय सुझाएंगे। हम यह भी बताएंगे कि संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए कांग्रेस पार्टी को कौन से संगठनात्मक बदलाव करने की आवश्यकता है। केपीसीसी इस रिपोर्ट को सार्वजनिक करेगी। उन्होंने आगे कहा कि केवल 2 प्रतिशत व्यक्ति सीधे तौर पर हिंसा भड़काने में शामिल हैं, जबकि लगभग 8 प्रतिशत ऐसे उपद्रवों से राजनीतिक लाभ चाहते हैं। पैनल ने कहा इन घटनाओं में शेष 90 प्रतिशत आबादी की कोई भूमिका नहीं है। हालांकि, सांप्रदायिक हत्याएं जिले के विकास में बाधा डाल रही हैं। प्रेस वार्ता में एमएलसी इवान डिसूजा और कांग्रेस नेता पद्मराज आर पुजारी, रक्षित शिवराम और सत्यप्रकाश भी मौजूद थे।

भास्कर राव ने दयानंद के निलंबन के लिए कर्नाटक सरकार की आलोचना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व आईपीएस अधिकारी भास्कर राव ने इसे कर्नाटक पुलिस के इतिहास का सबसे काला दिन बताते हुए, शहर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की आईपीएल जीत का जश्न मनाने के दौरान हुई जानलेवा भगदड़ के बाद बेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद को निलंबित करने के लिए कर्नाटक सरकार की आलोचना की। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई दुखद घटना के एक दिन बाद, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दयानंद और स्टेडियम के अधिकार क्षेत्र के लिए जिम्मेदार सभी पुलिस अधिकारियों को जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया था। बाद में सरकार ने 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी सीमांत कुमार सिंह को नया शहर पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया, जो वर्तमान में बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन टास्क फोर्स के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के रूप में तैनात हैं। राव, जो खुद अगस्त 2019 से अगस्त 2020 तक शहर के पुलिस प्रमुख के रूप में कार्यरत थे, ने एक्स पर एक पोस्ट में इस कदम की आलोचना की। सीएम सिद्धरामैया पर पैनिक मोड में जाने के लिए हमला करते हुए, उन्होंने डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार पर मुख्य अपराधी होने का भी आरोप लगाया, जिन्होंने मौत के जुलूस का आयोजन किया। सरकार के हाथ खून से सने हैं और अब वह अपना दिमाग भी खो चुकी है। सरकार अब आपदा में है। उन्होंने शहर के चामराजपेट निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ा।

आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान सरकार की नाकामी पर निखिल भड़के

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के बाद जेडीएस यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने इच्छा जताई है कि आपकी सरकार के मंत्री जो कोई योजना बनाने में विफल रहे, उन्हें मंत्रिमंडल से निलंबित किया जाना चाहिए था, न कि बेंगलूरु शहर की हर दिन सुरक्षा करने वाली पुलिस को।

इस संबंध में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने जीत के जश्न की अनुमति दी थी। मुख्यमंत्री ने लोगों को आमंत्रित किया था। यह कार्यक्रम डीपीएआर विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। इस त्रासदी की जिम्मेदारी लेने के बजाय उन्होंने सभी पर उंगली उठाने का आरोप लगाया है। क्या बेंगलूरु सिटी पुलिस, जिसने चिन्नास्वामी स्टेडियम में हर आईपीएल मैच को बिना किसी परेशानी के संभाला है, अब गलत है? सच में? जब डीसीएम रील बनाने में व्यस्त थे, तब मंत्री भी अपने बेटे, बेटियों और पोते-पोतियों को आरसीबी खिलाड़ियों के साथ वीआईपी सेल्फी के लिए ले जा रहे थे। भीड़ नियंत्रण उनके ध्यान में ही नहीं था। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, यदि आप जिम्मेदारी के प्रति गंभीर हैं तो आपको सबसे पहले गृह मंत्री और आपके बगल में बैठे मंत्री को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराना चाहिए था।

राज्य में कोविड के 61 नए मामले, बुजुर्ग की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 61 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से 6.4 प्रतिशत सक्रिय मामले हैं और एक 65 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है। गुरुवार को 45 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और 644 लोगों ने कोविड-19 परीक्षण किए। इनमें से 566 ने आरटीपीसीआर परीक्षण और 796 ने आरएटी परीक्षण किए। अस्पताल में कुल 5 संक्रमित लोगों का इलाज चल रहा है। 1 जनवरी से अब तक कुल 61 कोविड-19 मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया अब तक, 338 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और एक 65 वर्षीय व्यक्ति को 24 मई को स्वास्थ्य समस्याओं के कारण दावणगेरे के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी कोविड-19 से मृत्यु हो गई।

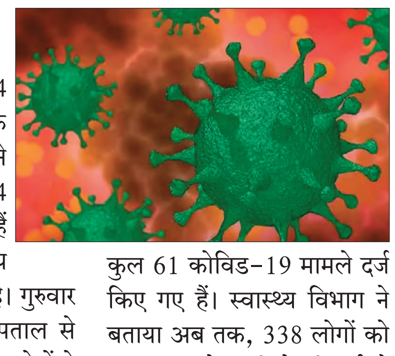

बाइक और कंटेनर लॉरी की टक्कर में तीन सुरक्षा गार्डों की मौत

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर नांदीहल्ली के पास शुक्रवार सुबह एक कंटेनर लॉरी से दोपहिया वाहन की टक्कर होने से तीन सुरक्षा गार्डों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान शहर के उप्-पराहल्ली निवासी राजेश (25), धनंजय (27) और धनुष (23) के रूप में हुई है। डबासपेट में एक निजी कंपनी में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने वाले तीन सुरक्षा गार्ड अपनी नाइट शिफ्ट खत्म करने के बाद सुबह करीब 7.30 बजे दोपहिया वाहन से तुमकुरु लौट रहे थे। वे नांदीहल्ली के पास पेट्रोल भरवा रहे थे और सड़क पर मुड़ रहे थे, तभी उनकी टक्कर एक कंटेनर से हो गई। पता चला है कि वे नींद में बाइक चला रहे थे और उन्हें लॉरी दिखाई नहीं दी और वे उससे टकरा गए। टक्कर के कारण बाइक पूरी तरह चकनाचूर हो गई। खबर मिलते ही एएसपी गोपाल, डीएसपी चंद्रशेखर और कटसांद्रा थाने के सीपीआई राम प्रसाद ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया और मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

ऑल इन वन
शनिवार, 07 जून, 2025
बेंगलूरु
शुभ लाभ DAILY

भारतीय भाषाओं के विकास के लिए बना अलग अनुभाग: शाह

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश की भाषाओं के विकास तथा उन्हें और समृद्ध बनाने और प्रशासन को विदेशी भाषा से मुक्ति दिलाने के लिए राजभाषा विभाग के तहत अलग से भारतीय भाषा अनुभाग बनाया गया है।

श्री शाह ने इस अनुभाग का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना से राजभाषा विभाग एक सम्पूर्ण विभाग बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्त कराने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा। इस अनुभाग के गठन से भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच मिलेगा।

भारतीय भाषाओं भारतीय संस्कृति और भारत की आत्मा बताते हुए गृहमंत्री ने कहा कि स्थानीय भाषाओं को ताकत देकर ही देश विश्व में गौरवमयी स्थान पर पहुंचा सकता है।

उनका कहना था कि सभी भाषाओं की भावना, समृद्धि और संवेदना को कम किए बिना टेक्नॉलॉजी का उपयोग हो।

उन्होंने कहा , हमारी सोचने, विश्लेषण करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया जब हमारी मातृभाषा में होती है तभी हमारी क्षमता का भरपूर दोहन संभव है। उनका कहना था कि देश की सभी स्थानीय भाषाओं को ताकत देकर ही हम भारत को उसके चिरातन गौरवमयी स्थान पर पहुंचा सकते हैं।

श्री शाह ने सोशल मीडिए एक्स पर भी कहा आज राजभाषा विभाग के 'भारतीय भाषा अनुभाग' का शुभारंभ किया। यह अनुभाग भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच प्रदान करेगा, जिससे न सिर्फ भारतीय भाषाएँ, बल्कि भारतीय संस्कृति और भी मजबूत होगी। मेरा मानना है कि इस विभाग के शुभारंभ के बाद राजभाषा विभाग अब एक सम्पूर्ण विभाग बन गया है।

रिजिजू ने वक्फ संबंधित उम्मीद पोर्टल लॉन्च किया

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामले एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केंद्रीय पोर्टल 'उम्मीद' का शुभारंभ करने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह वक्फ संपत्ति प्रबंधन तथा प्रशासन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

श्री रिजिजू ने कहा कि इससे न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि आम मुसलमानों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को भी मदद मिलेगी। यह पोर्टल अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने और समुदाय के स्वामित्व वाली वक्फ संपत्तियों का प्रभावी और निष्पक्ष उपयोग सुनिश्चित करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों की वास्तविक समय पर अपलोडिंग, सत्यापन और निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा।

इस पोर्टल से भारत भर में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन में व्यापक बदलाव आने की उम्मीद है, जिससे अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक भागीदारी आएगी।

जी–7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने कनाडा जाएंगे मोदी

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क जे कार्नी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज टेलीफोन करके जून के मध्य में होने वाले जी–7 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया ।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क जे कार्नी का फोन आने पर मुझे खुशी हुई। हाल ही में मिली चुनावी जीत पर उन्हें बधाई दी और इस महीने के मध्य में कनानास्किस में होने वाले जी–7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

श्री मोदी कहा, लोगों के बीच गहरे संबंधों से बंधे जीवंत लोकतंत्रों के रूप में, भारत और कनाडा आपसी सम्मान और साझा हितों द्वारा निर्देशित नए उत्साह के साथ मिलकर काम करेंगे। शिखर सम्मेलन में हमारी मुलाकात का इंतजार है।

यह 51वां जी–7 शिखर सम्मेलन 15 से 17 जून तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पहल

बाल तस्करों से बचाए गए 32 बच्चे 7 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने अलग–अलग घटनाओं में 32 बच्चों को बाल तस्करी से सफलतापूर्वक बचाया। यह बचाव अभियान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और स्थानीय गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाए गए। इन बच्चों को पश्चिम बंगाल और बिहार से बाल श्रम के उद्देश्य से राजस्थान, पंजाब और हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में तस्करी कर ले जाया जा रहा था। आयोग ने बताया कि बिहार और पश्चिम बंगाल से बच्चों की तस्करी के बारे में शिकायत मिली थी। इसपर कार्रवाई करते हुए एनसीपीसीआर ने आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम किया। अभियान के दौरान सासाराम रेलवे स्टेशन पर हावड़ा–मुंबई एक्सप्रेस से 8 बच्चों और मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन से 24 बच्चों को बचाया गया। इन मामलों में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

ब्रिक्स देश 'जीरो टॉलरेंस' की आतंकी नीति पर सहमत, भारत को सौंपी अध्यक्षता

नई दिल्ली/ ब्राजीलिया, 06 जून (एजेंसियां) ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध 'ज़ीरो टॉलरेंस'की नीति पर सहमति जताई है।

ब्राजील की राजधानी ब्राज़ीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम के वार्षिक सम्मेलन में भारत सहित 10 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। लोकसभा अध्यक्ष अध्यक्ष ओम बिरला सम्मेलन मे भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

ब्रिक्स संसदीय फोरम का 12वां सम्मेलन भारत में होगा इसलिए सम्मेलन के अंतिम दिन श्री बिरला को अध्यक्षता सौंपी गई है। ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने हिस्सा लिया। सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए साझा घोषणापत्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संसदीय सम्मेलन में प्रतिनिधियों के विचार–विमर्श के बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था, अंतर–संसदीय सहयोग, वैश्विक शांति और सुरक्षा जैसे कई विषयों पर व्यापक चर्चा होने के बाद सहमति बनी। विभिन्न विषयों पर भारत की तरफ से प्रस्तुत दृष्टिकोण को सभी देशों ने सराहा और उसे सर्वसम्मति से अंतिम संयुक्त घोषणा में शामिल किया गया।

सम्मेलन में भारत ने आतंकवादी हमलों की स्पष्ट और कड़ी निंदा की और आतंकवाद के विरुद्ध 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। संयुक्त घोषणा में पहलगाम आतंकी हमले की भी कठोर शब्दों में निंदा की गई, और इस बार पर सभी देशों के प्रतिनिधियों के बीच सर्व सहमति बनी कि सभी ब्रिक्स देशों की संसद आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर कार्य करेगी।

श्री बिरला ने आतंकवादी संगठनों को मिलने वाली आर्थिक मदद को रोकने, खुफिया जानकारी के आदान–प्रदान, आधुनिक तकनीकों के दुरुपयोग को रोकने तथा जांच और न्यायिक प्रक्रियाओं में सहयोग जैसे पहलुओं पर साझा प्रयास करने पर जोर दिया है।

1 करोड़ का इनामी नक्सली बीजापुर मुठभेड़ में ढेर

बीजापुर, 06 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सेना और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान एक करोड़ रुपए का इनामी नक्सली सुधाकर आनंद बालकृष्ण मारा गया।

भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और गोला–बारूद भी बरामद हुए हैं। यह मुठभेड़ बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में हुई। आनंद बालकृष्ण नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी का सदस्य था। बालकृष्ण नक्सली विचारधारा का समर्थक और एक क्रूर आतंकी के तौर पर जाना जाता था।

पिछले कई सालों से देश के कई राज्यों की पुलिस उसकी तलाश में थी। वह लगभग 30 साल से नक्सलवादी गतिविधियों में सक्रिय था। वह नक्सली संगठन में शिक्षा विभाग से जुड़े काम देखता था। इसकी मौत को नक्सलियों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

भारत का आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए वैश्विक स्तर का संगठन बनाने पर बल

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)। भारत ने विश्व समुदाय से आपदा जोखिम न्यूनीकरण वित्त–पोषण (डीआरआर) के लिए एक ऐसे वैश्विक प्रतिष्ठान की स्थापना का आह्वान किया है जो इस इस क्षेत्र में कर्ज और वित्तीय सहायता को उत्प्रेरित करने की भूमिका निभा सके।

देश ने डीआरआर वित्तपोषण वव्यवस्था को इस दिशा में सहज प्रगति की आधारशिला बताया है। भारत ने इस क्षेत्र में अपनी राष्ट्रीय वित्तपोषण प्रणाली को दुनिया में राष्ट्रीय स्तर की ऐसी एक प्रमुख प्रणाली बताया है तथा वैश्विक स्तर पर डीआरआर वित्तपोषण के काम के लिए अलग सुविधा के अभाव को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने जिनेवा में डीआरआर वित्तपोषण पर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में यह प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि में ठोस, समयबद्ध परिणामों और प्रौद्योगिकी सहायता तथा ज्ञान विनिमय के साथ उत्प्रेरक वित्त पोषण के लिए एक वैश्विक प्रतिष्ठान का गठन किया जाना चाहिए।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों द्वारा समर्थित एक वैश्विक सुविधा के निर्माण का आह्वान किया, ताकि

उत्प्रेरक धन, तकनीकी सहायता और ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया जा सके।

प्रधामंत्री कार्यालय की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. मिश्रा ने बुधवार को सम्मेलन को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण चर्चा के आयोजन के लिए संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (यूएनडीआरआर) और उसके सहयोगियों की सराहना की। भारत ने अपनी जी–20 की अध्यक्षता के माध्यम से वैश्विक संवाद जारी रखने में ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के योगदान की भी चर्चा की है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए वित्त व्यवस्था कोई छोटा मुद्दा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रणालियों के प्रभावी कामकाज और बढ़ती जलवायु तथा आपदा जोखिमों को देखते हुए इसका बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा कि भारत इस मामले में मजबूत और उत्तरदायी डीआरआर वित्तपोषण वव्यवस्था को इस दिशा में प्रगति की सुगमता की आधारशिला मानता है।

डॉ. मिश्रा ने डीआरआर वित्त–पोषण में भारत की व्यवस्था के विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में पहले के वित्त आयोगों की ओर से इस मद के लिए आवंटन मात्र छह करोड़ रुपये (लगभग सात लाख डॉलर) था पर आज, 15 वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचयी परिव्यय 2.32 लाख करोड़ रुपये (लगभग 28 अरब डॉलर) से अधिक हो गया है।

उन्होंने भारत में आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 द्वारा समर्थित राष्ट्रीय से राज्य और जिला स्तरों पर प्रवाहित पूर्व–निर्धारित, नियम–आधारित आवंटन के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन ने सुनिश्चित किया कि आपदा वित्त–पोषण प्रतिक्रियात्मक के बजाय संरचित और अनुमानित है।

उन्होंने कहा कि भारत में डीआरआर वित्तपोषण चार सिद्धांतों पर आधारित है। इसके तहत पहली व्यवस्था आपदाओं को ध्यान में रख कर पहले से तैयारी, शमन, राहत और उबरने के काम के लिए धन के उपाय किए जाते हैं। इसके बाद वित्त पोषण में प्रभावित लोगों और कमजोर समुदायों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाती है। तीसरा व्यवस्था केंद्रीय, राज्य और स्थानीय पर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराना और इसमें चौथे सिद्धांत के तहत व्यय में उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और उनके परिणामों को मापने की व्यवस्था शामिल हैं।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि आपदा जोखिम वित्तपोषण राष्ट्रीय स्वामित्व और संचालित होना चाहिए, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग द्वारा पूरक हो। जबकि प्रत्येक देश को अपनी प्रणाली को अपने शासन ढांचे, राजकोषीय संदर्भ और जोखिम के स्वरूप के अनुरूप बनाना चाहिए।

सार्वजनिक वित्त से परे विविध वित्तीय साधनों की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि जोखिम पूलिंग, बीमा और अभिनव वित्तीय साधनों जैसी प्रणालियों को स्थानीय सामर्थ्य और राजकोषीय स्थिरता के साथ मेलजोल में विकसित किया जाना चाहिए।

उन्होंने सम्मेलन से आग्रह किया कि शामिल देश इस मामले में इच्छा–अभिलाषा व्यक्त करने वाले बयान से आगे बढ़कर ठोस और समयबद्ध परिणामों की ओर कदम बढ़ाएं।

प्री–मानसून बारिश से मेस्कॉम उप–डिवीजनों को 2.5 करोड़ का नुकसान

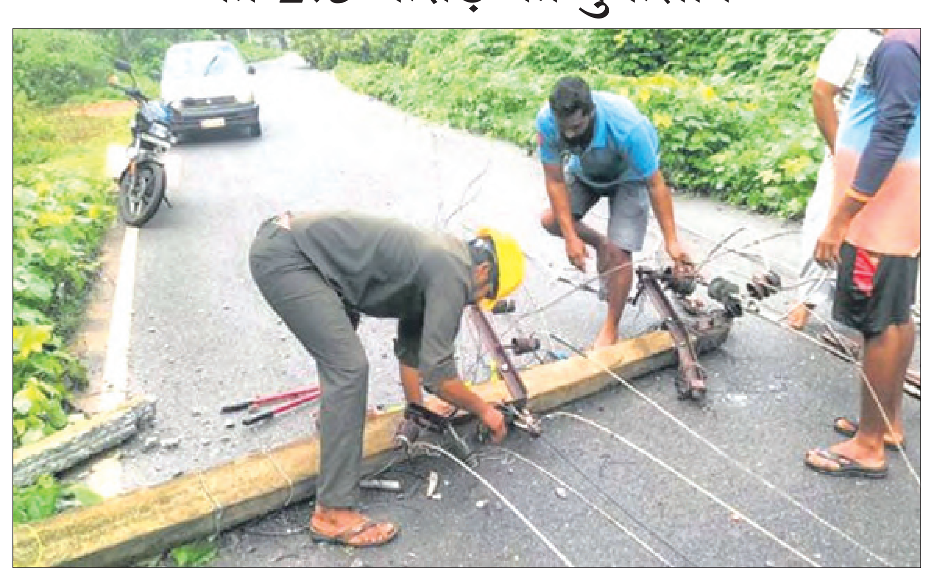

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानसून के मौसम की शुरुआत से पहले ही, मार्च, अप्रैल और मई के महीनों में भारी बारिश के कारण बेल्टांगडी और उजीरे मेस्कॉम उप–विभागों को लगभग 2.5 करोड़ का अनुमानित नुकसान हुआ है। मार्च में प्री–मानसून बारिश पहले ही तेज हो गई थी और मई में और भी खराब हो गई, जिससे बिजली के खंभों, बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मर और अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा, क्योंकि बिजली लाइनों पर पेड़ गिर गए। पिछले तीन महीनों में अकेले बेल्टांगडी उप–विभाग को 1.40 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। एलटी लाइन में 349 बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए, जबकि एचटी लाइन में 179 खंभे प्रभावित हुए। छह बिजली ट्रांसफार्मर पूरी तरह से नष्ट हो गए, और लगभग 90 प्रतिशत शेष ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए और बाद में उनकी मरम्मत की गई।

उजीरे उप–विभाग, जिसमें सोमंतदका, धर्मस्थल, उजीरे और कोक्कडा क्षेत्र शामिल हैं, में भी भारी नुकसान हुआ। इस क्षेत्र में 326 एलटी लाइन पोल और 110 एचटी लाइन पोल गिर गए। ट्रांसफार्मरों में से तीन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा, 25 केवी लाइन में 33 और 63 केवी लाइन में 38 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए।

इन तीन महीनों में अकेले उजीरे उप–विभाग के लिए कुल नुकसान 95.85 लाख रुपये होने का अनुमान है। मेस्कॉम के कर्मचारी हर परिस्थिति में बिजली बहाल करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते रहते हैं। दुखद बात यह है कि बेल्टांगडी मेस्कॉम के वेनूर सेक्शन के बिजली कर्मचारी और तुम्बे गुड्डे, नारवी के निवासी सुधाकर उर्फ किट्टा की 26 मार्च को एंडिनजे रोड के पास एक ट्रांसफार्मर से गिरकर मौत हो गई। एक अन्य घटना में, कुवेट्टू गांव के ओडिलालू निवासी और सहायक बिजली कर्मचारी विजेश कुमार के (35) की कुछ दिन पहले अमरजालू में एक ट्रांसफार्मर पर फ्यूज बदलने का प्रयास करते समय मौत हो गई।

पिछले साल, मेस्कॉम ने इन दो डिवीजनों में ही 8 से 10 करोड़ रुपये के बीच नुकसान की सूचना दी थी। इस साल मानसून का असर अभी देखा जाना बाकी है। इस साल, मेस्कॉम को अप्रत्याशित बारिश के कारण पहले ही भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है।

बैंकॉक में यूपी टूरिज्म की इंटरनेशनल ब्रांडिंग की तैयारी में जुटी सरकार

लखनऊ, 06 जून (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक पटल पर चमकाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग आगामी 26 से 28 अगस्त 2025 तक बैंकॉक में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पाटा) 2025 में अपनी भव्य उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में जुट गया है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और निवेशकों के लिए एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में पेश करेगा, जिससे प्रदेश की पर्यटन क्षमता और अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

पाटा बैंकॉक 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग 36 वर्ग मीटर के शानदार स्टॉल के माध्यम से राज्य की अनूठी छटा प्रदर्शित करेगा। यहां बौद्ध सर्किट जैसे सारनाथ, कुशीनगर और श्रावस्ती, साथ ही आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थल जैसे वाराणसी, अयोध्या और महाकुम्भ को प्रमुखता दी जाएगी। स्टॉल में एलईडी वॉल स्क्रीन और ऑटो-नेविगेशन स्क्रीन पर राज्य के पर्यटन स्थलों की जीवंत छवियां प्रदर्शित की जाएंगी। पर्यटक एआर (आग्युमेटेड रियलिटी) आधारित डिजिटल टच पैनल पर उत्तर प्रदेश के छह खूबसूरत स्थलों की पृष्ठभूमि में सेल्फी भी ले सकेंगे। यहां आने वाले मेहमानों को न केवल उत्तर प्रदेश की हस्तकला और ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट) से परिचित कराया जाएगा, बल्कि प्रदेश के ऐतिहासिक मंदिर, उनकी वास्तुकला और महात्म्य का भी रचनात्मक प्रदर्शन होगा, जिससे प्रदेश की समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की विशिष्ट झलक मिलेगी।

आयोजन में न केवल यूपी की प्रदर्शनी देखने को मिलेगी बल्कि योगी सरकार की इससे आगे बढ़कर बैंकॉक में एक दिन के अंतरराष्ट्रीय रोडशो का आयोजन भी करेगी, जो पाटा आयोजन से पहले या बाद में होगा। इस शानदार रोडशो में 100 से अधिक स्टेक होल्डर्स प्रतिभाग करेंगे, जैसे ट्रैवल ट्रेडर्स, ट्रैवल मीडिया और प्रभावशाली हस्तियां भी मौजूद रहेंगी। आयोजन बैंकॉक के द वेस्टिन ग्रांड सुखमवित, बैंकॉक मारियट मार्किस क्वीन्स पार्क या रैडिसन ब्लू प्लाजा जैसे तारांकित होटल में होगा। यहां हाई-टी, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जो उत्तर प्रदेश के पर्यटन पैकेज और निवेश अवसरों को हाइलाइट करेंगी। यहां तस्वीरें, फिल्में और प्रचार सामग्री भी प्रदर्शित की जाएंगी। अंग्रेजी में निपुण अधिकारी और स्थानीय भाषा के दुभाषिए आगंतुकों को प्रदेश की खूबियों से रूबरू कराएंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की अपील बढ़ेगी।

उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमकाने के लिए योगी सरकार ने प्रभावी प्रचार रणनीति तैयार की है। सरकार द्वारा थाईलैंड के तीन प्रमुख टीवी और तीन रेडियो चैनलों पर 30-सेकंड की प्रचार सामग्री सुबह और शाम के पीक आवर्स में तीन दिनों तक प्रसारित होगी। इसके अलावा, बैंकॉक के हवाई अड्डों, मेट्रो स्टेशनों, मॉल और बस टर्मिनस जैसे 10 प्रमुख स्थानों पर 30-सेकंड की प्रचार सामग्री 15 बार प्रतिदिन, तीन दिनों तक दिखाई जाएगी।

स्थिर डिजिटल स्क्रीन भी तीन दिनों तक ब्रांडिंग को बढ़ावा देंगे। दो मुख्यधारा और दो यात्रा-संबंधी पत्रिकाओं व अखबारों को भी यूपी के पर्यटन सेक्टर के प्रचार-प्रसार मुहिम से जोड़ा जाएगा। कुल मिलाकर पाटा 2025 उत्तर प्रदेश की खूबसूरती, आध्यात्मिकता और यहां पर्यटन सेक्टर में निवेश के अवसरों को दुनिया के सामने लाने का बड़ा मंच साबित होने जा रहा है।

पाटा बैंकॉक 2025 में स्टॉल पर आगंतुकों का स्वागत खास अंदाज में होगा। पेयजल, चाय और कॉफी की व्यवस्था के साथ उत्तर प्रदेश पर्यटन के ब्रोशर, नक्शे और पीआर किट वितरित किए जाएंगे। 200 अंग्रेजी और 100 स्थानीय भाषा के सेट में ब्रोशर, लघु वीडियो और फिल्में आगंतुकों को उपलब्ध होंगे। विज़िटर बुक और कार्ड संग्रह की सुविधा से आगंतुकों की राय और संपर्क विवरण दर्ज किए जाएंगे। मोबाइल ऐप और वेबसाइट के प्रचार के लिए क्यूआर कोड और नवीनतम तकनीक का उपयोग होगा, जिससे पर्यटक आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकें और बुकिंग कर सकें। आकर्षक नारे जैसे उत्तर प्रदेश वह भूमि जहां भगवान बुद्ध ने जीवन और उपदेश दिए और उत्तर प्रदेश में अपनी बोधि यात्रा शुरू करें पर्यटकों और निवेशकों को लुभाएंगे।

बता दें कि योगी आदित्यनाथ की सरकार उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाटा बैंकॉक 2025 में प्रदेश की भव्य भागीदारी राज्य की बौद्ध, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया भर के पर्यटकों और निवेशकों तक पहुंचाएगी। यह आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि निवेश के नए अवसर भी खोलेगा, जिससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। योगी सरकार का यह विजन उत्तर प्रदेश: अनंत संभावनाओं की भूमि को साकार करेगा। 26 से 28 अगस्त 2025 तक बैंकॉक में होने वाला यह शानदार प्रदर्शन दुनिया को उत्तर प्रदेश की अनोखी झलक दिखाने का अविस्मरणीय अवसर होगा, जो राज्य को वैश्विक पर्यटन का सितारा बनाएगा।

किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने का अभियान

लखनऊ, 06 जून (एजेंसियां)।
भारतीय कृषि अनुसंधान, कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विश्वविद्यालयों और राज्य सरकार के विभिन्न कृषि विभागों द्वारा प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विकसित कृषि संकल्प अभियान-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत कृषि पद्धतियों और नवीनतम कृषि प्रजातियों की जानकारी प्रदान करना है। इसके तहत 29 मई से 12 जून 2025 तक प्रदेश में 10,125 स्थानों पर वैज्ञानिक-कृषक संवाद और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 29 मई को किया था। अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में कृषक वैज्ञानिक संवाद आयोजित किये जा रहे हैं। कृषि मंत्री ने जहांगीरपुर और गोसाईगंज, लखनऊ में 456 किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद 30 मई को बहराइच के केवीके नानपारा और 31 को पथरदेवा के ग्राम बंजरिया में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में किसान और वैज्ञानिकों के बीच संवाद स्थापित किया गया, जिसमें किसानों की समस्याओं का समाधान और कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषकों की समस्याओं और उनके समाधान पर विशेष ध्यान दिया गया। 1 जून को मेरठ के ग्राम दबथुआ में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री और राज्य कृषि मंत्री ने किसानों से फीडबैक लिया और उनके मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद 2 को हापुड़ के ग्राम पंचायत बनखण्डा में 500 से अधिक किसानों ने भाग लिया और उनके साथ सरकारी योजनाओं की जानकारी साझा की गई।

अभियान के तहत अब तक कुल 4,959 स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें 8,39,617 किसानों ने भाग लिया है।

इन कार्यक्रमों में 550 वैज्ञानिकों और विषय वस्तु विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत कृषि विधाओं के बारे में जागरूक किया। आगामी कार्यक्रमों के तहत 4,58,000 मिनिकिट वितरण की तैयारी है, जिसमें दलहन, तिल, मूंगफली और मिलेट्स जैसी फसलों के मिनीकिट शामिल हैं। अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 41,067.12 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी गई है। इनमें राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 16,290 लाख रुपए, फूड और न्यूट्रीशन सिक्योरिटी के लिए 10,276.92 लाख रुपए और कृष्णोन्नति योजना के लिए 14,500.20 लाख रुपए की राशि शामिल है। इस पहल का उद्देश्य प्रदेश में खरीफ फसलों की समय से बुवाई सुनिश्चित करना और किसानों की आमदनी बढ़ाना है।

योगी सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी कृषि संबंधी योजनाओं को अभियान में समावेशित किया गया है। इसका उद्देश्य किसानों को लाभकारी योजनाओं से अवगत कराना और उन्हें कृषि क्षेत्र में समृद्धि की दिशा में प्रेरित करना है। अभियान में भागीदार जनप्रतिनिधियों को भी अर्धशासकीय पत्र भेजे गए हैं, ताकि वे अपने क्षेत्रों में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सक्रिय रूप से भाग लें। अभियान के अंत में एक देश, एक कृषि, एक टीम की भावना के साथ यह परिकल्पना की जा सकती है कि यदि हम सब मिलकर काम करें, तो हम देशभर में विकसित कृषि के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

राम मंदिर में अब तक लग चुका 50 करोड़ का 45 किलो सोना

शेषावतार मंदिर के शिखर पर सोने की मढ़ाई बाकी

अयोध्या, 06 जून (एजेंसियां)।
राम मंदिर के निर्माण में अब तक 50 करोड़ का 45 किलो सोना लग चुका है। अभी शेषावतार मंदिर के शिखर पर मढ़ना बाकी है। जहां रामलला विराजमान हैं, उसमें सभी दरवाजों में स्वर्ण का प्रयोग किया गया है। यूपी के अयोध्या स्थित राम मंदिर में राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर में कुल 45 किलो सोने का इस्तेमाल किया गया है। इसकी शुद्धता शत प्रतिशत है। इसका मूल्य टैक्स को छोड़कर लगभग 50 करोड़ रुपए है।

सोने को मढ़ने का काम अभी शेषावतार मंदिर के शिखर पर बाकी है। उसका काम चल रहा है। मंदिर के भूतल, जहां रामलला विराजमान हैं, उसमें सभी दरवाजों में स्वर्ण का प्रयोग किया गया है। सिंहासन में भी सोने का काम किया गया है। बाकी सभी मंदिरों को स्वर्ण मंडित करने का काम पूरा हो चुका है। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। यहां पत्थर का अब कोई काम शेष नहीं है। राम मंदिर परिसर में कुछ ऐसे काम हैं, जो दिसंबर 2025 तक पूरे हो जाएंगे। इस निर्माण में संग्रहालय सभागार और गेस्ट हाउस शामिल है। इसका निर्माण अभी चल रहा है।

उन्होंने बताया कि राम मंदिर का निर्माण भगवान राम की कृपा से ही हुआ है। किसी मनुष्य ने ये काम नहीं किया है, बल्कि किसी दैवीय शक्ति ने ही किया है। राजा राम के दरबार की स्थापना के बाद दर्शन के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी उसमें समय लग सकता है।

क्योंकि, उसमें इतने श्रद्धालु दर्शन करने नहीं जा सकते। उसकी अभी व्यवस्था करनी है। राम दरबार के दर्शन की व्यवस्था पास के माध्यम से की जाएगी। हालांकि पास निशुल्क होगा राम मंदिर के निर्माण में अब पत्थर का कोई काम नहीं बचा है। अब जो रामकथा संग्रहालय का काम चल रहा है, उसी में पत्थर लगना बाकी है।

गांव में लग रही चौपाल, मौके पर हो रहा समस्याओं का समाधान

लखनऊ/गोंडा, 06 जून (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनपद गोंडा में जिला प्रशासन ने एक अनूठी पहल की है। इसके तहत, ग्रामीण समस्याओं के स्थलीय समाधान के लिए ग्राम चौपाल लगाई जा रही है। ग्राम चौपाल के माध्यम से डीएम की अगुवाई में अधिकारी गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और मौके पर ही इन समस्याओं का समाधान भी कर रहे हैं। प्रशासन गांव की चौखट पर के मूलमंत्र के साथ यह कार्यक्रम न सिर्फ सरकारी कार्यशैली में नया अध्याय जोड़ रहा है, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच विश्वास की नई इबारत भी लिख रहा है।

जिला प्रशासन गोण्डा द्वारा प्रारंभ की गई ग्राम चौपाल 3.0 या आईजीआरएस चौपाल, पहल एक अनुसंधान-आधारित, डेटा-संचालित और समाधानोन्मुख प्रयास है। इसकी शुरुआत आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के गहन विश्लेषण से हुई। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने उन गांवों की पहचान की जहां से बार-बार और सर्वाधिक शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इस वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर ऐसे 40 ग्राम पंचायतों को चिन्हित किया गया जो प्रशासनिक दृष्टि से अधिक संवेदनशील और शिकायत बहुल मानी गईं। इन 40 ग्राम पंचायतों को हाई प्रायोरिटी विलेज के रूप में चिह्नित करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे ग्राम चौपाल 3.0 या आईजीआरएस चौपाल से पहले वहां जाकर शिकायतों का स्थलीय परीक्षण करें और अधिकतम मामलों का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित करें। खास बात यह भी है कि शिकायतों के निस्तारण पर ही नहीं बल्कि जिलाधिकारी स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता की नियमित समीक्षा भी कर रही हैं, ताकि समस्याओं का स्थायी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।

गोंडा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा के नेतृत्व में ग्राम चौपाल 3.0 की शुरुआत 3 जून से हुई है। इस दौरान आईजीआरएस, समाधान दिवस, जनता दर्शन जैसे माध्यमों से प्राप्त बार-बार की शिकायतों को प्राथमिकता में लेते हुए चिन्हित गांवों में अफसरों की पूरी टीम के साथ समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शुरुआत के दिन पथवलिया, पिपरा पदुम, उमरा, पुरैनिया और दत्तनगर विशेन जैसे गांवों में डीएम खुद पहुंचीं।

बिजली, सड़क, शौचालय, नाली, आवास, राशन और विरासत जैसे मुद्दों पर ग्रामीणों से संवाद किया गया और अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देकर समाधान सुनिश्चित कराया गया।

ग्राम चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर तुरंत उसका समाधान किया गया। उदाहरण के तौर पर उमरा में सरकारी भूमि पर बने अवैध शौचालय हटवाने के आदेश दिए गए। पुरैनिया में वर्षों पुराना नाली विवाद सुलझाया गया। इसी तरह, बिजली की समस्या पर सख्त लहजे में विभाग को चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा, ग्राम चौपाल का उद्देश्य केवल शिकायत दर्ज करना नहीं, बल्कि उसके गुणवत्तापूर्ण और स्थायी समाधान को सुनिश्चित करना है। मेरे साथ ही जिले के अन्य अधिकारी स्वयं चौपालों में जाकर यह देख रहे हैं कि समाधान दीर्घकालिक और प्रभावी हैं या नहीं। साथ ही, हर चौपाल से पहले केस-टू-केस समीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। साथ ही, पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। नोडल अधिकारियों को निरीक्षण और रिपोर्टिंग का अधिकार सौंपा गया है। लापरवाही की स्थिति में सीधी जवाबदेही और अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने स्पष्ट कहा कि चौपालों में सभी अधिकारियों की उपस्थिति, सक्रियता और समाधान-प्रधान कार्यशैली अनिवार्य है।

इमरजेंसी में रातभर तड़पता रहा घायल युवक डिप्टी सीएम की फटकार पर शुरू हुआ इलाज

बरेली, 06 जून (एजेंसियां)।
बरेली में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान दुर्घटनाग्रस्त में घायल आंवला निवासी युवक को भर्ती किए जाने के बावजूद इलाज शुरू न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। स्टाफ को तत्काल उपचार शुरू करने के निर्देश दिए। वहां मौजूद स्टाफ को फटकार लगाई। कहा कि लापरवाही अब नहीं चलेगी।

बरेली में घायल युवक जिला अस्पताल की इमरजेंसी में रातभर तड़पता रहा।

शुक्रवार दोपहर निरीक्षण करने पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 12 घंटे पहले भर्ती लहूलुहान युवक को तड़पते देखा तो स्टाफ को फटकारा। बोले- अब तक खून साफ नहीं हुआ तो इलाज क्या हुआ होगा? ऐसे में संक्रमण फैल सकता है। तब जाकर उसका इलाज शुरू हुआ। आंवला निवासी सत्यपाल ने डिप्टी सीएम को बताया कि बृहस्पतिवार शाम बाइक से उसका एक्सीडेंट हुआ था। सिर, चेहरे, शरीर पर जख्म हो गए थे। देर रात सीएचसी से रेफर होकर जिला अस्पताल पहुंचा। डॉक्टर ने इमरजेंसी में भर्ती तो कर लिया, पर रात में इलाज शुरू नहीं हुआ। परिजन ने स्टाफ से पूछताछ की तो वे वापस भेज देतीं। दादी सोमवती ने बताया कि बच्चे के कपड़े नहीं बदले। न खून साफ किया। बदहाल व्यवस्था देख डिप्टी सीएम ने नाराजगी जताई। एडीएसआईसी डॉ. अलका शर्मा को बुलाया और तत्काल इलाज शुरू कराने, जरूरी सामान दिलाने के भी निर्देश दिए। वहीं, भर्ती अन्य मरीजों ने तकिया न मिलने की शिकायत की। डिप्टी सीएम ने एडीएसआईसी को मरीजों को तकिया देने, चादर नियमित बदलने, गर्मी से राहत के लिए कोल्ड रूम में व्यवस्था दुरुस्त रखने, बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण, स्टाफ को मरीज से बेहतर व्यवहार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अव्यवस्थाएं मिलने पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का पारा चढ़ा रहा। एडीएसआईसी कार्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने सख्त हिदायत दी। मरीजों की अनदेखी या इलाज में लापरवाही मिलने पर कार्रवाई को चेताया। नवाबगंज चिकित्साधिकारी से फोन पर बात की। बिथरी सीएचसी पर मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की फोटो मंगाकर देखा। व्यवस्था संतोषजनक रही।

ढाई वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी मुठभेड़ में ढेर

लखनऊ, 06 जून (एजेंसियां)।
राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की सुबह पुलिस ने ढाई वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। वह भागने की फिराक में था। इससे पहले की जिले की सीमा छोड़ता, उसका सामना पुलिस से हुआ।

डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि पांच जून की सुबह 10 बजे शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया कि ढाई वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। मामले में केस दर्ज करके आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान दीपक वर्मा के रूप में हुई। पुलिस कमिश्नर को एक लाख रुपए का इनाम घोषित करने का प्रस्ताव दिया गया था। इनाम

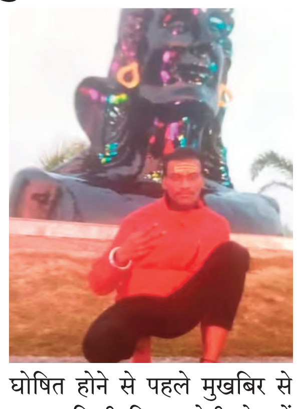

घोषित होने से पहले मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी क्षेत्र में है। वह भागने की फिराक में है। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोली लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

डिप्टी सीएम केशव मौर्या की आय से अधिक सम्पत्ति की जांच की मांग

लखनऊ, 06 जून (एजेंसियां)।
आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेज कर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के चुनावी शपथपत्र में उनकी सम्पत्ति के संबंध में दी गयी जानकारी से सामने आए तथ्यों की जांच की मांग की है।

अमिताभ ठाकुर ने कहा है कि केशव मौर्या के 2017 के विधान परिषद् तथा 2022 के विधान सभा के चुनावी शपथपत्र के अनुसार उनके द्वारा इस अवधि में कोई नयी अचल सम्पत्ति नहीं खरीदी। 2017 में उनकी चल सम्पत्ति 77,88,519 थी, जो 2022 में बढ़ कर 1,29,45,984 बताई गई। यानि, 51,57,465 रुपए की वृद्धि हुई। इसी प्रकार उन पर विभिन्न प्रकार की देनदारी 2017 में 2,42,11,017 रुपए थी, जो 2022 में 95,77,178 रुपए बताई गई। अर्थात 1,46,33,839 रुपए की देनदारी कम हुई। इस प्रकार इस अवधि में उनकी परिसम्पत्ति में कुल

1,97,91,304 रुपए की बढ़ोत्तरी दिखती है। चुनावी शपथपत्र के अनुसार इस अवधि में केशव मौर्या की कुल आय 62,32,764 रुपए दर्शाई गई है।

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इस प्रकार इन 5 वर्षों की अवधि में केशव मौर्या की परिसम्पत्ति की बढ़ोत्तरी उनकी इस अवधि की आय से अधिक दिखती है, जो जांच का विषय है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन तथ्यों की जांच कराने और नियमानुसार समुचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

संपादकीय

न्याय की साख

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है। प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

आप का नजरिया

पर्ची फीस की गारंटी

हिमकेयर से गुजरते हिमाचल ने जो साधुवाद दिया है, उसकी उम्र बढ़ाने के लिए सरकार की बजटीय कोशिकाओं में नई ऊर्जा चाहिए। बहरहाल तीन बड़े अस्पतालों के लंबित हिम केयर भुगतान की राशि से 43.19 करोड़ जारी हो गए। यानी जिन पर्चियों पर हिमकेयर का मजमून लिखा था, उन्हें इस भुगतान से कुछ आराम मिलेगा। हिमकेयर एक अच्छी योजना की अच्छी कहानी बन सकती थी, बशर्ते कार्यान्वयन की पद्धति में ईमानदार निगाह होती। किसी भी सरकारी धन का व्यय बजट की इज्जत के दायरे में होना चाहिए, लेकिन 'हिमकेयर' के इस्तेमाल में न परिभाषा और न ही इसकी उपयोगिता का उचित प्रबंधन रहा, नतीजतन एक पहाड़ सा भुगतान चिकित्सा के बाजुओं को उठाना पड़ रहा है। बहरहाल, हिमकेयर के भुगतान का छोटा सा उपहार भी टीएमसी और आईजीएमसी के वित्तीय दस्तावेजों को सहारा देगा, लेकिन अब चुनौती पूरे चिकित्सा तंत्र को आत्मनिर्भर बनाने तथा इसकी योग्यता को चमकाने की सामने आ रही है। ऐसे में सरकारी अस्पताल की पर्ची बनाने का शुल्क अगर दस रुपए निर्धारित हो रहा है, तो यह एक सही कदम है। अब इसके ऊपर बहस हो सकती है कि पर्ची फीस दस हो या बीस से पचास रुपए करनी चाहिए। लोग इलाज को अब गुणवत्ता के लिहाज से देख रहे हैं। अगर दस रुपए की पर्ची पर भी मरीज अगले अस्पताल ही रैफर होने हैं, तो क्या चूं चूं और क्या चूं चूं का मरब्बा। आश्चर्य होता है जब क्षेत्रीय या जोनल अस्पताल अपने मरीजों का मामूली इलाज करने के बजाय इन्हें आसपास के मेडिकल कालेजों की ओर रवाना कर देते हैं। ऐसे में अस्पतालों की रैंकिंग के मुताबिक चिकित्सा सेवाओं का गारंटी पत्र टंगा होना चाहिए। एक डिस्पेंसरी की पर्ची दस रुपए हो, सिविल अस्पताल की बीस, क्षेत्रीय की तीस रुपए, जोनल की पचास, तो मेडिकल कालेज की सौ रुपए कर दी जाए, लेकिन पर्ची फीस की गारंटी भी हो। बीमारी की पहचान व उसके निदान के लिए हर स्तर के अस्पताल के मानदंड सुनिश्चित होने चाहिएं। अगर प्रसव पीड़ा के समय जोनल अस्पताल धर्मशाला के बेड खाली रहते हुए, मरीज को टांडा भिजवा दें, तो यह पर्ची नहीं, एक धोखा होगी। अगर जिला स्तरीय अस्पतालों में मरीजों को पूर्ण चिकित्सा के प्रमाण पत्र के रूप में पर्ची के लिए दस से पचास रुपए भी अदा करने पड़ते हैं, तो हिमाचल की जनता सरकारी संस्थानों पर अपना विश्वास पेश करेगी, वरना मेडिकल कालेज भी किस काम के। हर दिन हिमाचल मेडिकल कालेजों की पर्ची पर अगर रैफरल टिप्पणियां ही जान बचाएंगी, तो क्या फर्क पड़ता है। लोग सरकार के समर्थन में पर्ची फीस, टेस्टों के बढ़े हुए दाम तथा अन्य सुविधाओं के लिए शुल्क अदा करने के लिए तैयार हैं, बशर्ते चिकित्सा सुविधाएं जीवन सुरक्षा की गारंटी बनें। आज हिमाचल के निजी क्षेत्र के तहत दर्जनों ऐसे अस्पताल कार्यरत हैं, जहां अधिक खर्च करके भी जनता सिर्फ इस विश्वास के साथ आ रही है कि कम से कम वहां जीवन बचाने का हर संभव प्रयास होगा। दूसरी ओर जीवन बचाने के लिए जब सरकारी संस्थानों में हाथ जोड़े जाते हैं, तो सलाह मिलती है किसी बाहरी अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए जाने की। ऐसे में हिमाचल को अपने अस्पतालों को अलग-अलग कैटेगरी में डाल कर पर्ची फीस व अन्य शुल्क निर्धारित करने होंगे। प्रयोग के तौर पर किसी बड़ी चिकित्सकीय श्रृंखला के साथ अनुबंध करके अपने कुछ प्रमुख अस्पतालों में अलग से सुपरस्पैशियलिटी विंग खोल देने चाहिएं।

पाक ने दी नई धमकी चीन भारत का पानी रोक दे तो क्या होगा

भारत के लिए संकट नहीं बनेगा ब्रह्मपुत्र का पानी

प्रमोद भार्गव

चीन के पिट्ठू पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के सलाहकार राणा अहसान अफजल ने एक नई धमकी देते हुए कहा है कि यदि चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो भारत का क्या हाल होगा ? चूंकि पाकिस्तान न तो ब्रह्मपुत्र के भूगोल से पराजित है और न ही पानी के प्रवाह के तकनीकी के ज्ञान से ? इसलिए इस भूगोल और तकनीक का ज्ञान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कराकर पाक के नैरेटिव की हवा निकाल दी। बिस्वा ने अपनी एक्स पोस्ट पर ठोस तथ्यों के साथ लिखा कि ब्रह्मपुत्र एक ऐसी नदी है, जिसका प्रवाह भारत में घटता-बढ़ता नहीं है। अतएव नदी को अपना प्रवाह बनाए रखने के लिए चीन के पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। ब्रह्मपुत्र के कुल जल प्रवाह में चीन केवल 30 से 35 प्रतिशत तक का योगदान देता है। यह भी ज्यादातर हिमनदों के पिघलने और बारिश से मिलता है। शेष 65 से 70 प्रतिशत जल भारत में बहने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियों से मिलता है। इसलिए यह नदी भारत में प्रवेश के बाद सशक्त हो जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि के निलंबन से आहत पाकिस्तान भारत को सबक सिखाने के दिन में स्वप्न देख रहा है। चीन के पिट्ठू पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के सलाहकार राणा अहसान अफजल ने एक नई धमकी देते हुए कहा है कि यदि चीन ब्रह्मपुत्र का पानी रोक दे तो भारत का क्या हाल होगा ? चूंकि पाकिस्तान न तो ब्रह्मपुत्र के भूगोल से पराजित है और न ही पानी के प्रवाह के तकनीकी के ज्ञान से ? इसलिए इस भूगोल और तकनीक का ज्ञान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कराकर पाक के नैरेटिव की हवा निकाल दी। बिस्वा ने अपनी एक्स पोस्ट पर ठोस तथ्यों के साथ लिखा कि ब्रह्मपुत्र एक ऐसी नदी है, जिसका प्रवाह भारत में घटता-बढ़ता नहीं है। अतएव नदी को अपना प्रवाह बनाए रखने के लिए चीन के पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। ब्रह्मपुत्र के कुल जल प्रवाह में चीन केवल 30 से 35 प्रतिशत तक का योगदान देता है। यह भी ज्यादातर हिमनदों के पिघलने और बारिश से मिलता है। शेष 65 से 70 प्रतिशत जल भारत में बहने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियों से मिलता है। इसलिए यह नदी भारत में प्रवेश के बाद सशक्त हो जाती है। अतएव यह वर्षा जल से पोषित भारतीय नदी प्रणाली का हिस्सा है न कि किसी एक जल स्रोत पर निर्भर है। पाकिस्तान को यह सच्चाई जाननी चाहिए। फिर भी चीन ब्रह्मपुत्र के जल को कम करता भी है तो वह भारत के लिए मददगार ही साबित होगा। क्योंकि इस नदी की बाढ़ से प्रतिवर्श लाखों लोगों को विस्थापन का दंष झेलना पड़ता है। ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर चीन का भारत से ही नहीं बांग्लादेश से भी विवाद है। इस नदी पर कई बांध बनाकर चीन ने ऐसे जल प्रबन्ध कर लिये हैं कि वह जब चाहे तब भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह को रोक दे और जब चाहे तब ज्यादा पानी छोड़कर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दे। चीन ने ऐसी हरकत करते हुए साल 2016 में भारत में जलापूर्ति करने वाली ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी जियाबुकू का पानी रोक भी दिया था। लेकिन इसका असर पूर्वोत्तर की कृशि पर देखने में नहीं आया था। ब्रह्मपुत्र एशिया की सबसे लम्बी नदी है। इस नदी की लम्बाई 3000 किमी है। इसी की सहायक नदी जियाबुकू है। जिस पर चीन हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। दुनिया की सबसे लम्बी नदियों में 29वाँ स्थान रखने वाली ब्रह्मपुत्र 1625 किमी तिब्बत क्षेत्र में बहती है। इसके बाद 918 किमी भारत और 363 किमी की लम्बाई में बांग्लादेश में बहती है। समुद्री तट से 3300 मीटर की ऊँचाई पर तिब्बती क्षेत्र में बहने वाली इस नदी पर चीन ने 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत तीन पनबिजली परियोजनाएं निर्माण के प्रस्ताव पहले ही मंजूर कर चुका है और अब नए बांध निर्माण को मंजूरी दे दी है। चीन इन बांधों का निर्माण अपनी आबादी के लिये व्यापार, सिंचाई, बिजली और पेयजल समस्याओं के निदान

के उद्देश्य से कर रहा है, लेकिन उसका इन बांधों और जल सुरंगों के निर्माण की पृष्ठभूमि में छिपा एजेंडा, खासतौर से भारत के खिलाफ जल हथियार के रूप में रणनीतिक इस्तेमाल के रूप में भी देखी जाती हैं। लेकिन यदि चीन ब्रह्मपुत्र के पानी को औजार बनाता है तो भारत से कहीं ज्यादा चीन की ही बिजली, सिंचाई और पेयजल योजनाएं प्रभावित होंगी। दरअसल चीन में बढ़ती आबादी के चलते इस समय 886 नगर और 110 बड़े नगर पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। उद्योगों और कृषि सम्बन्धी जरूरतों के लिये भी चीन को बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत है। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का अनूठा इस्तेमाल करते हुए अपने शिनजियांग, जांझु और मंगोलिया इलाकों में फैले व विस्तृत हो रहे रेगिस्तान को भी नियंत्रित करना चाहता है। चीन की यह नियति रही है कि वह अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिये पड़ोसी देशों की कभी परवाह नहीं करता। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का मनचाहे उद्देश्यों के लिये उपयोग करता है तो तय है, अरुणाचल में जो 17 पनबिजली परियोजनाएं प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं, इनके अटकने के अनुमान लगा लिए जाते हैं। ये परियोजनाएँ पूरी हो जाती हैं और ब्रह्मपुत्र से इन्हें पानी मिलता रहता है तो इनसे 37827 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इस बिजली से पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बिजली की आपूर्ति तो होगी ही, पश्चिम बंगाल और ओड़ीसा को भी अरुणाचल बिजली बेचने लग जाएगा। चीन अरुणाचल पर जो टेढ़ी निगाह बनाए रखता है, उसका एक बड़ा कारण अरुणाचल में ब्रह्मपुत्र की जलधारा ऐसे पहाड़ व पठारों से गुजरती है, जहां भारत को मध्यम व लघु बांध बनाना आसान है। ये सभी बांध भविष्य में अस्तित्व में आ जाते हैं और पानी का प्रवाह बना रहता है तो पूर्वोत्तर के सातों राज्यों की बिजली, सिंचाई और पेयजल जैसे बुनियादी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। पिछले 11 साल में इन बांधों के निर्माण में तेजी आई है। चीन के साथ सुविधा यह है कि वह अपनी नदियों के जल को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानकर चलता है। पानी को एक उपभोक्ता वस्तु मानकर वह उसका अपने हितों के लिये अधिकतम दोहन में लगा है। बौद्ध धर्मावलम्बी चीन परम्परा और आधुनिकता के बीच मध्यमार्गी सामंजस्य बनाकर चल रहा है। जो नीतियां एक बार मंजूर हो जाती हैं, उनके अमल में चीन कड़ा रुख और भौतिकवादी दृष्टिकोण अपनाता है। इसलिये वहां परियोजना के निर्माण में धर्म और पर्यावरण सम्बन्धी समस्याएं रोड़ा नहीं बनती। नतीजतन एक बार कोई परियोजना कागज पर आकार ले लेती है तो वह आरंभ होने के बाद निर्धारित समयावधि में लगभग पूरी हो जाती है। चीन और भारत के बीच ब्रह्मपुत्र के जल-बंटवारे को लेकर विवाद और टकराव बढ़ रहा है। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पानी के उपयोग को लेकर कई संधियां हुई हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र की पानी के उपभोग को लेकर 1997 में हुई संधि के प्रस्ताव पर अमल किया जाता है। इस संधि के प्रारूप में प्रावधान है कि जब कोई नदी दो या इससे ज्यादा देशों में बहती है तो जिन देशों में इसका प्रवाह है, वहां उसके पानी पर उस देश का समान अधिकार होगा। इस लिहाज से चीन को सोची-समझी रणनीति के तहत पानी रोकने या उसकी धारा बदलने का अधिकार है ही नहीं। इस संधि में जल प्रवाह के आंकड़े साझा करने की शर्त भी शामिल है। लेकिन चीन संयुक्त राष्ट्र की इस संधि की शर्तों को मानने के लिये इसलिये बाध्यकारी नहीं है, क्योंकि इस संधि पर अब तक चीन और भारत ने हस्ताक्षर ही नहीं किए हैं। दरअसल ब्रह्मपुत्र का पानी अधिक मात्रा में छोड़ने या रोकने से भारत पर बहुत बड़ा असर पड़ने वाला नहीं है, क्योंकि नदी का जलभराव क्षेत्र का 22 से 30 फीसदी हिस्सा चीन में है, वहीं 21 फीसदी जल चीन से आता है। तिब्बती जल स्रोतों, बारिष और हिमनदों के पिघलने से यह पानी नदी में आता है। भूटान एक छोटा देष जरूर है, लेकिन ब्रह्मपुत्र नदी में उसका भी योगदान चीन के बराबर करीब 21 फीसदी है। जबकि भूटान में नदी का बहाव क्षेत्र केवल 7 फीसदी हिस्से में है। वहीं भारत में यह 34 फीसदी के करीब है। परिणामतः ब्रह्मपुत्र में सबसे ज्यादा पानी भारत से ही जाता है। यह करीब 39 प्रतिशत है। भारत में प्रवेष करने से पहले ब्रह्मपुत्र में केवल 14 फीसदी पानी ही शेष बचता है। बाकी जो पानी बढ़ता है, वह भारतीय जल स्रोतों से ही बढ़ता है। चूंकि चीन का पानी पहले से ही बहुत कम है, इसलिए चीन जल प्रवाह रोकता भी है तो उसका भारत पर ज्यादा असर पड़ने वाला नहीं है। मानसून के समय चीन सीमा पर पानी भारत की तुलना में सात गुना तक कम रहता है। अतएव हिमंत बिस्वा ने कड़ा जबाव देकर पाकिस्तान की बोलती बंद कर दी है। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की कर ली है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी षिन्हुआ ने देते हुए कहा था कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है।

देश दुनिया से

कैंसर पर जीत के बाद विश्व सुंदरी का खिताब

पिछले दिनों भारत में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारतीय प्रतिनिधि नंदिनी गुप्ता की दावेदारी भले ही शीर्ष बीस तक सिमट कर रह गई हो, लेकिन थाईलैंड की सुंदरी ओपल सुचाता ने विश्व सुंदरी का खिताब जीतकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड में भारतीय संस्कृति का व्यापक प्रभाव रहा है, उनके नाम का उच्चारण भी कुछ-कुछ भारतीय-सा लगता, फलतः उनके नाम ने भी भारतीयों का ध्यान खींचा। जिसे भारतीय फिल्मों के प्रति उनकी दीवानगी ने और पुख्ता भी किया। मई महीने में भारतीय दुनियाभर से आई सुंदरियों की चहल-पहल लगातार सौंदर्य प्रतियोगिता से जुड़े विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों के जरिये महसूस करते रहे थे। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित हाईटेक्स में संपन्न ग्रैंड फिनाले में आखिरकार ओपल सुचाता के सिर विश्व सुंदरी का ताज सजा। दरअसल, इस खिताब को जीतकर ओपल सुचाता ने थाईलैंड के 72 साल से मिस वर्ल्ड के ताज के इंतजार को खत्म किया। सुचाता एक साधारण पृष्ठभूमि से आती हैं और विश्व स्तरीय सौंदर्य स्पर्धा के शिखर तक पहुंचती हैं। हालांकि, यह हकीकत है कि सौंदर्य प्रतियोगिता के मानक व उद्देश्य सौंदर्य प्रसाधन बाजार को विस्तार देने का ही एक उपक्रम है। बहुत संभव है हमारे आसपास व दूरदराज के इलाकों में जो वास्तविक विश्व स्तरीय सौंदर्य हो, वो इस प्रतियोगिता के कायदे-कानूनों द्वारा नकार दिया जाएगा। बहरहाल, बहते वक्त की धारा में आज ओपल सुचाता विश्व सुंदरी हैं। उनकी कामयाबी इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि वे एक कैंसर सर्वाइवर हैं। साथ ही लगातार महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक कर रही हैं। मिस वर्ल्ड के 72वें संस्करण में मिस वर्ल्ड चुनी गई ओपल सुचाता चुआंगश्री ने खिताब हासिल करने के बाद कहा कि उनका ताज सिर्फ थाईलैंड का ही प्रतिनिधित्व नहीं करता बल्कि वह उन करोड़ों महिलाओं की आवाज भी है, जिन्हें अनसुना किया गया। वे उनके हक के लिये खड़ी होंगी। दरअसल, ओपल ने अट्ठारह वर्ष की उम्र से सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। उनका मानना था कि उनका सौंदर्य स्पर्धाओं में भाग लेना नेम-फेम कमाना ही नहीं था, बल्कि इस उपलब्धि को उद्देश्यपूर्ण बनाना ही मुख्य लक्ष्य था। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर थाईलैंड की संस्कृति को भी सम्मान दिलाना एक मकसद था। उल्लेखनीय है कि ओपल वर्ष 2024 में मिस यूनिवर्स स्पर्धा में थाईलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। तब वह तीसरे स्थान पर आई थीं। मिस वर्ल्ड स्पर्धा के लिये उन्होंने वह खिताब छोड़ दिया। उनका मानना है कि इस खिताब को हासिल करने का उनका मुख्य मकसद यह है कि वे सामाजिक बदलाव की वाहक बन सकें। ओपल का मानना है कि यह खिताब सिर्फ सौंदर्य मानकों पर खरा उतरना मात्र नहीं है। ओपल मानती हैं कि यह लोगों के लिये सुंदर काम करने के लिये दिया गया खिताब है। वे उस भारतीय दर्शन की हामी हैं कि दैहिक सौंदर्य अल्पकालिक होता है, लेकिन सुंदर उद्देश्य सार्वकालिक होता है। उनका एक सपना यह भी है कि वे एक दिन राजदूत बनें। दरअसल, 21 वर्षीय ओपल वर्षों से ब्रेस्ट कैंसर से जुड़ी महिलाओं के लिये काम कर रही हैं। वैसे तो हर विश्व सुंदरी अपनी जीत के बाद समाज सेवा और करुणा के प्रति प्रतिबद्धता जताने में पीछे नहीं रहती, लेकिन कैंसर ओपल का भोगा यथार्थ है। वे उस त्रासदी से गुजरी हैं और कैंसर पीड़ितों के दर्द को करीब से महसूस करती हैं। यही वजह है कि उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता का प्रसार करने वाले कई सामाजिक संगठनों के साथ सक्रिय भागेदारी की है। उनका मानना है कि वे नई जिम्मेदारियों के बावजूद ब्रेस्ट कैंसर पीड़ितों के लिए काम करती रहेंगी। उनका कहना है कि महिलाओं को रूटीन चेकअप करते रहना चाहिए। उन्हें डॉक्टर के पास जाने में संकोच नहीं करना चाहिए। यदि इस महामारी का समय रहते पता चल जाए तो इससे बचाव संभव हो सकता है। उनका कहना है कि मैं इस मुद्दे पर लगातार महिलाओं से बात करती रहना चाहूंगी। ओपल बौद्धिक रूप से समृद्ध हैं और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मनोविज्ञान व मानव से जुड़े विज्ञान में उनकी गहरी रुचि भी है। इतना ही नहीं वे जीव-जंतुओं के प्रति गहरी संवेदना रखती हैं। उनका पशु प्रेम इस बात से झलकता है कि उनके घर में दर्जन से अधिक बिल्लियां व करीब आधा दर्जन कुत्ते पलते हैं। बहरहाल, विश्व सुंदरी के खिताब से मिली प्रतिष्ठा के साथ ओपल आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर व समृद्ध हुई हैं। उनकी तमाम योजनाएं अब सिरे चढ़ने वाली हैं क्योंकि इस खिताब के साथ-साथ उनके खाते में एक मिलियन डॉलर भी आए हैं। वहीं दूसरी ओर ओपल भारतीय संस्कृति व फिल्मों के प्रति भी खासा लगाव रखती हैं। पिछले दिनों खिताब जीतने के बाद एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की फिल्में उन्हें आकर्षित करती हैं।

कुछ अलग

नहीं जाने की टीस...

प्रदेश साहित्य अकादमी कोई व्यंग्य विधा का आयोजन करवा रही थी। मुझे भी बुलाया था, मैंने अतुल जी से कह दिया- 'यह गंभीर विषय है। किसी स्कॉलर को बुलाओ, वही रंग जमा सकता है। मैं व्यंग्य के गंभीर आलोचना पक्ष से अनभिज्ञ हूं।' अतुल जी को बात लग गई। बोले तो कुछ नहीं, लेकिन उनको मेरा असहयोग अच्छा नहीं लगा। आयोजन अखिल भारतीय स्तर का था, अतः अतुल जी उन लागों को बुलाना नहीं भूले थे, जो उनके व्यंग्य कर्म को पहचान दे सकें। उनमें दो-तीन समाचार-पत्रों के संपादक भी थे, वे भी अतुल जी को अपने पत्रों में स्थान दे रहे थे। मुझे इसकी आवश्यकता थी भी नहीं, मैंने अपनी व्यंग्य यात्रा बिना बैसाखियों के ही प्रारंभ की थी और वह अभी तक जारी है। चूंकि अतुल जी आयोजन सचिव थे, उन्हें अकादमी से अपनी पुस्तक को भी पुरस्कृत करवा कर प्रकाश में लाना था, अतः वे पूरे मनोयोग से लगे हुए थे। मेरा व्यंग्य मार्केट पहले ही अखिल भारतीय पहचान ले चुका था और यही बात मेरी मनाही से आयोजकों को खटक रही थी। पत्रवाचन में बराबर खतरा यह बना हुआ था कि कहीं मेरे नाम का आयोजन सभा में नामोल्लेख न हो जाए। अतुल जी ने एक दिन पूर्व ही स्थानीय संभागियों से इस विषय पर चर्चा की तो सभी ने यही आशंका जताई कि मैं इतना लिख-पढ़ रहा हूं कि पत्रवाचक मेरा नामोल्लेख करना भूलेंगे नहीं। एक संभागी ने सुझाव दिया कि हमें पत्रवाचकों को पहले ही ताकीद देनी होगी कि वे शर्मा का नामोल्लेख करने से जितना संभव हो उतना तो बचें ही बचें। दूसरे संभागी ने कहा कि जब हम पत्रवाचकों को पेमेंट कर रहे हैं तो ताकीद क्या करना, एकदम स्पष्ट रूप से कहेंगे कि वे शर्मा का व्यंग्य योगदान नकार दें। तीसरा बोला- यारो यह शर्मा न सभा-संगोष्ठियों में जाता है न हमारे साथ उठता-बैठता है, फिर क्यों कर इसका मूल्यांकन हो। समझ में नहीं आता कि इसे व्यंग्य से आउट कैसे किया जाए? राय तो मेरी भी यही है कि बिना इसे सबक सिखाए, यह पकड़ में आएगा नहीं। अतुल जी ने उन्हें समझाया भी कि वह पैसे के प्रलोभन में भी नहीं आता। एक सत्र की अध्यक्षता उसे ऑफर की थी, लेकिन साफ मना कर दिया, अंत में यह अध्यक्षता हमें अनुराग जी को देनी पड़ी। चौथा संभागी कुछ समझदार किस्म का था, वह बोला-'यार हमें क्या, नहीं आता है तो नहीं आए। हमारे क्या फर्क पड़ेगा। भाड़ में जाए।' पहले वाले की शंका बरकरार थी, उसने कहा-'और उसकी चर्चा मुफ्त में ही हो गई तो हम क्या करेंगे?' दूसरे ने कहा-'यह हमारे लिए डूब मरने वाली बात होगी। मेरा कहा मानो और पत्रवाचकों को पहले ही समझाओ ताकि हमारे आयोजन का लाभ उसके पक्ष में न जाए।'

दृष्टि कोण

आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण के उभरते खतरे

सुरक्षित पर्यावरण ही सुरक्षित मनुष्य जीवन का आधार है। हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। विश्व के देश आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन इस राह में दिनोंदिन दुनियाभर में ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ गया है और इस तरह से लोग जीवन जी रहे हैं, जिससे पर्यावरण खतरे में है। इनसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इनसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं, जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं, साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक की बात करें तो भारत को वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024 में 176वां स्थान प्राप्त हुआ है, यह भारत को 180 देशों में से सबसे कम रैंक वाले पांच देशों में से एक बनाता है, जोकि चिंताजनक है। वायु और जल प्रदूषण की दृष्टि से भारत के कई शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं, इस बात से कोई अनजान नहीं है। भारत कार्बन डाइऑक्साइड का एक बड़ा उत्सर्जक है, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विकसित देशों की तुलना में कम है। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अधिनियम द्वारा इस कार्य को सांकेतिक किया गया है। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 लागू है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को कानून के रूप में लागू करता है। भारत में पर्यावरण संरक्षण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। एक ओर, पर्यावरण संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर पर्यावरण पर दबाव भी बढ़ रहा है। भारत को पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने प्रयासों को मजबूत करने और प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता है क्योंकि सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल विश्व पर्यावरण दिवस भी मनाया जाता है। इस दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत किया जाता है और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल जून महीने में मनाया जाता है। दुनियाभर के तमाम देश 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाते हैं। इस साल भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए भारत समेत कई देशों में 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। पहली बार पर्यावरण दिवस की शुरुआत 1972 में हुई थी। इस दिन की नींव संयुक्त राष्ट्र संघ ने 5 जून 1972 को रखी थी। इसी के बाद से हर साल लगातार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाने लगा। भले ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का फैसला किया हो, लेकिन पर्यावरण दिवस को सबसे पहले स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मनाया गया। 1972 में स्टॉकहोम में पहली बार पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 119 देशों ने हिस्सा लिया था। हम सब देशवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना चाहिए और इस दिन प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा अपने नाम अवश्य लगाए ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके। आज देश भर में युवा पीढ़ी अपना जन्मदिन और मैरिज एनिवर्सरी होटल और रेस्टोरेंट में मानते हैं। इस इस दिन सभी नागरिकों का दायित्व बनता है कि इस आधुनिकता की दौड़ को छोडक़र अपने गांव में शिक्षा संस्थानों में या कार्यालयों में पौधा अवश्य लगाएं ताकि वह पर्यावरण को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखने के लिए अनिवार्य हो और आपकी यादगार भी बनी रहे। दुनिया में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति पर खतरा बढ़ रहा है जिसे रोकने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई, ताकि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जा सके। भारत भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर है। इसी कारण पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत ने कानून बनाया है। 19 नवंबर 1986 में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। जब पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा था तो भारत में भी पर्यावरण दिवस मनाया गया। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में प्रकृति के प्रति अपनी चिंताओं को जाहिर किया था। पर्यावरण समाज का एक हिस्सा है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिमला समझौते पर ख्वाजा आसिफ ने उगला था जहर, अब कर रहे डैमेज कंट्रोल

इस्लामाबाद, 06 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने ख्वाजा आसिफ ने एक दिन पहले ही शिमला समझौते को लेकर जहर उगला था। अब पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत के साथ द्विपक्षीय समझौतों को रद्द करने पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह बात मीडिया की एक खबर में कही गई है।

गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही पाकिस्तान के नेता बौखलाए हुए हैं। इसके बाद कई अनाप-शनाप दावे किए जा रहे हैं। हालांकि बाद में पाकिस्तान सरकार को अपने ही नेताओं और मंत्रियों के दावों को नकारना पड़ रहा है।

बता दें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को एक पाकिस्तानी चैनल पर बहस के दौरान कहा था कि शिमला समझौता अब महज एक कागज का टुकड़ा रह गया है। उन्होंने कहाकि इसे 'मृत दस्तावेज'माना जाना चाहिए। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय ढांचा बिखर जाने की स्थिति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा था कि हम 1948 की उसी स्थिति पर वापस आ गए हैं जब संयुक्त राष्ट्र ने संघर्ष विराम और प्रस्तावों के बाद नियंत्रण रेखा को युद्ध विराम रेखा घोषित किया था। इन विवादों को बहुपक्षीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निपटाया जाएगा। उन्होंने कहाकि सिंधु जल संधि समझौता निलंबित हो या न हो, शिमला पहले ही खत्म हो चुका है।

बहस के दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान ने आतंकवादी समूहों का समर्थन, प्रशिक्षण और वित्तपोषण किया है इसके जवाब में आसिफ ने कहाकि हम अमेरिका और ब्रिटैन समेत पश्चिमी देशों के लिए करीब तीन दशकों से यह काम कर रहे हैं। यह एक गलती थी और हमें इसके लिए भुगतना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण एशिया के कई देश पाकिस्तान पर शांति बहाल करने के लिए दबाव बना रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद भारत के साथ तनाव कम होता नहीं दिख रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने केवल शिमला समझौते को समाप्त करने की धमकी दी थी। लेकिन ऐतिहासिक समझौते को रद्द करने के लिए बाद में कोई कदम नहीं उठाया गया। अब पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत की हालिया कार्रवाइयों और बयानों ने आंतरिक चर्चाओं को बढ़ावा दिया है। हालांकि पाकिस्तान ने नयी दिल्ली के साथ अपने किसी भी द्विपक्षीय समझौते को रद्द करने के लिए कोई औपचारिक या निर्णायक कदम नहीं उठाया है। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल, किसी भी द्विपक्षीय समझौते को समाप्त करने का कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने संकेत दिया कि शिमला समझौते सहित मौजूदा द्विपक्षीय समझौते प्रभावी बने हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के सामरिक ठिकाने ध्वस्त किए

बेरूत (लेबनान)। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान के उपनगर दहिह में ईरान समर्थित आतंकी समूह हिजबुल्लाह के यूएवी उत्पादन केंद्र और भंडारण स्थलों को नेतस्तनाबूत कर दिया। आईडीएफ ने एक्स पर कहा कि हिजबुल्लाह के सामरिक ठिकानों पर रात को हवाई हमला किया। इस हमले में एक ड्रोन निर्माण कार्यशाला को मिट्टी में मिला दिया गया। खबर के अनुसार, आईडीएफ ने गुरुवार रात 10 बजे के बाद बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में कई इमारतों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। इन इमारतों का प्रयोग हिजबुल्लाह ड्रोन बनाने में करता था। हवाई हमले से पहले दक्षिणी लेबनान के एक शहर में निकासी चेतावनी भी जारी की गई। आईडीएफ के अनुसार, हिजबुल्लाह ने इमारतों के तहखाने का प्रयोग ड्रोन निर्माण (यूनिट 127) के लिए करता था।

बांग्लादेश में ट्रेन और वाहनों की टक्कर में तीन की मौत

ढाका। बांग्लादेश में एक रेलगाड़ी और कुछ वाहनों की टक्कर में कम से कम तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। इस वजह से काफी समय तक रेल और सड़क यातायात बाधित रहा। रात साढ़े बजे यह हादसा कर्णफुली नदी पर कलुरघाट पुल पर हुआ। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, चटगांव के कलुरघाट पुल पर ढाका जाने वाली एक ट्रेन और सीएनजी से चलने वाले ऑटो रिक्शा के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मृतकों में से एक की पहचान दुर्घटना में शामिल ऑटो-रिक्शा के चालक तुषार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कॉक्स बाजार से आने वाली ट्रेन ने रात करीब 10:30 बजे पुल पर प्रवेश करते समय ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रेन ने मोटरसाइकिलों सहित कई अन्य वाहनों को टक्कर मार दी। घटनास्थल पर मौजूद कलुरघाट फायर स्टेशन के एक फायर फाइटर अमीनुल इस्लाम ने कहा कि उन्हें रात करीब 10:45 बजे दुर्घटना की सूचना मिली और वे मौके पर पहुंचे। पीड़ितों को बचाने के बाद उन्होंने सभी को चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। उन्होंने कहा कि रात करीब 12:30 बजे ट्रेन के पहियों के नीचे से एक शव बरामद किया गया। रात एक बजे तक घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी रहा।

ब्रह्मोस के हमले में रहीमयार खान एयरबेस पर हुआ गड्ढा नहीं भर पा रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। भारत ने 7 मई 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। इसके तहत हुए हमले के बाद एयरबेस की हालत इतनी खराब हो गई कि पाकिस्तान को एक बार फिर उड़ान प्रतिबंध यानी नोटम को 20 जून 2025 तक के लिए बढ़ाना पड़ा है। सेटेलाइट तस्वीरों में रनवे पर बना विशाल गड्ढा साफ देखा जा सकता है, जो इस बात का सुबूत है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को कितना गहरा जख्म दिया है। कुल मिलाकर ब्रह्मोस मिसाइल की सटीक मार ने पाकिस्तान के रहीमयार खान एयरबेस के दिल में ऐसा सुराख कर दिया है, जिसे भरना अब उसके लिए किसी पहाड़ चढ़ने से कम नहीं लग रहा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों ने रहीम यार ख़ान एयरबेस की हालत बयां की। रनवे के बीचोबीच बना विशाल गड्ढा बताता है कि हमला केवल चेतावनी नहीं, एक रणनीतिक कार्रवाई थी। ऐसी कार्रवाई जो दुश्मन की रीढ़ में कंपकंपी ला दे। इस एयरबेस के बंद होने का असर सिर्फ सेना पर नहीं पड़ा है। आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग जो किसी मेडिकल इमरजेंसी या यात्रा के लिए इस हवाई अड्डे पर निर्भर थे। अब उन्हें जमीन के रास्ते घंटों का सफर तय करना पड़ रहा है। व्यापारी, स्टूडेंट्स और मजदूर सबकी जिंदगी जैसे थम सी गई है। रहीम यार ख़ान एयरबेस सिर्फ एक सैन्य सुविधा नहीं थी। ये बेस पाकिस्तान के दक्षिणी हिस्से में नागरिक और सैन्य दोनों उड़ानों के लिए इस्तेमाल होता था। लेकिन अब वहां न कोई जहाज उतर रहा है, न उड़ान भर रहा है।

एलन मस्क के लिए ट्रंप ने बंद किए व्हाइट हाउस के दरवाजे

वाशिंगटन, 06 मई (एजेंसियां)।

ऐसा लग रहा है कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस के दरवाजे अब हमेशा के लिए बंद हो गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके पूर्व सहयोगी एलन मस्क के बीच बढ़ी तल्खी अब कठोरतम लांछन की शिला बनकर एक-दूसरे के संबंधों को लहूलुहान कर रही है। खबर के अनुसार, पिछले 24 घंटों में दोनों सार्वजनिक धमकियों से आहत दिखे। दोनों को अपमान के घूंट पीने पड़े। अब यह साफ है कि ट्रंप और मस्क का गठबंधन टूट गया। दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक-दूसरे के खिलाफ जमकर जहर उगला। ट्रंप ने मस्क के सरकारी अनुबंधों में कटौती करने की धमकी दी। मस्क ने यहां तक कह दिया कि उनके बिना ट्रंप नवंबर में जीत नहीं पाते। ट्रंप और मस्क दोनों धनवान हैं। राष्ट्रपति चुनाव में दोनों ने एक साझेदारी बनाई और देश को एक नई दिशा में ले जाने की कसम खाई। डोनाल्ड ट्रंप के पास राजनीतिक शक्ति थी। एलन मस्क के पास पैसे और सोशल मीडिया की ताकत थी। यह गठबंधन गुरुवार को सार्वजनिक रूप से टूट गया। दोनों ने एक-दूसरे पर तुच्छ हमले किए। यह विवाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षरित घरेलू नीति विधेयक को लेकर कुछ दिन पहले शुरू हुआ। गुरुवार को यह विवाद सारी सीमाएं लांघकर इस बात शुरू हो गया कि ट्रंप की चुनावी जीत के लिए कौन अधिक श्रेय का हकदार है। बात यहां तक पहुंच गई कि ट्रंप ने मस्क की कंपनियों के साथ संघीय सरकार के अरबों डॉलर के अनुबंधों को समाप्त करने की धमकी दी। इसके बाद मस्क ने हमलों की झड़ी लगा दी। मस्क ने कहा कि शायद अब एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है। मस्क ने दावा किया कि दिवंगत फाइनेंसर और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के बारे में सरकारी दस्तावेजों में ट्रंप का उल्लेख है। सार्वजनिक तौर पर यह टकराव इतना घिनौना हो गया कि इसमें लेखिका एशले सेंट क्लेयर कूद पड़ीं। क्लेयर को मस्क से एक बच्चा है। वह उनसे अलग हो चुकी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अगर आपको (ट्रंप) ब्रेकअप के बारे में कोई सलाह चाहिए तो मुझे बताएं। उल्लेखनीय है कि मस्क ने 2024 में ट्रंप के प्रचार परलगभग 275 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं।

अमेरिकी इतिहास में पहली बार 75 प्रतिशत वैज्ञानिक अमेरिका छोड़कर जाने को तैयार

वॉशिंगटन। अमेरिका दशकों तक वैश्विक वैज्ञानिक प्रतिभा का स्वर्ग रहा है। लेकिन ट्रंप शासन में अब यह अपनी चमक खो रहा है। 80 वर्षों में पहली बार देश एक इसतरह के 'ब्रेन ड्रेन' का सामना कर रहा है। इससे न सिर्फ उसकी वैश्विक हैसियत को चुनौती मिल रही है, बल्कि इनोवेशन के इंजन को भी झटका लग रहा है। हाल ही में हुए एक सर्वे में खुलासा हुआ कि 75 प्रतिशत वैज्ञानिक अमेरिका छोड़कर यूरोप और एशिया में नई जमीन तलाश रहे हैं, या पलायन कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कठोर नीतियां जैसे रिसर्च फंडिंग में कटौती, प्रवासी छात्रों पर रोक और शैक्षणिक स्वतंत्रता पर हमले ब्रेन ड्रेन के पीछे की बड़ी वजहें हैं। ट्रम्प प्रशासन ने नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के ग्रांट्स में 2026 के लिए 40 प्रतिशत की कटौती की है। इसके अलावा नेशनल साइंस फाउंडेशन से 13 हजार करोड़ रुपए के अनुदान रद्द करने की बात कही है। फंडिंग में कटौती से वैज्ञानिकों को प्रोजेक्ट्स बंद होने का डर सता रहा है। 2015 तक जहां अमेरिका में हर वर्ष 60 हजार से ज्यादा विदेशी शोधकर्ता आते थे। वहीं, 2024 में यह संख्या घटकर 23,000 पर आ गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल यह आंकड़ा और घटकर 15 हजार से भी कम होने वाला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाइमेट साइंस, जेनेटिक्स व न्यूरोसाइंस जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे वैज्ञानिकों को अब दुनिया भर के देश अपने यहां आकर्षित करने के लिए तरह-तरह के ऑफर दे रहे हैं। इसने वैश्विक स्तर पर एक नई प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया है।

संयुक्त अरब अमीरात में ईद-अल-अजहा की नमाज अदा की गई

अबूधाबी, 06 जून (एजेंसियां)।

संयुक्त अरब अमीरात में भोर की पहली किरण फूटते ही ईद-अल-अजहा की भावना समुदायों में जीवंत हो उठी। मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों में मुसलमानों ने ईद अल अजहा की नमाज पढ़ी। इसके बाद एक-दूसरे को बधाई दी। ईद-उल-अजहा को बकरा ईद, बकरीद, बखरीद, ईद-अल-अजहा, ईद-कुर्बान, कुर्बान बयारामी या बलिदान के पर्व के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम के विश्वास की परीक्षा की याद में मनाया जाता है।

लोग बकरा, भेड़ या ऊंट जैसे पशुओं की कुर्बानी भी देते हैं। संयुक्त अरब अमीरात के निवासी सुबह ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों पर एकत्र हुए। दुबई में अल फारूक उमर बिन अल खत्ताब मस्जिद (ब्लू मस्जिद) में बड़ी संख्या में नमाज अदा करने के लिए एकत्र हुए।

इस बीच राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें पूरे देश में तापमान बढ़ने की चेतावनी दी गई है। आंतरिक क्षेत्रों में 39 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान रहने की उम्मीद है।

तटीय क्षेत्रों और द्वीपों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस से 34 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहेगा। आसमान साफ रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

दूसरों की जासूसी करने वाला चीन अब डरा हुआ, दूसरे देशों के हैकर्स चुरा रहे गोपनीय जानकारी

चीनी साइबर आर्मी ने शायद ही कोई देश छोड़ा हो, जिस पर जासूसी करने की कोशिश नहीं की हो। जब पाकिस्तान अमेरिका के करीब था, तब भी चीन ने पाकिस्तान के कंप्यूटर में तांक-झांक जरूर की होगी। चीन के सबसे पसंदीदा देशों में अमेरिका, ताइवान और भारत सबसे ऊपर हैं। चीन के हैकर रोजाना सैकड़ों हमले करते हैं, लेकिन अब साइबर अटैक करने वाले चीन को ही साइबर हमले और जासूसी का डर सताने लगा है। इस कारण चीन की मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी (एमएसएस), जिसे चीन की खुफिया एजेंसी के नाम से जाना जाता है, ने इसी साल मार्च में एक चेतावनी जारी की थी। एमएसएस ने जासूसी के तीन साइबर हमलों का जिक्र किया। आमतौर पर चीन इस तरह के खुलासे नहीं करता, लेकिन आम जनता को यह संदेश दिया जा रहा है कि इस तरह की विदेशी खुफिया एजेंसियों की हरकतों से कम से कम बचें। एमएसएस ने बताया कि पहले केस में एक स्टेट लैब से तीन महीने तक डेटा की चोरी की गई।

अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस रद्द किया 7000 नागरिकों को यूएस छोड़ने का आदेश

काठमांडू,06 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस (विशेष संरक्षित सुविधा) रद्द करने की घोषणा की है। अमेरिका में इस सुविधा का उपयोग कर रह रहे 7000 से अधिक नेपाली नागरिकों को अमेरिका छोड़ कर जाने को कहा गया है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द कर दिया है। इससे अमेरिका में रहने वाले 7,000 से अधिक नेपाली नागरिक प्रभावित हुए हैं।

फेडरल रजिस्टर में शुक्रवार को प्रकाशित एक नोटिस के मुताबिक डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द करते हुए कहा है कि नेपाल अब इसके मापदंडों पर खरा नहीं उतरता है। नेपाल के लिए यह सुविधा औपचारिक रूप से नोटिस के प्रकाशन के ठीक 60 दिन बाद यानी 5 अगस्त, 2025 को देर रात 11:59 बजे समाप्त होगी।

डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने इस सुविधा के तहत अमेरिका में रहने वाले नेपाली नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उनके पास अमेरिका में रहने के लिए कोई अन्य कानूनी आप्रवासन कागजात या कोई अन्य वैध आधार नहीं है तो वे नेपाल लौटने की तैयारी शुरू कर दें। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी होने के साथ ही अवैध रूप से रह रहे एक हजार से अधिक नेपाली नागरिकों को अब तक डिपोर्ट किया जा चुका है। अमेरिकी गृह प्रशासन ने कहा कि इस फैसले के बाद जो लोग देश छोड़ने का इरादा रखते हैं वे अपने प्रस्थान को सुविधाजनक बनाने के लिए सीबीपी वन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कर सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल में 2015 को आए विनाशकारी भूकंप के बाद घरबार विहीन नागरिकों को अमेरिका में बसाने के लिए पहली बार नेपाल को यह स्टेटस प्रदान किया था।

रूस का कीव पर ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमला, मेट्रो रेल ट्रैक क्षतिग्रस्त

कीव, 05 मई (एजेंसियां)।

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमला कर बड़ा नुकसान किया है। रूस के हमले में कई मेट्रो रेल ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रात भर हुए हमले में कम से कम तीन नागरिक घायल हुए हैं। कुछ दिनों से यूक्रेन और रूस के बीच हमलों में वृद्धि हुई है।

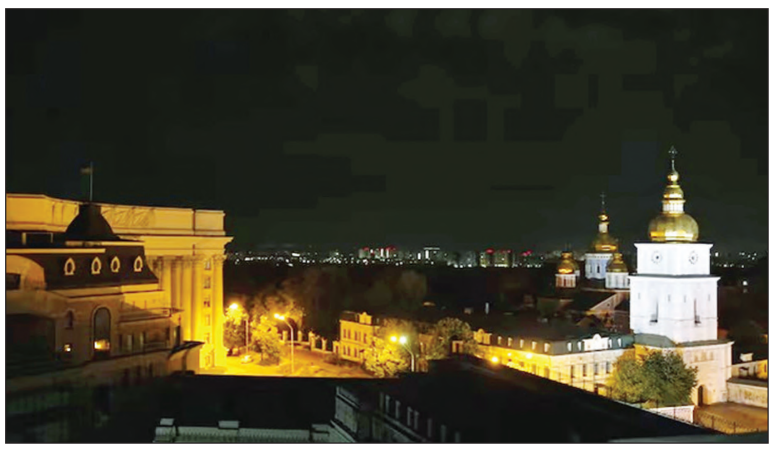

यूक्रेन की वायुसेना ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की सूचना दी है। यूक्रेन ने कहा है कि कीव में वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि रात भर हुए रूसी हमलों में तीन लोग घायल हुए हैं। उन्होंने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि रूसी ड्रोन कीव में प्रवेश कर रहे हैं। लोगों से सुरक्षित आश्रय स्थलों में रहने का आग्रह किया गया है। क्लिट्स्को ने कुछ देरबाद बताया कि घायलों में से दो को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक का मौके पर ही इलाज किया गया।

कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि रूस के हमलों में राजधानी कीव में दो स्टेशनों के बीच मेट्रो ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत यह रही कि कहीं आग नहीं लगी और ना ही कोई हताहत हुआ। तकाचेंको ने इससे पहले सूचना दी थी कि कीव पर संयुक्त हमला शुरू हो गया है। हवाई रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है।

यूक्रेन की वायुसेना ने स्थानीय यूक्रेनी समयानुसार सुबह लगभग 4:30 बजे यूक्रेन के लुत्स्क, चेर्निहिव, ल्वीव और रिव्ने क्षेत्रों में क्रूज मिसाइल दागने की सूचना दी है। चेर्निहिव में ऊंची इमारत को निशाना बनाया गया। चेर्निहिव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख दिमित्री ब्रायजिन्स्की ने कहा कि शहर में अभी भी हमला हो रहा है। यूक्रेन और रूस के बीच हमलों में वृद्धि तब हुई है जब अमेरिका की मध्यस्थता से शुरू की गई शांति वार्ता विफल हो गई है। यूक्रेन और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को तुर्किये के इस्तांबुल में दूसरे दौर की वार्ता के लिए मिले थे। इसके बाद बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर चर्चा भी की।इस बीच एबीसी न्यूज ने उपग्रह इमेजरी के अध्ययन से दावा किया है कि रूस के खिलाफ यूक्रेन के ड्रोन हमले में कम से कम 11 रूसी बमवर्षक विमान और एक बड़ा परिवहन विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस गुप्त ऑपरेशन को इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला ऑपरेशन बताया।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चिप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने सेज के नियमों में बड़ी छूट

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के उच्च तकनीक विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के नियमों में जरूरी संशोधन किए हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी की गई अधिसूचना के अनुसार अब इन क्षेत्रों में निवेश करने वाली इकाइयों के लिए न्यूनतम भूमि की आवश्यकता 50 हेक्टेयर से घटाकर मात्र 10 हेक्टेयर कर दी गई है। सरकार द्वारा सेज नियमों में यह ढील इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योगों के लिए निवेश को आकर्षित करने और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल उच्च तकनीक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा बल्कि भारत को विश्व में तकनीकी विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। यह राहत मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, लिथियम-आयन बैटरी सेल, मोबाइल और आईटी हार्डवेयर घटक, हियरेबल्स और वियरेबल्स सहित उच्च तकनीक विनिर्माण इकाइयों के लिए लागू होगी।

भारत को विश्व में तकनीकी विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी

सरकार का उद्देश्य इन अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना और देश में चिप्स तथा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को मजबूत करना है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (संशोधन) नियम, 2025 के तहत ये बदलाव 15 जून, 2021 से प्रभावी हो चुके हैं। इस कदम से छोटे एवं मध्यम उद्योगों को भी सेज क्षेत्र में आने में मदद मिलेगी क्योंकि भूमि की कम आवश्यकताओं के कारण अधिक उद्यम इस योजना का लाभ उठा पाएंगे। इस संशोधन से भारत में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की भागीदारी मजबूत होगी।

न्यूज ब्रीफ

मांग कमजोर होने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री तीन फीसदी घटी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में युद्ध संबंधी चिंताएं एवं सीमा पर तनाव बढ़ने से ग्राहकों ने खरीदारी में देरी की तथा छोटी कारों की मांग में नरमी आने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार तीन प्रतिशत की गिरावट आई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार पिछले महीने यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,02,214 इकाई रहा, जबकि मई 2024 में यह 3,11,908 इकाई रहा था। इसमें कहा गया कि छोटी कारों की मांग सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सीमित वित्तपोषण और कमजोर उपभोक्ता भावना इसकी मुख्य वजह रही। वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार मई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 16,52,637 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 15,40,077 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 75,615 इकाई रह गई, जिसकी वजह माल ढुलाई चक्र में नरमी, नकदी की तंगी और भू-राजनीतिक तनाव रहा।

इरेडा के क्यूआईपी निर्गम का न्यूनतम मूल्य 173.83 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा के निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) निर्गम के लिए आधार मूल्य 173.83 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी इसके जरिये करीब 5,000 करोड़ रुपये जुटाएगी। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के निदेशक मंडल (बोर्ड) ने इस साल जनवरी में 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए क्यूआईपी को मंजूरी दी थी। इसके बाद फरवरी में कंपनी के शेयरधारकों ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इरेडा ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बोर्ड ने 23 जनवरी को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल के अनुमोदन और 24 फरवरी को पारित एक विशेष प्रस्ताव के माध्यम से कंपनी के शेयरधारकों के अनुमोदन के बाद अपनी बैठक में पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए पांच जून, 2025 को प्रस्तावित निर्गम को खोलने के लिए अधिकृत करने को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा बोर्ड ने कहा कि उसने इस निर्गम के लिए आधार मूल्य को मंजूरी दे दी है, जो सेबी के आईसीडीआर नियमों के तहत निर्धारित मूल्य निर्धारण फॉर्मूले के आधार पर 173.83 रुपये प्रति इक्विटी शेयर है।

यूपीआई वीसा को पछाड़कर बना सबसे तेज़ डिजिटल पेमेंट सिस्टम

नई दिल्ली। कुछ समय पहले तक डिजिटल पेमेंट का मतलब वीसा और मास्टरकार्ड जैसे कार्ड नेटवर्क होते थे, लेकिन अब भारत द्वारा विकसित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने इस परिदृश्य को बदल दिया है। भारत की यह तकनीक अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सबसे तेज़ और प्रभावशाली भुगतान प्रणाली बनी हुई है। जून 2025 की शुरुआत में ही यूपीआई ने रोजाना 65 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड बना लिया है, जो कि वीसा के औसत दैनिक ट्रांजेक्शन 64 करोड़ से अधिक है। यह पहली बार है जब यूपीआई ने रोज़ाना ट्रांजेक्शन के मामले में वीसा को पछाड़ दिया है। जून 2025 में ही यूपीआई ने रोजाना 65 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड बनाया यूपीआई की यह सफलता केवल आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि इसमें छिपी है वह तकनीकी सरलता और सुविधा, जिसने आम आदमी से लेकर छोटे व्यवसायियों तक सभी को डिजिटल भुगतान से जोड़ा है। बिना किसी कार्ड के, सीधे बैंक से बैंक में तत्काल और मुफ्त ट्रांसफर, केवल मोबाइल नंबर या क्यूआर कोड के ज़रिए, यह वह सुविधा है जो वीसा या मॉस्टरकार्ड जैसी पारंपरिक प्रणालियाँ नहीं दे सकीं। भारत सरकार और रिजर्व बैंक द्वारा इसे हर कोने तक पहुंचाने के प्रयास ने भी इसकी लोकप्रियता को कई गुना बढ़ा दिया है।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए महंगाई दर का अनुमान घटाकर 3.7 फीसदी किया

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने महंगाई दर के अनुमान को मौजूदा 4.0 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक ने उम्मीद जतायी है कि जिंसों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी के साथ मुख्य मुद्रास्फीति नरम बनी रहेगी।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मुंबई में तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि सामान्य मानसून के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति यानी खुदरा महंगाई दर अब 3.7 फीसदी पर रहने का अनुमान है। इसके अप्रैल-जून तिमाही में 2.9 फीसदी, जुलाई-सितंबर तिमाही में 3.4 फीसदी, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 3.9 फीसदी और जनवरी-मार्च तिमाही में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है। मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई दर का यह अनुमान सभी प्रमुख चीजों में कीमतों के अनुकूल रहने की ओर इशारा करता है। रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। मल्होत्रा ने कहा, ''अधिकतर अनुमान कच्चे तेल सहित प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में निरंतर नरमी की ओर इशारा करते हैं।'' उन्होंने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा। दरअसल केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को भी 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 तक लगातार तीन महीने चार फीसदी की सीमा से नीचे रही है। खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 3.16 फीसदी पर आ गई है, जो इसका छह साल का निचला स्तर है। चार फीसदी से कम औसत खुदरा महंगाई दर का यह अनुमान हाल के वर्षों में सबसे कम है। आरबीआई ने अप्रैल में अपनी मौद्रिक नीति घोषणा में वित्त वर्ष 2025-26 में खुदरा मुद्रास्फीति के औसतन चार फीसदी रहने का अनुमान जताया था। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार फीसदी पर रखने का लक्ष्य दिया है।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.5 फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भी 6.50 फीसदी की विकास दर दर्ज की गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद इसका ऐएलान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश कर रही है। मलहोत्रा ने कहा कि एमपीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लिए अपने विकास दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है, जो हमारे पहले के पूर्वानुमान के अनुसार जारी रहेगी। मल्होत्रा ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया है। चालू वित्त वर्ष 2025-2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी की वृद्धि दर 6.50 फीसदी, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 6.7 फीसदी, तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 6.6 फीसदी और चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में 6.4 फीसदी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह अनुमान दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था हर तिमाही में मजबूत बनी रहेगी, हालांकि वित्त वर्ष के अंत में थोड़ी नरमी देखी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने घरेलू अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को चार फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया गया है।

मई में घर में बनाई गई थाली की कीमतों में आई 6 प्रतिशत की गिरावटः रिपोर्ट

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

क्रिसिल की नवीन रिपोर्ट के अनुसार मई महीने में उच्च आधार प्रभाव दर्ज करके उपभोक्ताओं की सब्जियों की कीमतों में भयंकर गिरावट आई है। इसके परिणामस्वरूप घर पर पकाई गई शाकाहारी और मांसाहारी थाली की कीमतों में सालाना 6 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

शाकाहारी थाली की कीमत मासिक आधार पर स्थिर रही, जबकि मांसाहारी थाली की कीमत में पिछले महीने 2 प्रतिशत की कमी आई। रोटी राइस दर (आरआरआर) रिपोर्ट के अनुसार मई में टमाटर की कीमतें 33 रुपए प्रति किलोग्राम से 29 प्रतिशत गिरकर 23 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गईं। बीते वर्ष पैदावार को लेकर चिंताओं के कारण कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई थी।

प्याज और आलू की कीमतों में क्रमशः 15 प्रतिशत और 16 प्रतिशत की गिरावट आई है। आंकड़ों और

शाकाहारी थाली की कीमत स्थिर रही, जबकि मांसाहारी थाली में 2 प्रतिशत की कमी आई

डेटा से पता चलता है कि इस गिरावट के पीछे ताजा सब्जियों की उपलब्धता और मौसमी बदलावों का असर है। बीते साल के तुलनात्मक नुकसान के चलते वृद्धि दर्ज की गई यह कीमतें इसकी पहली बारें हैं।

क्रिसिल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर का कहना है कि मई महीने में अनाज, दाल, सब्जियां और ब्रॉयलर की कीमतों में अलग-अलग परिवर्तन दर्ज किए गए हैं।

आगामी समय में भारी मौसमी बदलाव के कारण सब्जियों की कीमतों में और तेजी की संभावना है, जबकि घरेलू उत्पादन के बीच गेहूं और दालों की कीमतें कम होने की उम्मीद है।

उपभोक्ताओं के मुख्य जीवन में बदलाव लाने वाली इस गिरावट ने खाद्य बजट पर भारी असर डाला है और विभिन्न राज्यों में मांसाहारी और शाकाहारी थाली की लागत में व्यापक अंतर आया है।

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के नतीजों से पहले रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की गिरावट दर्शाता है। हालांकि जल्द ही यह उबर गया और डॉलर के मुकाबले 85.77 पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.79 पर बंद हुआ था रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.79 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.77 पर रहा।

वोल्सवेगन 35,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

जर्मनी की प्रमुख कार निर्माता कंपनी वोल्सवेगन ने आने वाले वर्षों में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की योजना बनाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की यह योजना 2030 तक जर्मनी में करीब 35,000 कर्मचारियों को छंटनी करने की है। कंपनी के अनुसार यह कदम लागत में कटौती और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है।

20,000 से अधिक कर्मचारी पहले ही स्वेच्छा से रिटायरमेंट लेने के लिए सहमत हो गए हैं। वोल्फ्सबर्ग की मुख्यालय में हुई बैठक में चर्चा हुई कि कर्मचारियों को वॉलेंट्री रिटायरमेंट का विकल्प दिया जाए। साथ ही सेवरेंस पैकेज की पेशकश भी की जा रही है, जिसमें एक कर्मचारी को 400,000 डॉलर तक का मुआवजा मिल सकता है। कंपनी ने निर्णय लिया है कि 2026 से ट्रेनी कर्मचारियों की संख्या 1,400 से 600 कर दी जाएगी। इसके साथ सालाना 1.5 बिलियन यूरो की बचत करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी का कहना है कि इन कदमों से वह स्थिर और प्रतिस्पर्धी उत्पादन माहौल बनाए रखेगी, जबकि किसी भी फैक्ट्री को बंद नहीं किया जाएगा।

ट्रंप के ट्रेड वॉर से भारत समेत कई देशों की उभरती अर्थव्यवस्थाएं दोतरफा दबाव में

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका का ग्लोबल ट्रेड वॉर फिर तेज़ हो गया है। इस बार यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सेंट्रल बैंकों के लिए कोविड महामारी से भी बड़ी चुनौती बनता नजर आ रहा है। यह कहना है अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमए) की फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर का।

हाल ही में उन्होंने कहा कि जब 2020 में कोविड महामारी आई थी तब दुनिया के ज्यादातर सेंट्रल बैंक एक साथ काम कर रहे थे। ब्याज दरें घटाई गई थीं, राहत पैकेज लाए गए थे, लेकिन अब माहौल बदला हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर से बने टैरिफ अलग-अलग देशों को अलग तरह से प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार चुनौती पहले से भी ज्यादा बड़ी है। कोविड में सभी देश एक जैसी दिशा में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अब असमान असर हो रहा है। अब उभरती अर्थव्यवस्थाएं दोतरफा दबाव में हैं। एक तरफ उन्हें घरेलू मांग को सहारा देने के लिए ब्याज दरें कम करनी पड़ सकती हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका में ब्याज दरें ऊंची रहने से डॉलर मजबूत है, जिससे विदेशी निवेश बाहर जा सकता है।

ऐसे में भारत जैसे देश ब्याज दरें घटाते हैं तो उनकी करेंसी पर असर पड़ सकता है। आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक हो रही है, जिसमें रेपो रेट को 25 से 50 बेसिस प्वाइंट तक कम करने की उम्मीद जताई जा रही है। यह इस साल की तीसरी कटौती होगी। वहीं अमेरिका का फेडरल बैंक ट्रंप के दबाव में दरें घटाने के मूड में नहीं है। जब तक उसे भरोसा नहीं हो जाता कि टैरिफ से महंगाई नहीं बढ़ेगी, वह किसी रेट कट की संभावना नहीं देखता।

इससे ग्लोबल वित्तीय माहौल सख्त हो सकता है और विकासशील देशों की नीति सीमित हो सकती है। एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर वैश्विक निवेशकों का भरोसा डगमगाया, तो उभरते बाजारों से पूंजी बाहर जा सकती है। इससे उन देशों की करेंसी पर दबाव और कर्ज़ लेने की लागत बढ़ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने पूंजी निकासी, करेंसी में गिरावट और कर्ज महंगा होने का खतरा है। मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि फिलहाल उभरती अर्थव्यवस्थाएं धुंध में रास्ता तलाश रही हैं। अमेरिका-चीन के बीच थोड़े समय के लिए समझौता हुआ था, लेकिन बाद में ट्रंप ने चीन पर आरोप लगाए कि वह डील का उल्लंघन कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने स्टील और एल्युमिनियम पर डबल टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर में चिली को 1-0 से हराया

नई दिल्ली, 06 जून (एजेंसियां)।

फीफा विश्व कप 2026 के क्वालीफाई मुकाबले में अर्जेंटीना ने चिली को 1-0 से हराकर तीन अंक हासिल किए। यह मुकाबला गुरुवार को सैंटियागो में खेला गया। अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल जूलियन अल्वारेज़ ने 23वें मिनट में किया।

अर्जेंटीना और चिली के बीच फुटबॉल में लंबे समय से जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता रही है, जिसमें 1942 की दक्षिण अमेरिकी चैम्पियनशिप से लेकर 2016 कोपा अमेरिका फाइनल तक के मुकाबले शामिल हैं। उस फाइनल में हार के बाद लियोनेल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा कर दी थी, हालांकि बाद में वे दोबारा खेल में लौट आए थे।

इस मुकाबले में अर्जेंटीना पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका था, इसलिए कप्तान मेसी को शुरुआती ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया। टीम ने युवा खिलाड़ियों निको पाज़, जूलियन अल्वारेज़ और जियोवानी सिमीओने के साथ शुरुआत की। हालांकि, मैच की पहली वास्तविक कोशिश चिली ने की, जब तीसरे ही मिनट में एलेक्सिस सांचेज़ ने बॉक्स के बाहर से ज़ोरदार शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज़ ने शानदार बचाव करते हुए रोक लिया।

इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर नियंत्रण बना लिया और पहले हाफ में चिली को कोई खास मौका नहीं दिया। 13 मिनट बाद थियागो आल्माडा ने एक शानदार पास दिया, जिसे अल्वारेज़ ने चिप शॉट से गोल में तब्दील कर दिया। गेंद गोलपोस्ट से लगकर भीतर चली गई।

दूसरे हाफ में चिली ने वापसी की कोशिश की और 60वें मिनट के बाद तीन बार गोल करने की कोशिश की, लेकिन अर्जेंटीना की मजबूत रक्षा और गोलकीपर मार्टिनेज़ की फुर्ती ने उसे बराबरी का मौका नहीं दिया।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग अंक तालिका में अपराजेय बढ़त बना ली है, जबकि चिली सबसे नीचे है और उसकी विश्व कप में जगह बनाने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं।

अब अर्जेंटीना 10 जून को कोलंबिया से भिड़ेगा, जबकि चिली का सामना उसी दिन बोलिविया से होगा। 2026 विश्व कप के लिए शीर्ष छह टीमें सीधा प्रवेश पाएंगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रूस और भारत ...

रूसी हथियारों से सुसज्जित होना इसे और भी घातक बना सकती है। इस लड़ाकू विमान के सोर्स-कोड मिलने के साथ-साथ भारत को अभूतपूर्व तकनीकी और आर्थिक लाभ भी मिलेंगे जो कोई अन्य देश देने के लिए तैयार नहीं है। सेना के आला अधिकारी बताते हैं कि भारत को दिए गए एसयू-57ई में गैलियम नाइट्राइड (जीएएन), एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैंड ऐरे (एईएसए) रडार और एक भारतीय-विकसित मिशन कम्प्यूटर शामिल है। इससे भी बेहतर, यह भारत में चल रहे सुपर-सुखोई प्रोजेक्ट में मदद करेगा और इससे एसयू-30एमकेआई के बेड़े में भारी सुधार होगा। यह आने वाले दशकों तक कारगर रूप से प्रासंगिक बना रहेगा। यह एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) जैसी अगली पीढ़ी की महत्वाकांक्षी स्वदेशी परियोजनाओं को भी गति दे सकता है।जैसा कि पहले बताया गया है, एसयू-57ई घरेलू रूप से विकसित हथियारों जैसे कि एस्ट्रा (एमके1 और एमके2 दोनों) और रुद्रम (एंटी-रेडिएशन मिसाइल) के साथ-साथ कई अन्य सटीक-लक्ष्य-निर्देशित हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियारों को भी एकीकृत करने में सक्षम होगा। इससे भारत की अपनी सेना को आसानी से उपलब्ध हथियार उपलब्ध कराने की क्षमता में काफी सुधार होगा और यह महंगे विदेशी हथियारों पर निर्भरता को कम करेगा। इसके अतिरिक्त, यह एसयू-57 प्लेटफॉर्म पर आधारित पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) कार्यक्रम को प्रभावी रूप से पुनर्जीवित करेगा। लागत का मामला भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रूसी जेट राफेल की तुलना में कई गुना सस्ता है। यह भी रेखांकित करने वाली बात है कि उच्च तीव्रता वाले संघर्ष में एसयू-57 की तुलना में राफेल ने बहुत खराब प्रदर्शन किया है। नाटो द्वारा संचालित हो रहे यूक्रेन संघर्ष में यही देखने को मिला है।इस प्रगति (डेवलपमेंट) के अभूतपूर्व भू-राजनीतिक निहितार्थ भी हो सकते हैं। सबसे प्रथम और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों की आपूर्ति के लिए पश्चिम पर भारत की निर्भरता कम करेगा और रणनीतिक स्वतंत्रता का एक बेजोड़ स्तर प्रदान करेगा। लगभग सभी संप्रभु राष्ट्र खास तौर पर गैर-पश्चिमी प्लेटफार्मों और हथियार प्रणालियों का चयन करते हैं। नवीनतम रूसी तकनीक हासिल करने की परंपरा को जारी रखते हुए, भारत दुनिया के कुछ आत्मनिर्भर देशों में से एक बना रहेगा। अल्जीरिया जैसे अन्य संप्रभु देशों ने भी एसयू-57 का विकल्प चुना है। पश्चिम के दबाव से बचने के लिए कई देश रूस के साथ गुप्त बातचीत कर रहे हैं। रूस के साथ भारत के बढ़ते रक्षा संबंधों के कारण ही संयुक्त राज्य अमेरिका नाराज है। नवीनतम अंदरूनी जानकारियां भी यह बताती हैं कि अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बढ़ा रहा है।यानि, जिस दिन क्रेमलिन ने यह प्रस्ताव रखा, उसी दिन अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने रूस के साथ संबंधों के लिए भारत की आलोचना की। आठवें यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम को संबोधित करते हुए, उन्होंने यह कहकर स्पष्ट रूप से इसका संकेत दिया कि कुछ ऐसी चीजें हैं जो भारत सरकार ने की हैं जो आम तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका को नापसंद हैं। लुटनिक ने यह भी कहा कि दिल्ली की ब्रिक्स सदस्यता समस्याग्रस्त है, क्योंकि संगठन नियमित रूप से अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देता है। लुटनिक ने चेतावनी देते हुए कि यह वास्तव में अमेरिका में दोस्त बनाने और लोगों को प्रभावित करने का तरीका नहीं है। भारत अपने पूर्व के अनुभवों से यह अच्छी तरह जानता समझता है कि अमेरिका उसे लगातार संघर्ष में उलझाए रखना चाहता है ताकि भारत बहुध्रुवीयता की प्रगति को धीमा कर सके। दुनिया के खिलाफ पश्चिम की आक्रामकता के इतिहास को देखते हुए तो यही साबित होता है।इससे यह भी पता चलता है कि वाशिंगटन डीसी के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली की तत्परता उसके लिए कभी भी पर्याप्त नहीं है। हालांकि भारत ने कभी भी अमेरिकी लड़ाकू जेट नहीं खरीदे, फिर भी उसने अन्य प्रणालियां खरीदी हैं, जैसे कि पी-8 पोसिडॉन आईएसआर (खुफिया, निगरानी, टोही) विमान, अपाचे और चिनूक हेलीकॉप्टर और यहां तक कि एम777 होवित्जर जो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) के कब्जे वाले यूक्रेन में विनाशकारी नुकसान झेल चुके हैं। फिर भी, अमेरिका और अधिक चाहता है, जैसा कि डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा से स्पष्ट है कि हम भारत को कई अरब डॉलर की सैन्य बिक्री बढ़ाएंगे। वाशिंगटन डीसी इस तरह के सौदों में संकटग्रस्त एफ-35 को शामिल करने के लिए बेताब है, लेकिन भारत ऐसे विनाशकारी ट्रैक रिकॉर्ड वाले जेट पर पैसा बर्बाद करने के लिए कतई इच्छुक नहीं है (यहां इस बात का उल्लेख नहीं कर रहे कि कौन-कौन से देश एफ-35 का उपयोग करके अपनी संप्रभुता खो चुके हैं या नुकसान झेल चुके हैं)। एसयू-57ई और रूस द्वारा पेश किए गए स्रोत कोड ने भारत द्वारा भविष्य में भी अमेरिका से एफ-35 खरीदे जाने की संभावना को लगभग असंभव बना दिया है। इससे ही अमेरिकी बौखलाहट की असली वजह समझी जा सकती है।

हम चुनौतियों को...

फिर भी हमारी सरकार ने चुनौती को चुनौती देने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर में कई ऑल वेदर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स बन रहे हैं, जो इस संकल्प की मिसाल हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेनाब पुल और अंजी पुल का उद्घाटन करने के बाद स्मारक सिक्के और टिकट जारी किए।

पीएम मोदी ने बताया कि कुछ समय पहले सोनमार्ग टनल शुरू हुई और आज उन्होंने खुद चेनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज से होकर यात्रा की। प्रधानमंत्री ने कहा, इन पुलों पर चलते हुए मैंने भारत के इंजीनियरों, श्रमिकों के साहस और संकल्प को नमन किया है। चेनाब ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। लोग फ्रांस के पेरिस में एफिल टावर देखने जाते हैं, लेकिन अब यह ब्रिज एफिल टावर से भी ऊंचा है। यह सिर्फ एक रेलवे पुल नहीं, बल्कि कश्मीर का नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी बनेगा। लोग यहां सेल्फी पॉइंट पर जाकर इंजीनियरिंग के इस अद्भुत नमूने को निहारेंगे। प्रधानमंत्री ने इसे भारत के विकास, संकल्प और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की नई पहचान बताते हुए कहा कि यह पुल आने वाले वर्षों में टूरिज्म, कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय एकता का मजबूत आधार बनेगा।पीएम मोदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर मां भारती का मुकुट है। यह मुकुट एक से बढ़कर एक खूबसूरत रत्नों से जड़ा हुआ है। ये अलग-अलग रत्न, जम्मू कश्मीर का सामर्थ्य हैं। यहां की पुरातन संस्कृति, यहां के संस्कार, यहां की आध्यात्मिक चेतना, प्रकृति का सौंदर्य, यहां की जड़ी बूटियों का संसार, फलों और फूलों का विस्तार, यहां के युवाओं का कौशल, मुकुट मणि की तरह चमकता है। अब जब रेल कनेक्टिविटी जुड़ गई है, तो यह प्रतिभा देश-दुनिया में अपना स्थान बनाएगी। रेल प्रोजेक्ट के फायदे गिनाते हुए पीएम मोदी ने कहा, चाहे चेनाब ब्रिज हो या अंजी ब्रिज, ये जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों की समृद्धि का जरिया बनेंगे। टूरिज्म बढ़ेगा ही, साथ में अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। अब कश्मीर के उत्पाद कम लागत में देश के बड़े बाजारों तक पहुंच पाएंगे, समय पर पहुंच पाएंगे। जम्मू-कश्मीर की रेल कनेक्टिविटी से व्यापारियों और उद्योगों को नए अवसर मिलेंगे। अब यहां के लोगों के लिए देश के दूसरे हिस्सों में आना-जाना भी आसान हो जाएगा। यह नया युग है, जहां विकास की सीटी हर गांव, हर घाटी में गूंजेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से हर थाली में भरपेट अनाज सुनिश्चित हुआ है। जनधन योजना से पहली बार 50 करोड़ से ज्यादा गरीबों के लिए बैंक की दरवाजा खुला है। सौभाग्य योजना से अंधेरे में जी रहे 2.5 करोड़ परिवारों में बिजली की रौशनी पहुंची है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत बने 12 करोड़ शौचालयों में खुले में शौच की मजबूरी से मुक्ति दिलाई है। पीएम सम्मान निधि से 10 करोड़ किसानों को सीधे आर्थिक सहायता मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे बार-बार जम्मू-कश्मीर आने और यहां के लोगों के सामर्थ्य को देखने का अवसर मिला है। मैंने यहां की ऊर्जा, उम्मीदें और मेहनत को नजदीक से महसूस किया है। यही वजह है कि मैं पूरे समर्पण भाव के साथ जम्मू-कश्मीर के विकास में जुटा हूं। जम्मू-कश्मीर भारत की शिक्षा और संस्कृति का गौरव रहा है और आज यह ज्ञान की भूमि के रूप में फिर उभर रहा है। जम्मू और श्रीनगर में सेंट्रल यूनिवर्सिटी हैं, नीट, आईआईएम जैसे देश के श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान यहां हैं। आने वाले वर्षों में जम्मू-कश्मीर भारत के नॉलेज हब की भूमिका निभाएगा।

पीएम ने बताया, पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में दो स्टेट लेवल के कैंसर संस्थान बने हैं और पांच साल में सात नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए हैं। एमबीबीएस की सीटें 500 से बढ़कर 1300 हो गई हैं, जो क्षेत्र के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि अब रियासी जिले को भी नया मेडिकल कॉलेज मिलने जा रहा है। इससे न सिर्फ इलाज की सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष रूप से श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संस्थान केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि दान-पुण्य और श्रद्धा की हमारी संस्कृति का प्रतीक है। इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना में जो राशि लगी है, वह देश के कोने-कोने से माता के भक्तों द्वारा दान में दी गई है। उन्होंने बताया कि अस्पताल की क्षमता 300 बेड से बढ़ाकर अब 500 बेड की जा रही है। कटरा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में लगातार रोजगार के नए अवसरों का सृजन कर रही है, जिसमें पर्यटन (टूरिज्म) एक अहम जरिया बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि टूरिज्म से रोजगार मिलता है और यह लोगों को जोड़ता है, लेकिन दुर्भाग्यवश भारत का पड़ोसी देश न सिर्फ मानवता का विरोधी है, बल्कि टूरिज्म और गरीब की रोटी तक का दुश्मन है। पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम जैसे क्षेत्रों में बीते पांच वर्षों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंचे, जिससे गरीबों के घरों का चूल्हा जला। लेकिन पाकिस्तान की ओर से इसे भी निशाना बनाया गया। घोड़े चलाने वालों, गाइड्स और मेहनतकश युवाओं तक को आतंक की भेंट चढ़ाने की कोशिश हुई। पीएम ने पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले आदिल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह मेहनत-मजदूरी करके घर चलाता था और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों का शिकार बन गया। जम्मू-कश्मीर के लोग अब आतंकवाद को करारा जवाब दे रहे हैं और यह प्रदेश अब आतंक को नहीं, विकास को स्वीकार कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि बीते दशकों में जम्मू-कश्मीर के लोगों ने मान लिया था कि हालात कभी नहीं बदलेंगे, लेकिन आज वही लोग उम्मीद, भरोसे और नए सपनों के साथ खड़े हैं। आतंक और अलगाव की राजनीति को पीछे छोड़कर जम्मू-कश्मीर आगे बढ़ने का संकल्प ले चुका है, और सरकार ने यह बदलाव कर के दिखाया है। आज जम्मू-कश्मीर का नौजवान आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। यहां लोकतंत्र और चुनाव जैसे आयोजन अब दुश्मनों के लिए चुनौती बन गए हैं। यह बदलाव जम्मू-कश्मीर के लोगों की हिम्मत और भारत सरकार की इच्छाशक्ति का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के हर नागरिक की ताकत देश की सीमाओं की रक्षा में लगी है और जब पाकिस्तान की ओर से आतंक और गोलीबारी की कयामत बरपाई जाती है, तब पूरा देश एकजुट होकर खड़ा होता है। उन्होंने बताया कि सीमा पार से हुई फायरिंग में जिन लोगों की जान गई, उनके परिजनों को हाल ही में नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलाबारी से प्रभावित हुए 2000 से अधिक परिवारों की पीड़ा, सरकार की भी अपनी पीड़ा है। उन्होंने बताया कि इन परिवारों को पहले ही घरों की मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता दी गई थी, लेकिन अब केंद्र सरकार ने इस सहायता को और बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि जिन घरों को गंभीर नुकसान हुआ है, उन्हें अब दो लाख की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। इसके अलावा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों को एक लाख की मदद दी जाएगी। यह सहायता पहली बार दी गई राशि के अतिरिक्त होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए करीब दस हजार नए बंकर बनाए गए हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात में लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर डिवीजन के लिए बॉर्डर बटालियन का गठन किया गया है। इसके साथ ही महिला बटालियन बनाने का काम भी पूरा कर लिया गया है। पीएम ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के दुर्गम इलाकों में सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च करके आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है। कठुआ से जम्मू तक हाईवे को सिक्स-लेन एक्सप्रेस-वे बनाया जा रहा है, वहीं अखनूर से पूंछ हाईवे का चौड़ीकरण किया जा रहा है। बॉर्डर के गांवों में विकास के लिए बॉयफ्रेंड विलेज प्रोग्राम के तहत भी कामों को तेजी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के 400 ऐसे गांव जो ऑल वेदर कनेक्टिविटी से वंचित थे, उन्हें अब 1800 किलोमीटर नई सड़क से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए सरकार 4200 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करेगी। पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं और देशवासियों से आग्रह किया कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की ताकत का प्रदर्शन किया गया है। दुनिया अब भारत के डिफेंस इकोसिस्टम की तारीफ कर रही है, जो मेक इन इंडिया के भरोसे से सशक्त हुआ है। उन्होंने मिशन मैन्युफैक्चरिंग की घोषणा का जिक्र करते हुए युवाओं को इस मिशन का हिस्सा बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश को युवाओं की आधुनिक सोच और नवाचार की जरूरत है, जिससे भारत नई ऊंचाइयों को छू सके और रोजगार के लाखों अवसर पैदा हों। पीएम ने एक संकल्प लेने का भी आग्रह किया कि हमें ऐसा भारत बनाना है, जो समानता और आत्मनिर्भरता की मिसाल हो।

प्रधानमंत्री ने असंभव ...

जो घाटी को रेल मार्ग से जोड़ेगा। उपराज्यपाल ने कहा, कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने वाला उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक जम्मू-कश्मीर के लिए एक नए युग की शुरुआत करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर के लिए एक समावेशी और जीवंत भविष्य की आधारशिला रखी है और उनके नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। समावेशी विकास ने यह सुनिश्चित किया है कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे न रह जाए। प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शिता और विकास परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन ने जम्मू-कश्मीर की प्रगति की दिशा में जबरदस्त कार्य किया है। पहले जो असंभव लगता था, उसे प्रधानमंत्री ने संभव बना दिया है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री 2022 के बाद से अब तक जम्मू-कश्मीर का पांच दौरा कर चुके हैं, जिनमें उन्होंने 64,400 करोड़ रुपए की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री विकास निधि के तहत 58,477 करोड़ रुपए की 53 परियोजनाएं तथा हजारों करोड़ रुपए की अन्य सम्पर्क और विकास परियोजनाएं केंद्र शासित प्रदेश को विकास की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं। कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने वाली 43,780 करोड़ रुपए की लागत वाली यह रेल परियोजना अभियांत्रिकी की उत्कृष्ट मिसाल है। यह व्यापार, उद्योग और हर मौसम में परिवहन के लिए आदर्श वातावरण तैयार करेगी और मैं दृढ़ता से मानता हूं कि यह भविष्य की रेल लाइन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर एक विकसित और आत्मनिर्भर केंद्र शासित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है।

विकास की गति...

याद करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट की नींव 1983-84 में रखी गई थी। उस वक्त वह आठवीं क्लास में पढ़ते थे। अब उनकी उम्र 55 हो चुकी है और उनके बच्चे भी कॉलेज पास कर चुके हैं। तब जाकर यह ऐतिहासिक रेल प्रोजेक्ट पूरा हुआ। यह तभी संभव हुआ जब भाजपा सरकार ने इसे प्रोजेक्ट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस घोषित कर विशेष बजट का प्रावधान किया।

सीएम उमर कहा, उन्हें गर्व है कि राज्य की सभी बड़ी रेलवे परियोजनाओं के उद्घाटन में उन्हें प्रधानमंत्री के साथ शामिल होने का सौभाग्य मिला। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा कि भले ही राजनीतिक परिस्थितियों के चलते उनका पद मुख्यमंत्री से घटकर केंद्र शासित प्रदेश के सीएम जैसा हो गया, लेकिन उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों ही जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा मिलेगा। उमर अब्दुल्ला ने याद करते हुए कहा कि सबसे पहले जब अनंतनाग रेलवे स्टेशन का उद्घाटन हुआ, फिर बनिहाल रेलवे सुरंग और 2014 में कटरा रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया गया। इन सभी अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, तत्कालीन रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा, मैं और अन्य प्रमुख लोग साथ मौजूद थे। आज भी वही चार लोग इस मंच पर एक बार फिर मौजूद हैं।सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अब राज्य में तेजी से विकास हो रहा है। कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं तेजी से पूरी हो रही हैं, चाहे वह जम्मू रिंग रोड हो, श्रीनगर रिंग रोड हो, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेस-वे हो, जम्मू-श्रीनगर फोर लेन हाईवे हो, जम्मू और श्रीनगर हवाई अड्डों का विस्तार हो या रेलवे नेटवर्क का विस्तार हो। हम विकसित भारत के लिए विकसित जम्मू-कश्मीर के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मैं जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों की ओर से प्रधानमंत्री जी को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।

वनवासियों में ...

सहयोग को भी देखा। पूरे समाज ने हमारी एकता की मिसाल पेश की। अगर ऐसी भावना हमेशा बनी रहे तो इससे एक मजबूत लोकतंत्र की परिकल्पना सामने आएगी। पहलगाम हमले के बाद कार्रवाई करने का मतलब यह नहीं है कि समस्या हल हो गई है। युद्ध के प्रकार बदल गए हैं। आतंकवाद को शह देकर उसी माध्यम से लड़ा जा रहा है। साइबर युद्ध से लेकर छद्म युद्ध तक निरंतर प्रगति हो रही है। अब घर बैठे एक क्लिक से ड्रोन को नियंत्रित करके युद्ध लड़ा जा सकता है। इसलिए हमें अपनी सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनना होगा। इसके लिए सरसंघचालक ने यह भी अपील की कि सेना, सरकार, प्रशासन के साथ-साथ समाज को भी साथ आना चाहिए।

इस मौके पर पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे अरविंद नेताम ने कहा कि वनवासी समुदाय के सामने धर्मांतरण सबसे बड़ी समस्या है। इस खतरे को किसी भी राज्य की सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है। अब धर्मांतरण विरोधी कानून पारित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संघ और समाज मिलकर ही धर्मांतरण की समस्या का निदान कर सकते हैं। नेताम ने कहा कि देश में जनजातीय समुदाय के सामने कई चुनौतियां हैं। अक्सर जब वे सरकार और प्रशासन के सामने जाते हैं तो उनकी सुनवाई नहीं होती। इसलिए मैं संघ की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा हूं। वनवासियों का विस्थापन भी बड़ी समस्या है। संघ को सभी की समान भागीदारी सुनिश्चित करने की पहल करनी चाहिए। नेताम ने मांग करते हुए कहा कि वनवासियों की जमीनों को स्थायी रूप से अधिग्रहित करने के बजाय लीज पर लिया जाना चाहिए। काम पूरा होने के बाद संबंधित जमीन उन्हें वापस की जानी चाहिए। छत्तीसगढ़ में पिछले कई सालों से धन कानून का पालन नहीं हुआ है। संघ को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए।नेताम ने कहा कि धर्मांतरण को रोकने के लिए डीलिस्टिंग एक बड़ा हथियार हो सकता है। इसके समर्थन में माहौल बनाने की कोशिश की जानी चाहिए। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को कुचलने के लिए काम चल रहा है। हालांकि, नक्सलवाद की विचारधारा कई लोगों के बीच बनी हुई है। इस बात का खतरा है कि भविष्य में नक्सली फिर से सिर उठाएंगे। इसलिए, इस संबंध में एक नीति तैयार की जानी चाहिए। नेताम ने कहा कि वनवासियों के धर्म कोड पाने की मांग सामने आ रही है। हम कोई नई सामाजिक विचारधारा नहीं बनाना चाहते। हालांकि, वनवासियों को भी पहचान मिलनी चाहिए। देश में जनजातीय समुदाय की पहचान धीरे-धीरे खत्म हो रही है। धर्म कोड होगा तो आने वाली पीढ़ी को अतीत और पहचान का पता चलेगा। संघ के कार्यक्रम मे शामिल होने को लेकर नेताम ने बताया कि संघ भूमि पर आकर मुझे बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। संघ के शताब्दी वर्ष में यहां आना गौरव का क्षण है। नेताम ने अपने भाषण में रेखांकित किया कि देश में संघ के अलावा किसी भी संगठन ने देश की अखंडता और सामाजिक समरसता के लिए काम नहीं किया है।

संघ के स्वयंसेवक देश लिए आशा की किरण : आशा भोसले

नागपुर, 06 जून (एजेंसियां)। स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में नहीं पहुंच सकीं प्रख्यात गायिका आशा ताई भोसले ने संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत को भावुक पत्र लिख कार्यक्रम में नहीं आ पाने के लिए क्षमा मांगी और कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक देश के लिए आशा की किरण हैं।

आशा ताई भोसले ने लिखा, संघ के कार्यक्रम में आमंत्रण दिए जाने के लिए मैं अत्यंत आभारी हूं। मेरी यह प्रबल इच्छा थी कि मैं संघ मुख्यालय आकर उन कार्यकर्ताओं को देखूं जो राष्ट्रसेवा के लिए स्वयं को समर्पित करने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, अमेरिका से लौटने के बाद अस्वस्थता के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। डॉक्टरों ने मुझे पूर्ण विश्राम की सलाह दी है। इसलिए, सारी तैयारियां करने के बाद भी मुझे यह यात्रा भारी मन से रद्द करनी पड़ रही है। उन्होंने लिखा, मैंने संघ के कार्यों को लेकर अपनी शुभेच्छा और भावना पहले भी प्रकट की है। संघ स्वयंसेवक और उनका कार्य हमारे देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक बड़ी आशा और सहारा हैं। मैं संघ के कार्यों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं और यथासंभव सहयोग का आश्वासन भी देती हूं। मेरी हार्दिक इच्छा है कि मैं शीघ्र स्वस्थ होकर आपसे व्यक्तिगत रूप से भेंट कर सकूं। आशा है कि यह शीघ्र ही संभव होगा।

भारत माता ...

लेकिन कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही मंच पर लगी भारत माता की तस्वीर को देखकर पी. प्रसाद ने हंगामा करना शुरू कर दिया, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया।

मंत्री पी. प्रसाद ने कार्यक्रम का बहिष्कार करते हुए कहा, मंच पर प्रदर्शित की गई तस्वीर आमतौर पर आरएसएस जैसे संगठनों के कार्यक्रमों में देखी जाती है और यह सार्वजनिक आयोजनों में प्रयुक्त होने वाली पारंपरिक तस्वीर नहीं है। राज्यपाल आर्लेकर ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राजभवन में आयोजित कार्यक्रमों में क्या प्रदर्शित किया जाएगा, यह तय करने का अधिकार राजभवन का है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत माता की तस्वीर नहीं हटाई जाएगी। गौरतलब है कि राजभवन के सेंट्रल हॉल में अब कार्यक्रमों के दौरान भारत माता की तस्वीर लगाना और राष्ट्रगान गाना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा कार्यक्रम रद्द किए जाने के बाद कृषि विभाग ने पर्यावरण दिवस समारोह को दरबार हॉल में स्थानांतरित कर दिया। राजभवन में निर्धारित कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सिंदूर का पौधा लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस का उद्घाटन किया।

स्टारलिंक को ...

स्टारलिंक को भारत में ब्रॉडबैंड और सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की हरी झंडी मिल गई है। यह मंजूरी भारत के ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने में मदद कर सकती है। ट्राई ने यह भी सिफारिश की है कि सैटकॉम कंपनियों से एजीआर (एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू) का 4 प्रतिशत शुल्क लिया जाए। अब स्टारलिंक को भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए स्पेक्ट्रम की मंजूरी का इंतजार है। अगर ट्राई की सिफारिशें मंजूर होती हैं, तो स्टारलिंक जल्द ही भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू कर सकती है।हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि स्टारलिंक सैटेलाइट कनेक्टिविटी टेलीकॉम के गुलदस्ते में एक और फूल की तरह है। मोबाइल कनेक्टिविटी के साथ-साथ हमारे पास ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी भी है, लेकिन सैटेलाइट कनेक्टिविटी दूरदराज के इलाकों में बहुत अहम है, जहां वायर्ड कनेक्शन आसानी से नहीं पहुंच सकते। आने वाले दिनों में तीसरा लाइसेंस जारी किया जाएगा। पहला लाइसेंस वनवेब को दिया गया था, दूसरा रिलायंस को दिया गया है और तीसरा लाइसेंस स्टारलिंक को दिया जा रहा है। इसके बाद सरकार स्पेक्ट्रम उपलब्ध कराएगी और देश में यह सेवा जल्द शुरू होगी।

कलियुग की नकारात्मकता को दूर करेंगे हनुमान

कहते हैं कलियुग का प्रकोप इतना ज्यादा बढ़ गया है कि पूरी दुनिया में नकारात्मकता फैली हुई है। मनुष्य हिंसक प्रवृत्ति का होता जा रहा है। ऐसे में कलियुग के प्रकोप को कम करने के लिए भगवान की स्तुति की जाती है। कहा जाता है कि हनुमान अमर हैं। वो हर युग में रहते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कलियुग को पार लगाने के लिए भी उन्हें ही याद किया जाता है। ऐसे में वास्तुशास्त्र के अनुसार ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जिनके अपनाकर घर में फैली नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर सकते हैं। आप हनुमान जी की स्तुति करने के अलावा घर में हनुमान जी की तस्वीर लगा सकते हैं।

श्री राम का कीर्तन करते हुए हनुमान जी की तस्वीर

परिवार के सदस्यों में धार्मिक भावना बनाए रखने के लिए श्री राम की आराधना करते हुए या श्री राम का कीर्तन करते हुए हनुमान जी का चित्र लगाना अति शुभ होता है। इस चित्र को लगाने से परिवार के सदस्यों का आपसी विश्वास भी मजबूत होता है।

पर्वत उठाए हुए हनुमान जी की तस्वीर

अगर परिवार के सदस्यों में साहस एवं आत्मविश्वास की कमी हो, तो अपने एक हाथ में पर्वत उठाए हुए हनुमान जी का चित्र घर में लगाना लाभ प्रदान करेगा।

आकाश में उड़ते हुए हनुमान जी की तस्वीर

जीवन में उत्साह, सफलता, उमंग पाने कि लिए आकाश में उड़ते हुए हनुमान जी का चित्र लगाना चाहिए।

लाल रंग की बैठी हुई मुद्रा में हनुमान जी की तस्वीर

भवन की दक्षिण दिशा में लाल रंग की बैठी हुई मुद्रा में हनुमान जी का चित्र लगाने से दक्षिण दिशा से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा एवं बुरी ताकतें दूर होती हैं, धीरे-धीरे घर में सुख-शांति आने लगती है।

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर

भवन के मुख्यद्वार पर पंचमुखी हनुमान जी की प्रतिमा या तस्वीर लगाने से घर में बुरी आत्माएं प्रवेश नहीं करती।

घर के इन हिस्सों में न लगाएं हनुमान जी की तस्वीर

राम भक्त हनुमान जी बालब्रह्मचारी हैं, इनकी उपासना में पवित्रता का ध्यान रखना जरूरी है। अतः भूलकर भी इनकी प्रतिमा या चित्र को शयन कक्ष में न लगाएं। सीढ़ियों के नीचे, रसोईघर या अन्य किसी अपवित्र स्थान पर भी इनका चित्र नहीं लगाना चाहिए अन्यथा अशुभ परिणाम मिल सकते हैं। कमरे में बेड के पैर की तरफ हनुमान जी की कोई तस्वीर नहीं लगानी चाहिए, इससे सोते समय हमारे पैर उनकी तरफ होते हैं, जो बिल्कुल भी शुभ नहीं होता।

रोज शाम घर की इन पांच जगहों पर जलाएं दीपक

नकारात्मक ऊर्जा रहेगी दूर, हर क्षेत्र में पाएंगे तरक्की

हिंदू धर्म में पूजा के दौरान देवी-देवताओं के सामने दीपक जलाने का खास महत्व होता है। वहीं, घर के कुछ स्थानों पर भी नियमित रूप से दीपक जलाकर रखना फलदायी माना जाता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, घर में शाम के समय दीपक जलाने से आसपास का वातावरण शुद्ध होता है और यह घर से हर प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में भी मदद करता है। ऐसे में अगर आप रोज शाम के समय घर के कुछ विशेष स्थानों पर दीपक जलाकर रख दें, तो इससे घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है और घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है।

मुख्य द्वार पर दीपक जलाने से नकारात्मकता होगी दूर

माना जाता है कि रोजाना शाम के समय पूजा के बाद अपने घर के मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाना चाहिए। लेकिन दीपक जलाते समय इस बात का ख्याल रखें कि उसे मुख्य द्वार पर अपने दाएं हाथ की ओर जलाना चाहिए। साथ ही, दरवाजे पर पूर्व दिशा की तरफ दीया प्रज्वलित करना चाहिए। इस प्रकार रोज शाम को घर के मेन गेट पर दीपक जलाने से नकारात्मकता कोसों दूर रहती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कहा जाता है कि कभी भी सम संख्या में दीपक नहीं जलाना चाहिए। इसकी बजाए विषम संख्या जैसे- 5 या 7 दीपक जलाना ज्यादा शुभ होता है।

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, शाम के वक्त एक दीपक सीढ़ियों के नीचे वाले स्थान पर जरूर जलाना चाहिए। हमारे घर में सीढ़ियों के नीचे शाम होते-होते अंधेरा होने लगता है, जो नकारात्मकता को बढ़ावा देने लगता है। ऐसे में अगर आप रोज एक दीपक उस स्थान पर जला दें, तो नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और जातक के घर से दरिद्रता दूर हो सकती है। मान्यता है कि सीढ़ियों के नीचे दीपक जलाने से घर में हमेशा शांति बनी रहती है और परिवार के सदस्यों के बीच का प्रेम भी बढ़ता है।

घर में सुख-समृद्धि के लिए मंदिर में जरूर जलाएं दीया

शास्त्रों में शाम की पूजा के समय घर के मंदिर में दीपक जलाना बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है। ऐसा करने से व्यक्ति के घर में हमेशा सुख और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, आसपास का वातावरण शुद्ध होता है। मान्यता है कि शाम को मंदिर में माता लक्ष्मी के सामने दीपक जलाने से धन की देवी का घर में आगमन होता है और परिवार के सदस्यों पर उनकी विशेष कृपा बनी रहती है। अगर आप नियमित रूप से पूजा घर में दीपक जलाते हैं, तो इससे कार्यों में आ रही बाधाओं से भी निजात मिल सकती है।

जीवन में तरक्की के लिए यहां जलाएं दीपक

मान्यता है कि तुलसी के पौधे में धन की देवी माता लक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में शाम के समय तुलसी के पास भी दीपक जरूर जलाना चाहिए। इसके लिए तुलसी के पास उत्तर या पूर्व दिशा की ओर दीपक का मुख करके रखना चाहिए। ऐसा करने से जातक को माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और जरूरी कार्यों में आ रही रुकावटों से भी निजात मिल सकती है। मान्यता है कि तुलसी के पास चौमुखी दीपक जलाने से परिवार के सदस्यों को हर क्षेत्र में तरक्की हासिल हो सकती है और जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, इससे गृह क्लेश से भी मुक्ति मिलती है।

धन-दौलत में वृद्धि के लिए इस दिशा में जलाएं दीया

माना जाता है कि शाम के समय घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में भी दीया जरूर जलाना चाहिए। यह दिशा कुबेर देवता की मानी जाती है। ऐसे में अगर आप नियमित रूप से शाम के समय उत्तर-पूर्व दिशा में एक दीपक जलाते हैं, तो इससे घर में चल रह पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है। साथ ही, धन-दौलत में वृद्धि होती है और धन लाभ के योग बनने शुरू हो सकते हैं। इसके अलावा, आप शाम के वक्त एक दीपक घर की छत पर भी जला सकते हैं।

18 दिनों तक चला महाभारत का युद्ध, इन दिनों में घटी प्रमुख घटनाएं

भगवान श्रीकृष्ण की सहायता से युद्ध में पांडवों की जीत हुई। युद्ध के परिणाम स्वरूप गांधारी और धृतराष्ट्र के सभ 100 पुत्र मारे गए। 18 दिनों तक चले इस युद्ध में भीष्म के बाणों में शय्या पर लेटने से लेकर द्रोणाचार्य की मृक्यु तक कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटी। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

शिखंडी बना भीष्म की हार का कारण

युद्ध के 10वें दिन जब अर्जुन और भीष्म पितामह के बीच संघर्ष जारी था, तब अर्जुन ने शिखंडी को आगे कर दिया। शिखंडी पिछले जन्म में एक स्त्री थी, जिसका नाम अंबा था। अंबा ने यह प्रतिज्ञा ली थी, कि वह भीष्म की मृत्यु का कारण बनेगी। भीष्म ने शिखंडी को स्त्री मानते हुए उसपर बाण नहीं चलाए। मौके का फायदा उठाकर अर्जुन ने पर भीष्म पितामह पर बाणों की बौछार कर दी और भीष्म को बाणों की शय्या पर लेटा दिया।

13वें और 14वें दिन क्या हुआ

13वें दिन युद्ध के नियमों की अवहेलना करते हुए द्रोण, अश्वत्थामा, बृहद्बल, कृतवर्मा आदि छह महारथियों ने निहत्थे अभिमन्यु को चारों ओर से घेर कर उसकी हत्या कर दी थी। इसके अगले दिन यानी 14वें दिन अर्जुन ने अपने पुत्र की मृत्यु का बदला लेने के लिए जयद्रथ के वध की प्रतिज्ञा ली, क्योंकि अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाने में जयद्रथ का हाथ था।

तब डर के कारण जयद्रथ छिप गया, जिसे बाहर निकालने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने सूर्य पर ग्रहण लगा दिया। जयद्रथ को लगा कि अब सूर्यास्त हो चुका है और वह स्वयं अर्जुन के सामने आ गया। तभी भगवान कृष्ण की माया से पुनः सूर्य दिखने लगा और मौका पाकर अर्जुन ने जयद्रथ का वध कर दिया, जिससे उसकी प्रतिज्ञा पूरी हुई।

द्रोणाचार्य से बोला ये झूठ

युद्ध के 15वें दिन पांडव छल से द्रोणाचार्य को यह विश्वास दिला देते हैं कि उसका पुत्र अश्वत्थामा मारा गया, लेकिन असल में अश्वत्थामा नामक एक हाथी मारा जाता है। इसके बाद द्रोणाचार्य जमीन पर बैठकर विलाप करने लगते हैं। इस मौके पाकर धृष्टद्युम्न द्रोण का सिर काटकर वध कर देता है।

16वां और 17वां दिन

युद्ध के 16वें दिन भीम दुःशासन का वध कर देता है और अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार, छाती फाड़कर रक्त पीता है। वहीं सत्रहवें दिन कर्ण के रथ का पहिया भूमि में धंस जाता है, जिसे वह रथ से नीचे उतकर निकालने लगता है। उसी समय भगवान श्रीकृष्ण के कहने पर अर्जुन कर्ण का वध कर देता है।

दुर्योधन की मृत्यु के साथ पांडवों की जीत

युद्ध के आखिरी दिन यानी 18वें दिन भीम दुर्योधन के बचे हुए सभी भाइयों को मार देता है और सहदेव शकुनि को मार देता है। डर के कारण दुर्योधन तालाब में जा छिपता है। लेकिन भीम द्वारा ललकारे जाने पर वह भीम से गदा युद्ध करता है। भीम भगवान श्रीकृष्ण के इशारे पर दुर्योधन की जंघा पर प्रहार करता है, जिससे दुर्योधन की मृत्यु हो जाती है और इस प्रकार पांडवों की जीत होती है।

वाराणसी के अस्सी घाट का शुंभ-निशुंभ से है गहरा नाता, जानें धार्मिक महत्व

धार्मिक दृष्टि से वाराणसी को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। इस शहर में अधिक घाट हैं, जो गंगा नदी के किनारे हैं। इन घाटों पर स्नान करने का विशेष महत्व है। रोजाना विशेष आरती का आयोजन किया जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि वाराणसी के घाटों में अस्सी घाट बेहद प्रमुख है।

क्यों प्रसिद्ध है अस्सी घाट

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जहां पर अस्सी घाट है। उसी जगह पर शुंभ-निशुंभ राक्षसों की हार के बाद मां दुर्गा की तलवार गिरी, जिससे वहां पर एक जलधारा निकली, जिसे अस्सी नदी का नाम दिया गया।

इतने बजे होती है अस्सी घाट पर आरती

अस्सी घाट पर रोजाना विशेष आरती का आयोजन किया जाता है, जिसमें अधिक संख्या में भक्त शामिल होते हैं। आरती के दौरान अस्सी घाट पर बेहद भव्य नजारा देखने को मिलता है। अगर आप अस्सी घाट की आरती में शामिल होने का प्लान बना रहे हैं,।

गर्मी के दौरान अस्सी घाट पर आरती सुबह 5 बजे होती है और शाम को 6 बजे होती है। वहीं, सर्दी के दौरान 5 बजकर 3 मिनट पर और शाम को 6 बजकर 3 मिनट पर होती है।

कैसे पहुंचे अस्सी घाट

अस्सी घाट आप हवाई मार्ग से पहुंच सकते हैं। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वाराणसी में है। यहां से आप कैब के जरिए अस्सी घाट पहुंच सकते हैं। आपके पास रेल मार्ग का भी ऑप्शन है। अस्सी घाट के पास वाराणसी जंक्शन है। यहां से आप कैब की मदद से अस्सी घाट पहुंच सकते हैं। इसके अलावा आप कैब या बस के जरिए भी अस्सी घाट तक पहुंच सकते हैं।

मणिकर्णिका घाट का रहस्य

अस्सी घाट के अलावा वाराणसी में मणिकर्णिका घाट भी है। पौराणिक कथा के अनुसार, इस घाट पर देवी पार्वती का श्राप लगा था, जिसकी वजह से इस घाट पर हमेशा चिता जलती हुई देखने को मिलती हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मणिकर्णिका घाट पर हमेशा चिता जलती रहती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस घाट पर व्यक्ति का अंतिम संस्कार करने से उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गुरु के अस्त होने से इन पांच राशियों को मिलेगी बड़ी राहत, व्यापार में फिर से आएगी तेजी

गुरु ग्रह 10 जून से मिथुन राशि में अस्त हो जाएंगे। गुरु मिथुन राशि में 10 जून 2025 को शाम 7.30 बजे अस्त होंगे। गुरु 27 दिन तक अस्त अवस्था में गोचर करते हुए 9 जुलाई को फिर से उदित होंगे। ज्योतिष में ऐसा माना जाता है कि किसी ग्रह के अस्त होने से उसकी सक्रियता कम हो जाती है और उसके शुभ प्रभाव में कमी आती है। लेकिन इस बार गुरु का अस्त होना कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ माना जा रहा है। दरअसल गुरु मिथुन राशि में आने के बाद अतिचारी चाल से चल रहे थे। यानी कि वह अपनी सामान्य चाल से कई गुना तेजी से गति कर रहे थे, इस कारण से गुरु ने कई राशियों के लोगों को तनाव और उलझन में डाल रखा था। अब कुछ दिनों के लिए गुरु के अस्त होने से इन राशियों को राहत मिलेगी और उनकी परेशानियां काफी हद तक कम हो जाएंगी। गुरु के अस्त होने से सबसे ज्यादा फायदा मेष और कुंभ सहित 5 राशियों को होगा। इन राशियों का काम धंधा अच्छा चलेगा और करियर से जुड़ी कोई खुशखबरी मिल सकती है।

गुरु के अस्त होने का मेष राशि पर प्रभाव

साल 2025 में गुरु ग्रह के अस्त होने से मेष राशि के जातकों के भाग्य में बदलाव आएगा। गुरु मेष राशि के तीसरे भाव में रहेगा। इससे लोगों को निवेश से फायदा हो सकता है। ऐसे में, गुरु का अस्त होना मेष

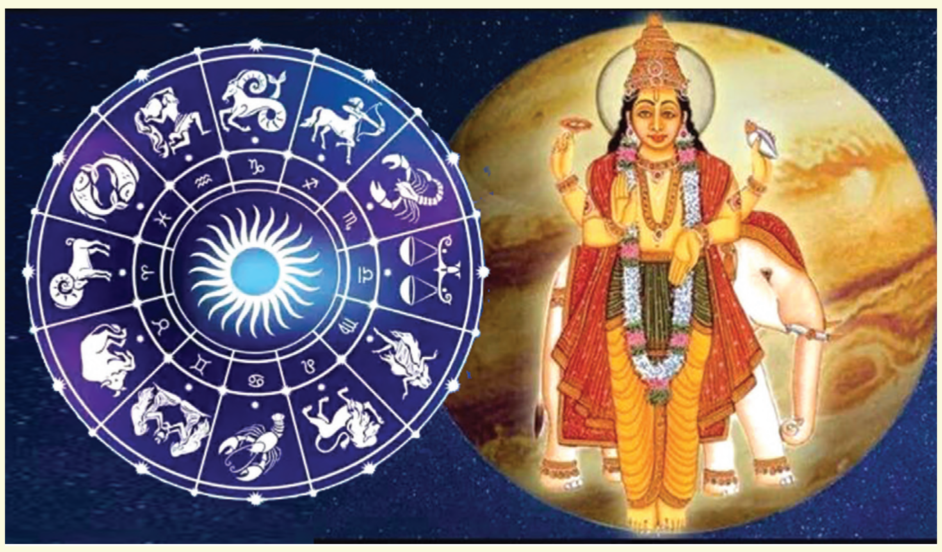

राशि वालों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। जीवन में नकारात्मकता धीरे-धीरे कम होगी। आपके भाई-बहनों के साथ संबंध बहुत अच्छे हो जाएंगे। इसके साथ ही, आप सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे। आपको अलग-अलग क्षेत्रों में सफलता मिल सकती है। भाग्य भी आपका साथ देगा। निजी जीवन में भी अनुकूल प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। पेशेवर जीवन में सफलता मिलेगी। आप सही प्रयासों से अपने करियर के शिखर पर पहुंच सकते हैं।

कर्क राशि – बृहस्पति ग्रह मिथुन राशि में अस्त हो रहा है। अस्त होने के कारण यह कुछ मामलों में आपके लिए अनुकूल हो सकता है। आपके खर्चों में कमी आ सकती है। घाटे में चल रहा काम बंद हो सकता है। स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। किसी आरोप से आप मुक्त हो सकते हैं। गुरु का अस्त होना ज्यादातर मामलों में अच्छे परिणाम देगा, लेकिन कुछ मामलों में धीमापन भी आ सकता है। इसलिए, आपको धैर्य रखने और सकारात्मक रहने की आवश्यकता है। यह समय आपके लिए कुछ बदलाव लाने वाला हो सकता है। कोई भी फैसला इस वक्त बहुत सोचसमझकर करें। वरना आपको भारी नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक राशि – गुरु ग्रह मिथुन राशि में अस्त हो रहा है। यह आपके जीवन में कई तरह के बदलाव ला सकता है। अस्त होने के कारण, यह नकारात्मकता को दूर करने में मदद कर सकता है। यदि आप पिछले कुछ दिनों से बीमार हैं, तो बृहस्पति के अस्त होने से आपकी सेहत में सुधार हो सकता है। काम में आने वाली रुकावटें भी कम हो सकती हैं। सरकार से जुड़े मामलों में अगर कोई परेशानी आ रही है, तो वह भी बृहस्पति की कृपा से दूर हो सकती है। अटका हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है। बच्चों के साथ चल रहे मतभेद भी सुलझ सकते हैं। आपको पैसों के मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए। परिवार के रिश्तों को बनाए रखने की भी जरूरत होगी। प्रेम संबंधों या बच्चों से जुड़े मामलों में सावधानी से काम लेना होगा। छात्रों को भी कड़ी मेहनत करते रहने की आवश्यकता है।

मकर राशि – वर्ष 2025 में गुरु के अस्त होने से मकर राशि के जातकों को बहुत फायदा होगा। खासकर उनके काम और निजी जीवन में तरक्की के योग हैं। गुरु मकर राशि के छठे भाव में अस्त हो रहे हैं। इसलिए यह समय मकर राशि वालों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा। इससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी और कमाई के नए रास्ते खुलेंगे। साथ ही, उन्हें कर्ज से भी मुक्ति मिल सकती है। सरकारी कामों में लाभ होगा और लंबे समय से अटके काम पूरे हो सकते हैं। बच्चों से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है और सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा से भी फायदा हो सकता है। मकर राशि के लोगों को जीवन की कई परेशानियों से छुटकारा मिलेगा जो काफी समय से चल रही थीं।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के लोगों के लिए, गुरु ग्रह का अस्त होना मिलाजुला फल दे सकता है। पढ़ाई में आपको फायदा होगा क्योंकि आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। परिवार में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें आसानी से सुलझा लेंगे। अगर आप सोच-समझकर शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं, तो सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। आपको बिना वजह के खर्चों से बचना होगा। बच्चों को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। सट्टा और लॉटरी में निवेश करने से पहले थोड़ा सोच लें। सही योजना बनाकर आप मुश्किलों से आसानी से निकल सकते हैं। आपकी सेहत अच्छी रहेगी और आप हर काम में उत्साह से भाग लेंगे।

ग्लैमरस इमेज को तोड़ने के लिए मिट्टी और सोना में निभाएं दो अलग किरदार : सोनम खान

दिग्गज एक्ट्रेस सोनम खान ने बताया कि 1989 की फिल्म 'मिट्टी और सोना' में उनका किरदार उनके लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने अपनी ग्लैमरस छवि से अलग हटकर पहचान बनाने के लिए फिल्म में कॉलेज गर्ल और एक तवायफ दोनों का रोल निभाया था।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर फिल्म 'मिट्टी और सोना' से अपने किरदार की कुछ तस्वीरें शेयर की और बताया कि महज 15-16 साल की उम्र में उन्होंने रेड-लाइट एरिया जाकर वहां की जिंदगी को देखा था। इससे उन्हें न सिर्फ हिम्मत और समझ मिली, बल्कि फिल्म में अपने किरदार को ईमानदारी से निभाने में मदद भी मिली।पोस्ट के कैप्शन में सोनम ने लिखा, 'मिट्टी और सोना' मेरे दिल के सबसे करीब फिल्म है... इसमें मैंने एक कॉलेज गर्ल और एक तवायफ का रोल निभाया था। हां, ये रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। मुझे कॉलेज स्टूडेंट और वेश्यावृत्ति में शामिल लड़की के तौर-तरीकों पर काम करना था। मैं इस फिल्म से कुछ साबित करना चाहती थी, लेकिन कैसे साबित होगा, उस वक्त मुझे खुद भी नहीं पता था। एक्ट्रेस ने आगे कहा, लोग मुझे अक्सर 'ग्लैमरस सोनम' के तौर पर जानते थे, जो बेखौफ बिकिनी पहनती थी। इस फिल्म ने मुझे मौका दिया कि मैं अपनी कम लेकिन यादगार 4 साल के फिल्मी करियर में ये साबित कर सकूं कि मैं सिर्फ ग्लैमरस नहीं, बल्कि अच्छी एक्टिंग भी कर सकती हूं।

उन्होंने बताया कि वह छिपकर रेड-लाइट एरिया जाती थीं, ताकि कोई उन्हें पहचान न सके। वह वहां की लड़कियों के तौर-तरीके देखती थीं। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने वहां कुछ लड़कियों से बात भी की। उनसे मिलकर मुझे दुख, डर और सुरक्षा की भावना महसूस हुई।एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म की शूटिंग भी काफी घटनाओं से भरी रही। सोनम ने बताया, मुझे याद है कि मुझे एक सीन करना था, जिसमें मुझे स्किन कलर का शॉर्ट, स्ट्रैपलेस ड्रेस पहनना था। ये ड्रेस ऐसी थी, जैसे मैंने कुछ पहना ही नहीं हो। कैमरे के लेंस और एंगल के लिए यह सीन जरूरी था। पहले तो मैं इसके लिए तैयार थी, मैं फूट-फूटकर रोने लगी और सीन करने से मना कर दिया। उस समय मेरी उम्र सिर्फ 15-16 साल थी।एक्ट्रेस ने बताया, मेकअप रूम में कई बार मनाने के बाद, मैं सेट पर गई और उस सीन को किया। मैंने हिम्मत जुटाई उन लड़कियों से, जिन्हें मैंने कुछ साल पहले रेड-लाइट एरिया में देखा था।

पिता सुनील दत्त की जयंती पर भावुक हुईं प्रिया दत्त, कहा

मैं हर रोज आपके बारे में सोचती हूं

दिवंगत अभिनेता और राजनेता सुनील दत्त जी की जयंती के मौके पर उनकी बेटी प्रिया दत्त ने उन्हें बड़े प्यार और श्रद्धा के साथ याद किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता थे, बल्कि एक नेकदिल इंसान और अच्छे नेता भी थे।

प्रिया दत्त ने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने माता-पिता नरगिस और सुनील दत्त को याद किया। बता दें कि दोनों का जन्म जून महीने में हुआ था, उनकी मां नरगिस का 1 जून को और उनके पिता सुनील दत्त का 6 जून को जन्मदिन आता है।

उन्होंने कहा है कि जून महीने का उनके लिए बहुत खास मतलब है क्योंकि इसी महीने उनके माता-पिता के जन्मदिन आते हैं। वह हर दिन उनके बारे में सोचती हैं, लेकिन इस हफ्ते में उन्हें खास खुशी महसूस होती है।

संजय दत्त की बहन प्रिया दत्त ने अपने माता-पिता द्वारा दी गई ताकत और अच्छे संस्कारों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता का असर उनकी जिंदगी पर हमेशा बना रहेगा।

प्रिया दत्त ने नरगिस और सुनील दत्त की एक साथ वाली फोटो शेयर करते हुए लिखा, जून मेरे दिल में बहुत खास जगह रखता है। मेरी मां का जन्म 1 जून को और मेरे पिता का जन्म 6 जून को हुआ था। मैं रोज उनके बारे में सोचती हूं, लेकिन इस हफ्ते मेरी खुशी कुछ अलग तरह से चमकती है। उन्होंने मुझे जो ताकत और संस्कार दिए हैं, उसके लिए मैं जिंदगीभर आभारी रहूंगी। यहां प्यार, हंसी और यादों के लिए भी।

बता दें कि सुनील दत्त का 25 मई 2005 को दिल का दौरा पड़ने से मुंबई में निधन हो गया था। उन्होंने 75 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। वे भारतीय सिनेमा के एक बड़े सितारे थे। 1950 के दशक में उन्होंने अपनी पहचान बनाई और 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उन्होंने 'मदर इंडिया', 'मुझे जीने दो' और 'रेशमा और शेरा' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। फिल्मी करियर के अलावा, सुनील दत्त ने राजनीति में भी किस्मत आजमाई थी। वे सांसद रहे। उन्होंने युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भी संभाला। उन्होंने जनता की सेवा में भी अपनी छाप छोड़ी।

दो साल तक डिप्रेशन में रहीं पायल घोष, मौजूदा स्थिति पर दी अपडेट

अभिनेत्री पायल घोष ने बताया कि पिछले दो सालों से वह काम न मिलने के कारण डिप्रेशन और एंग्जाइटी से जूझ रही थीं। उन्होंने बताया कि इस मुश्किल दौर में उन्हें न तो इंडस्ट्री से और न ही परिवार या दोस्तों से कोई सहारा मिला। वह पूरी तरह अकेली थीं और कई बार घर में बंद रहकर रोती थीं।

पायल ने अपनी मानसिक स्थिति को संभालने के लिए डॉक्टरों की मदद और दवाइयों का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि दो साल तक काम न मिलना बहुत मुश्किल था, जिससे उनकी बचत भी खत्म होने लगी थी।

पायल ने बताया, न तो मुझे इंडस्ट्री से कोई सपोर्ट मिला, चाहे वो मेरे जानने वाले हों या जिनके साथ मैंने पहले काम किया हो और न ही मेरे प्रियजनों से। यह सब मेरे लिए अकेलापन भरा था। हर एक्टर ऐसे दौर से गुजरता है, जब आप चाहे जो भी कोशिश करें, सब कुछ आपके खिलाफ काम कर रहा होता है और कुछ भी आपके पक्ष में काम नहीं कर रहा होता। पिछले दो साल मेरे लिए ऐसे ही रहे। ऐसे कई मौके आए, जब मैं अकेले रोई हूं। चिंता, तनाव और सदमे से खुद को घर में बंद करके कई दिन बिताए हैं। चाहे मेरा परिवार हो या इंडस्ट्री, मुझे किसी से कोई सपोर्ट नहीं मिला और मैं घर पर अकेली थी।

पायल ने बताया कि उन्हें बढ़ती परेशानियों के लिए पेशेवरों की मदद लेनी पड़ी, अकेलेपन ने मुझे बहुत परेशान किया और इसने मेरे मानसिक स्वास्थ्य को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया। मुझे उन पूरे 2 सालों के लिए पेशेवर मदद और दवा का सहारा लेना पड़ा और हर दिन एक बुरे सपने की तरह था। 2 साल तक बिना काम के रहना एक लंबा समय है। मेरी बचत खत्म हो रही थी, जिंदगी पर असर पड़ रहा था।

हालांकि, अब धीरे-धीरे उनके लिए काम के मौके बढ़ रहे हैं और चीजें बेहतर हो रही हैं। पायल ने उम्मीद जताई कि जल्द ही उनके प्रोजेक्ट्स दर्शकों तक पहुंचेंगे और चीजें बेहतर होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह नहीं चाहतीं कि कोई और इस तरह के तनाव और एंग्जाइटी से गुजरे।

उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे स्थिति ठीक हो रही हैं, भगवान की कृपा से अब धीरे-धीरे और लगातार चीजें बेहतर हो रही हैं और काम के ऑफर मिलने लगे हैं। मैं प्रार्थना करती हूं कि जल्द मेरा काम दर्शकों के लिए सामने आएगा।

श्रुति हासन को महीनों बाद मिली खोई हुई बिल्ली कोरा

अभिनेत्री और सिंगर श्रुति हासन को आखिरकार कई महीनों बाद अपनी खोई हुई बिल्ली 'कोरा' मिल गई। उन्होंने बताया कि जब कोरा मिली, तो वह बहुत कमजोर और घायल थी। लेकिन हैरानी की बात यह थी कि वह अभी भी घर लौटना नहीं चाहती थी।श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी बिल्ली कोरा की एक झलक शेयर की और लिखा, मैंने आखिरकार कई महीनों बाद अपनी खोई हुई बिल्ली कोरा को देखा। वह घायल थी, कमजोर और दुबली हो गई थी, लेकिन फिर भी घर लौटने को तैयार नहीं थी।

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने कोरा को खूब प्यार किया, लेकिन उसकी हालत देखकर उन्हें रोना आ गया।

श्रुति हासन ने लिखा, मैंने उसे जितना प्यार दे सकती थी दिया, फिर यह सोचकर रो पड़ी कि वह घर कब वापस आएगी। कभी-कभी एक बिल्ली की मम्मी होना बहुत मुश्किल होता है। सबसे ज्यादा मैं इस बात के लिए शुक्रगुजार हूं कि वह जिंदा है और अपनी मर्जी से जी रही है। शायद यही ठीक है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, श्रुति जल्द ही अपनी अगली एक्शन थ्रिलर फिल्म 'कुली' में नजर आएंगी। इस फिल्म में तेलुगु स्टार नागार्जुन, कन्नड़ स्टार उपेंद्र, मलयालम स्टार सौबिन शाहिर और तमिल स्टार सत्यराज सहित कई साउथ के बड़े अभिनेता नजर आएंगे। फिल्म कुली को कलानिधि मारन ने सन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है।कुली के अलावा, श्रुति हासन अब अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भी कदम रखने जा रही हैं। वह अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म 'द आई' में नजर आएंगी। यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। इसमें श्रुति के साथ मार्क रोवली मुख्य भूमिका में होंगे, और साथ में लिंडा मार्लो और पेरू कवालियेरी भी अहम किरदार निभाएंगे।इनके अलावा, श्रुति की झोली में फिल्म 'सालार पार्ट 2: शौर्यांगा पर्वम' भी है। इस फिल्म में उनके साथ प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का पहला पार्ट 2023 में रिलीज हुआ था, जिसे प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया था। इसके पहले पार्ट में जगपति बाबू, बॉबी सिम्हा, श्रेया रेड्डी, रामचंद्र राजू, जॉन विजय, ईश्वरी राव, टीनू आनंद, देवराज, ब्रह्माजी और माइम गोपी नजर आए थे।

बॉलीवुड निर्माता चंदा पटेल बनीं एरोल मस्क से मिलने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता

भारतीय सिनेमा के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण रहा, जब बॉलीवुड निर्माता चंदा पटेल ने तकनीकी दिग्गज एलन मस्क के पिता एरोल मस्क से मुलाकात की। वे ऐसा करने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता बन गई हैं। यह खास मुलाकात दिल्ली के प्रतिष्ठित ताज होटल में हुई, जहां दोनों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री, फिल्म निर्माण और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

हाल ही में चंदा पटेल ने 78वें इंटरनेशनल कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म तेरा मेरा नाता का पोस्टर लॉन्च कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। फ्रांस से लौटने के बाद वह भारत में फिल्म का प्रचार कर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग की संभावनाओं को तलाश रही हैं। एरोल मस्क से हुई यह मुलाकात कई मायनों में विशेष रही। बातचीत के दौरान बॉलीवुड की वैश्विक पहुंच, भारतीय सिनेमा की समृद्ध विरासत और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भागीदारी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। एरोल मस्क, जो वैश्विक संस्कृति और नवाचार में रुचि रखते हैं, बॉलीवुड के भव्य पैमाने और रचनात्मक ऊर्जा से काफी प्रभावित दिखे।

चंदा पटेल ने कहा, एरोल मस्क से मिलना मेरे लिए एक बहुत बड़ा सम्मान था। हमारी बातचीत में फिल्म निर्माण, कहानी कहने की कला और भारतीय सिनेमा के वैश्विक प्रभाव जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई। यह गर्व की बात है कि मुझे यह अवसर मिला। कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी और अब एरोल मस्क से हुई मुलाकात के बाद, चंदा पटेल अंतरराष्ट्रीय सिनेमा की दुनिया में एक उभरते हुए चेहरे के रूप में सामने आ रही हैं। उनकी फिल्म तेरा मेरा नाता पहले से ही सुर्खियों में है, और इस नई उपलब्धि के बाद दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ
अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास। खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं। किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह
स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बिगड़ती सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आज आपको रिश्तों की अहमियत का अंदाज हो सकता है क्योंकि आज के दिन का ज्यादातर समय आप अपने परिवार के लोगों के साथ बिताएंगे। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहते हैं, लेकिन अगर आप काम टालते रहेंगे तो ख़ुद पर ही खीझ पैदा होने लगेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। अगर आज कुछ ज़्यादा करने को नहीं है तो किसी लाइब्रेरी में समय बिताना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक़ पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें- क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। अपने प्रिय की ग़ैरमौजूदगी में आप ख़ुद को बिल्कुल खाली महसूस करेंगे। वह काम जो आज आप दूसरों के लिए स्वेच्छा से करेंगे, न सिर्फ़ औरों के लिए मददगार साबित होगा बल्कि आपके दिल में ख़ुद की छवि भी सकारात्मक होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से ख़ुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द-से-जल्द इससे बाहर आने की ज़रूरत है। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है। आज आपका व्यक्तित्व लोगों को निराश कर सकता है इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ ख़ास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ़ करेंगे। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। परिवार के साथ शॉपिंग पर जाना संभव लग रहा है ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित बर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू काम-काज निपटाने में बच्चे मदद करेंगे। खाली वक़्त में उन्हें ऐसे काम करने के लिए उत्साहित करें। आपके प्रिय की तबीयत ख़राब हो सकती हैं । आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता प्रभावशाली साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 जून 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी अहोरात्र
नक्षत्र : चित्रा प्रातः 09:40 तक
योग : वरियान प्रातः 11:16 तक
करण : बव सायं 06:06 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 ,सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : निर्जला एकादशी व्रत सन्यासीनाम्

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार की तीर्थ योजना पर अमल

पहली एसी ट्रेन से रामेश्वरम के लिए प्रस्थान

सीएम भजनलाल ने दिखाई हरी झंडी

जयपुर, 06 जून (एजेंसियां)। देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना- 2025 के अन्तर्गत बजट घोषणा अनुसार पहली वातानुकूलित ट्रेन शुक्रवार को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम के लिए रवाना हो गई। इस राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने रिबन काटकर तीर्थ यात्रियों को कोच में प्रवेश दिलाया। रेलवे स्टेशन, जयपुर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद मंजू शर्मा, जिलाध्यक्ष अमित गोयल, महापौर सौम्या गुर्जर, देवस्थान विभाग के शासन सचिव केके पाठक, आयुक्त वासुदेव मालावत, डीआरएम विकास पुरवार, अतिरिक्त आयुक्त प्रथम रतनलाल योगी, द्वितीय महेंद्र देवतवाल आदि मौजूद रहे।

इससे पहले आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तीर्थ यात्रियों के लिए ट्रेन में साउंड सिस्टम लगाकर धार्मिक भजन सुनाने के लिए कहा। इससे पहले जोराराम कुमावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सम्मान किया।

देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि सवाईमाधोपुर के रास्ते रामेश्वरम, मदुरै की तीर्थ यात्रा के लिए जा रहे तीर्थ यात्रियों को तुलसी माला व पटवस्त्र भेंट किए गए हैं। आठ दिवसीय यात्रा में यह ट्रेन रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी ज्योतिर्लिंग, धनुषकोटि, ब्रह्मकुंड और मदुरै में प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर के दर्शन मुख्य रूप से कराएगी। देवस्थान विभाग की तीर्थयात्राओं में यह सर्वाधिक दूरी की यात्रा है। यात्रा में सभी यात्रियों की देख-रेख हेतु एक ट्रेन प्रभारी, प्रत्येक कोच में दो सरकारी कर्मचारी अनुदेशक, साथ ही एक डॉक्टर व दो नर्सिंग अधिकारी भी रहेंगे। सभी तीर्थ यात्रियों के लिए देवस्थान विभाग की ओर से भोजन, भ्रमण, यातायात व रुकने की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी।

उन्होंने कहा कि यह प्रयास किया गया है कि राजस्थानी वरिष्ठजन इस ट्रेन में सवार होकर अपनी धरती व संस्कृति पर गर्व कर सकें, साथ ही यह ट्रेन जहां जाये, वहां अन्य लोगों को भी आकर्षित कर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा दे। राजस्थान की प्रकृति व संस्कृति के अनुरूप सुसज्जित यह ट्रेन बाहर से पैलेस ऑन व्हील्स से भी अधिक भव्य दिखेगी। राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन में कुल 14 कोच हैं, जिसमें 10 यात्री कोच हैं। राजस्थान के दुर्ग, पुरासम्पदा, मंदिर, नृत्य, वाद्य, उत्सव, कला आदि वैशिष्ट्य की थीम पर अलग-अलग डिब्बों को सजाया गया है। मरुधरा में सूर्योदय व सूर्यास्त की स्वर्णिम आभा को प्रदर्शित करने के लिए इसकी थीम में पीताभ केसरिया रंग को वरीयता दी गयी है। डिजाइन में राजस्थान के राजसी स्वरूप के साथ-साथ मंदिर व शुभत्व के विविध प्रतीकों व चिह्नों का भी प्रयोग किया गया है। डिजाइन में राजस्थान की पहचान बने पशु-पक्षियों को भी विशेष स्थान दिया गया है। इनमें गाय व ऊँट के अतिरिक्त रणथम्भौर के बाघ व तालछापर के कृष्णमृग को भी स्थान दिया गया है।

ट्रेन में एक कोच को विशेष रूप से भारतीय सेना में राजस्थान के योगदान को समर्पित किया गया है, जिसमें जैसलमेर वार म्यूजियम, तनोट बॉर्डर, महाजन (महाद्वीप की सबसे बड़ी) फायरिंग रेंज का चित्रण प्रमुख है। पैंट्री कार में राजस्थान के व्यंजनों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। केर-साँगरी, बाजरे की रोटी, राबड़ी, लस्सी, कुल्फी आदि का प्रदर्शन किया गया है। इसी प्रकार पावर कार को भी विशेष रूप से सुसज्जित किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर तीर्थयात्रियों के लिए अयोध्या के रामलला की सजीव झांकी सजाई गई। इसके साथ ही कांवड़ और उसमें बैठे वरिष्ठजनों का प्रतीकात्मक मॉडल भी रखा गया।

भजनलाल शर्मा ने भगवान सिंह को दी श्रद्धांजलि

जयपुर, 06 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को झोटवाड़ा स्थित संघ शक्ति भवन में क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक स्व. भगवान सिंह रोलसाहबसर की पार्थिव देह के अंतिम दर्शन कर पुष्पांजलि अर्पित की।शर्मा ने स्व. रोलसाहबसर के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन युवा पीढ़ी में सुसंस्कार और अनुशासन का बीजारोपण करने में लगा दिया। उन्होंने न केवल क्षत्रिय समाज बल्कि सर्वसमाज के लिए जिस समर्पण, निष्ठा और सेवाभाव से काम किया, वह सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों एवं कार्यकर्ताओं को सांत्वना देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

जिला कलेक्टर ने किया उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण

भीलवाड़ा, 06 जून (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने शुक्रवार को गांव मुझरास में किसानों के खेत पर पहुंच कर कृषि एवं उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया।खेतों पर समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाते हुए सामुदायिक जलस्त्रोत द्वारा वर्षा जल एकत्रित कर सौर ऊर्जा पंप संयंत्र के द्वारा लिफ्ट कर ड्रिप संयंत्र के माध्यम से फलदार बगीचा आम, सीताफल, आंवला, चीकू, में सिंचाई कर आधुनिक तरीके से खेती की जा रही है।जिला कलक्टर ने समन्वित कृषि प्रणाली को जिले में अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिये एवं प्रगतिशील उद्यानिकी किसानों का ग्रुप बनाकर समय- समय पर उद्यानिकी गतिविधियों की सलाह जारी करने को कहा।

लीज इन्फोर्मेशन सिस्टम और डिमाण्ड सिस्टम ऑनलाईन खानधारकों को बड़ी राहत : टी. रविकान्त

जयपुर, 06 जून (एजेंसियां)। प्रदेश के खानधारक अब एक क्लिक पर अपनी लीज की प्रोफाइल को ऑनलाईन देख सकेंगे वहीं डिमाण्ड राशि की स्वयं जानकारी लेकर राषि जमा करा सकेंगे। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव श्री टी. रविकान्त ने बताया है कि प्रदेश के लीज इन्फोर्मेशन सिस्टम और डिमाण्ड सिस्टम की संपूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाईन कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब खनि अभियंता/सहायक खनि अभियंता द्वारा समस्त दस्तावेजों का ऑनलाईन सत्यापन किया जा सकेगा व संबंधित लीज धारक भी अपनी लीज संबंधित जानकारी ऑनलाईन देख सकेंगे। इसी तरह से लीजधारक द्वारा सरकार को देय राशि की जानकारी भी ऑनलाईन उपलब्ध होगी और लीजधारक देय राशि की स्वयं ऑनलाईन जानकारी लेकर राशि जमा करा सकेंगें।

मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने खनिज प्रक्रिया को पारदर्शी और सरलीकृत बनानी समय समय पर आवश्यकता प्रतिपादित की हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशों के क्रम मे विभाग प्रक्रिया को ऑनलाईन करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। पिछले दिनों विभाग द्वारा माइनिंग प्लान अनुमोदन की संपूर्ण प्रक्रिया को भी पूरी तरह से ऑनलाईन कर दिया है।प्रमुख सचिव माइन्स टी. रविकान्त ने बताया कि एलआईएस सिस्टम के ऑनलाईन होने से लीज जारी होने से लेकर संपूर्ण जानकारी यथा कंसेट टू आपरेट, अनुमोदित माइनिंग प्लान, डेडरेंट, खनिज खनन आदि आदि सभी जानकारी ऑनलाईन उपलब्ध होगी।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचे : बागडे

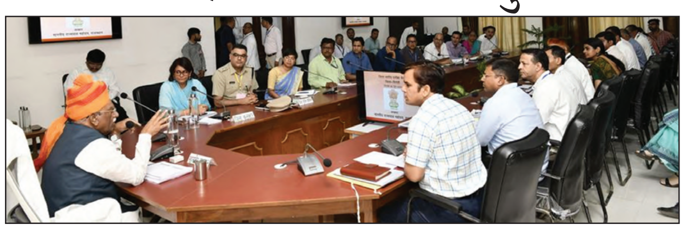

सिरोही, 06 जून (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर सिरोही पहुंचे। बागडे ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की समीक्षा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए शिक्षा की स्थिति का उत्कृष्ट होना बेहद आवश्यक है, उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए कार्य करें और उन्हें तर्क करना सिखाएं। शिक्षक भी सिर्फ टेक्स्ट बुक तक सीमित न होकर टेक्स्ट बुक से बाहर का ज्ञान भी विद्यार्थियों को दे। उन्होंने नन्हे बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए शैक्षिक गतिविधियों में रोचकता जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में खेल खेलने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जाए,ताकि बच्चों की मानसिक और शारीरिक क्षमता दोनों का ही विकास हो। उन्होंने भिक्षावृत्ति से जुड़े बच्चों को भी विशेष प्रयास कर शिक्षा से जोड़ने की बात कही। उन्होंने शिक्षा एवं महिला अधिकारिता विभाग के समन्वय से बालिकाओं को स्कूल से जोड़ने व कोई भी लड़की शिक्षा से न छूटे इसके लिए अधिक से अधिक प्रयास करने के निर्देश दिए। राज्यपाल बागडे ने हरियालो राजस्थान की समीक्षा करते हुए कहा कि जितने पौधे लगाएं जाऐं उनकी सारसंभाल भी सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि गर्मी कम करने के लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं।राज्यपाल बागडे ने राजीविका के समूह द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले में राजीविका के समुह द्वारा उत्पादित वस्तुओं की अधिक से अधिक मार्केटिंग की जाए एवं प्रत्येक को व्यवसाय के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने इस दौरान समुह द्वारा किए गए व्यापार की लागत व नफा आदि की भी जानकारी जुटाने की बात कही।

अफसरशाही वाली भाजपा सरकार में बदमाश बेखौफ : चौटाला

चंडीगढ़, 06 जून (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने हरियाणा में दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे अपराध के ग्राफ को चिंता का विषय बताया है और कहा कि प्रदेश में हर रोज मर्डर, रेप, लूटपाट और फिरौती की बड़ी घटनाएं सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अफसरशाही हावी होने के कारण आज पूरी तरह कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है और मुख्यमंत्री नायब सैनी हाथ पर हाथ धरे बैठकर यह सब देख रहे है। दिग्विजय ने भाजपा सरकार को चेताते हुए कहा कि अगर कानून व्यवस्था के हालात नहीं सुधरे तो युवा जेजेपी प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन करके नींद में सोई सरकार को जगाने का काम करेगी। दिग्विजय चौटाला ने पिछले दिनों हुई अनेक आपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के गृह जिले में आबकारी विभाग ने बदमाशों के खौफ से शराब के ठेके छुड़वाने से हाथ खड़े कर दिए और खुद की सुरक्षा की मांग कर रहे है। इसी तरह ठेकेदार भी दहशत में जीने को मजबूर है। दिग्विजय ने कहा कि पानीपत में बाउंसरों ने किसान को जिंदा जला दिया, पंचकूला में मूवी देखकर आ रहे युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, हिसार में नाबालिग के साथ योन उत्पीड़न व वीडियो अपलोड करने का मामला सामने आया, बहादुरगढ़ में दूध लेने गए एक युवक को गला रेतकर मार दिया गया है, स्कूल में घुसकर विद्यार्थी का मर्डर और दिनदहाड़े एक पत्रकार की हत्या जैसी अनेक अपराध की बड़ी घटनाएं हर दिन सुर्खियों में रहती है और सीएम बिल्कुल गंभीर नहीं है।

पीडब्ल्यूडी की 5 सेवाएं राइट टू सर्विस एक्ट के दायरे में

चंडीगढ़, 06 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विभाग की 5 सेवाओं को सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के दायरे में लाते हुए इनकी समय-सीमा निर्धारित की है।मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, अब राज्य राजमार्ग या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अधीन अनुसूचित सड़क से प्रवेश या निकासी के लिए क्लीयरेंस, उपयोग का अधिकार (राइट ऑफ यूज) के अधीन प्राकृतिक गैस या पाइप लाइन बिछाने की अनुमति और उपयोग का अधिकार के अधीन संचार अवसंरचना तथा ऑप्टिकल फाइबर केबल जैसी सम्बद्ध स्थापना बिछाने के लिए अनुमति 40 दिन के अंदर दी जाएगी। कार्यों तथा सेवाओं के लिए ठेकेदारों की सूचीबद्धता के लिए 45 दिन की समय-सीमा तय की गई है। इन सेवाओं के लिए सम्बन्धित अधीक्षण अभियंता को पदनामित अधिकारी नामित किया गया है जबकि सम्बन्धित मुख्य अभियंता को प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारी और प्रमुख अभियंता को द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी बनाया गया है।इसके अलावा, अब छोटे गड्ढों की मरम्मत 10 दिन के अन्दर की जाएगी।

विकसित भारत की दिशा में हरियाणा अग्रसर : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 06 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पलवलवासियों को विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात देते हुए विधानसभा क्षेत्र के लिए अनेक घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि पलवल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का मॉर्डन स्पोर्ट्स कॉम्प-लेक्स बनाया जाएगा। साथ ही, 55 लाख रुपये की लागत से पलवल में इनडोर स्टेडियम को साउंडप्रूफ बनाया जाएगा। इसके अलावा, सेक्टर- 21 ट्रांसपोर्ट नगर में बुनियादी सुविधाओं जैसे पार्किंग, बरसाती पानी की निकासी, ड्रेनेज सिस्टम, जलापूर्ति इत्यादि के विकास के लिए 50 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने आज पलवल में आयोजित धन्यवाद रैली को संबोधित करते हुए उपरोक्त घोषणाएं की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 40 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत की 7 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 15 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत की 3 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 24 करोड़ 71 लाख रुपये लागत की 4 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि पलवल विधानसभा क्षेत्र में 152 किलोमीटर की 75 सड़कें, जो अभी गारंटी पीरियड में हैं, संबंधित एजेंसियों के माध्यम से इन सड़कों की मरम्मत करवाई जाएगी। साथ ही, 37.5 किलोमीटर की 8 सड़कों की मरम्मत के लिए 37 करोड़ 57 लाख रुपये तथा 54.5 किलोमीटर लंबाई की 26 सड़कों के नवीनीकरण के लिए 40 करोड़ 18 लाख रुपये देने की घोषणा की।

उन्होंने जनौली डिस्ट्रीब्यूटरी की रिमॉडलिंग के लिए 50 लाख रुपये तथा 5 गांवों में वीआर ब्रिज के लिए 13 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। जमीन उपलब्ध होने पर मुस्तफाबाद में 66 केवी और पलवल में लाइन पार क्षेत्र में 220 केवी का सब स्टेशन बनाया जाएगा। पलवल शहर में भूमि उपलब्ध होने पर विभागीय मानदंडों के अनुरूप दो नए स्कूल खोलने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पलवल शहर से बाहर भूमि उपलब्ध होने पर नई अनाज मंडी का निर्माण किया जाएगा। वार्ड नंबर 1 से 10 में कॉलोनियों में कच्ची गलियों को पक्का किया जाएगा। उन्होंने पलवल विधानसभा क्षेत्र के गांवों में सामुदायिक केंद्रों के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पलवल शहर में पानी की निकासी हेतु ड्रेनेज सिस्टम में सुधार किया जाएगा। बडौली को सब तहसील बनाने के लिए इस संबंध में गठित कमेटी को प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके अलावा, अन्य मांगों की फिजिबिलिटी चैक करवाकर, उन्हें भी पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगरा नहर की पटरी पर सड़क के विस्तार के फिजिबिलिटी चेक करवाकर इसे बनाने का कार्य किया जाएगा। पलवल विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास कार्यों के लिए भी अलग से 5 करोड़ रुपये की घोषणा की।नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-विकसित हरियाणा को आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर गति से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 गौरवशाली वर्ष पूरे हो रहे हैं। इन 11 वर्षों में हर भारतवासी ने एक ऐसे भारत का उदय देखा है, जो अपनी प्राचीन विरासत पर गर्व करता है, वर्तमान की चुनौतियों का डटकर सामना करता है और भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी सपने संजोता है।प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र ने देश को एक नई दिशा और एक नई ऊर्जा प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि जब वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रधान सेवक का पदभार संभाला, उस समय हमारी अर्थव्यवस्था पूरे संसार में 11वें स्थान पर थी, लेकिन आज भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

राहुल गांधी ने पीएम पर साधा निशाना

उन्हें सरेंडर करने की है आदत, देश का एक्स-रे करना चाहता हूं

पटना (एजेंसियां)।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को राजगीर पहुंचे। वहां कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर स्वागत किया। अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में संविधान सुरक्षा सम्मेलन का आयुओजं किया गया। वहां उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि एक तरफ गांधी की सोच है, तो दूसरी तरफ सावरकर और गोडसे की सोच। ये लड़ाई आज की नहीं, हजारों साल पुरानी है। संविधान में जो बातें लिखी गई हैं, वह बुद्ध के विचारों से निकली हैं। यही सोच है, जिसे आरएसएस खत्म करना चाहता है। इसलिए डरने की जरूरत नहीं है। हमें मिलकर संविधान और सच्चाई की रक्षा करनी है और बिहारियों के बिना संविधान को बचाया नहीं जा सकता।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि मोदी जी को सरेंडर करने की आदत है। मैं आरएसएस से लड़ता हूं और यह बात गहराई से कह रहा हूं कि जैसे ही थोड़ा दबाव पड़ता है, ये लोग तुरंत चिट्ठी लिखने लगते हैं – अब तो ज़माना बदल गया है, चिट्ठी नहीं, व्हाट्सएप कर देंगे। ट्रंप ने 11 बार कहा कि उन्होंने मोदी जी से सरेंडर करवा लिया। मोदी जी इसका खंडन भी नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि वो सच्चाई है। राहुल गाँधी ने कहा कि देश की 90% आबादी दुख की शेयरहोल्डर है। इनकी सत्ता और फैसलों में कोई भागीदारी नहीं है। मुझे अपने देश की सच्चाई जाननी है, इसलिए मैं देश का एक्स-रे करना चाहता हूं।

राहुल गांधी ने संविधान सुरक्षा सम्मेलन में पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि हिंदुस्तान में जाति नहीं है, तो फिर वे खुद ओबीसी कैसे हो गए? मेरा लक्ष्य है – जातीय जनगणना। मैंने संसद में मोदी जी की आंखों में आंख डालकर कहा कि देश में जाति जनगणना होकर रहेगी। आप लोग भ्रम में मत रहिए – ये जो जाति जनगणना कर रहे हैं, वो असली नहीं है। जिस दिन इन्होंने असली जाति जनगणना कर दी, उसी दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि जातीय जनगणना के दो मॉडल हैं – एक बीजेपी का, और एक तेलंगाना का। बीजेपी के मॉडल में सवाल कुछ अफसरों ने बंद कमरे में तय किए। उन अफसरों में देश की 90% आबादी का कोई प्रतिनिधि नहीं था

ऑपरेशन सिंदूर में घायल जवान की इलाज के दौरान मौत, गांव में शोक की लहर

कश्मीर के राजौरी में थे तैनात

पटना (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान घायल हुए बक्सर जिले के जवान की इलाज के दौरान मौत हो गई। शहीद की पहचान चौसा प्रखंड निवासी 46 वर्षीय हवलदार सुनील सिंह यादव के रूप में हुई है। वे जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में तैनात थे।

मिली जानकारी के अनुसार, 9 मई की रात पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्रारंभिक इलाज के बाद उनकी स्थिति बिगड़ने पर 15 मई को उन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर स्थित सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां 5 जून की शाम इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। सेना की ओर से शाम में उनके परिवार को निधन की सूचना दी गई। जैसे ही यह खबर गांव पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

हवलदार सुनील सिंह यादव वर्ष 2002 में भारतीय सेना की इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स (ईएमई) यूनिट में शामिल हुए थे। वर्ष 2023 में उन्हें हवलदार के पद पर पदोन्नति मिली थी। वे तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके छोटे भाई अनिल यादव खेती करते हैं, जबकि सबसे छोटे भाई चंदन यादव भी सेना में कार्यरत हैं।

शहीद जवान अपने पीछे पत्नी सुजाता देवी और दो बेटों 15 वर्षीय सौरभ और 8 वर्षीय कृषु यादव को छोड़ गए हैं। बड़ा बेटा मैट्रिक और छोटा बेटा पांचवीं कक्षा का छात्र है। शहीद की मां पावढारी देवी मध्य विद्यालय, चौसा में प्रधानाध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हो चुकी हैं।

जानकारी के अनुसार, शहीद का पार्थिव शरीर देर शाम तक उनके पैतृक गांव चौसा पहुंच सकता है। प्रशासन और सैन्य अधिकारी पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे हुए हैं। गांव में मातम पसरा हुआ है, और लोग पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश जाहिर कर रहे हैं।

ड्यूटी से लौट रहे पुलिस जवान की सड़क हादसे में मौत, गांव में मचा कोहराम

पटना

बक्सर जिले के कोरानसराय थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पुलिस जवान की मौत हो गई। यह हादसा कोरानसराय बाजार के पास उस समय हुआ, जब ड्यूटी से लौट रहे जवान को तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जवान की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान कोरानसराय थाना क्षेत्र के मुंगाव गांव निवासी सुदामा प्रसाद के पुत्र मुन्ना कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मुन्ना वर्तमान में डुमरांव स्थित बीएमपी प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षणरत थे। उनकी पोस्टिंग बांका जिले में थी और बकरीद को लेकर उन्हें विशेष ड्यूटी पर भेजा गया था।

बताया गया कि ड्यूटी पूरी कर मुन्ना कुमार शुक्रवार रात करीब 11 बजे बाइक से अपने गांव लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। राहगीरों ने तत्काल घटना की सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना मिलते ही कोरानसराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस हादसे की खबर जैसे ही गांव पहुंची, पूरे इलाके में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां की गोद सूनी हो गई, पिता बेटे की तस्वीर को निहारते रह गए। जवान बेटे की असमय मौत से पूरा परिवार टूट गया है। ग्रामीणों ने बताया कि मुन्ना काफी मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ युवक था।

कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि हादसे के बाद पिकअप वाहन को जब्त कर लिया गया है। चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क लूट का मास्टरमाइंड सहित सात गिरफ्तार, नाले से चोरी की बाइक बरामद

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के शेखपुरा जिले में सड़क लूट की घटनाओं में शामिल एक बड़े गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने तीन जिलों में छापेमारी कर गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही लूटी गई बाइक, मोबाइल और अन्य सामानों की बरामदगी भी की गई है। गिरोह के फरार अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस की छापेमारी लगातार जारी है।

गुरुवार को पुलिस अधीक्षक बलिराम कुमार चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि मई महीने के अंतिम सप्ताह में अरियरी थाना क्षेत्र में सड़क लूट की तीन घटनाएं सामने आई थीं। इन घटनाओं को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ. राकेश रंजन के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर सबसे पहले कमालपुर गांव निवासी शंभु यादव को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने शंभु यादव से सख्ती से पूछताछ की तो गिरोह के अन्य सदस्यों के नाम सामने आए। इसके बाद पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर शेखपुरा जिले के सोहदी गांव के मंजीत कुमार, अफरडीह गांव के रंजन यादव और सियानी गांव के करण कुमार को गिरफ्तार किया। साथ ही जमुई जिले के मोहनपुर गांव से मो. हसनैन और शाहपुर गांव से विकास कुमार तथा लखीसराय जिले के मालपुर गांव से धीरज यादव को भी हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने इन आरोपियों के पास से लूटी गई पांच बाइक, चार मोबाइल फोन और चाभियों का एक गुच्छा बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक बलिराम कुमार चौधरी ने बताया कि जमुई जिले का मो. हसनैन एक मोबाइल दुकान चलाता है, जो लूटे गए मोबाइल फोन का लॉक तोड़कर उन्हें बेचता था। वहीं उसी जिले का विकास कुमार चोरी की बाइक की खरीद-बिक्री करवाता था।

पुलिस ने बताया कि इस गिरोह के कब्जे से शेखपुरा के अलावा पटना और नवादा जिलों से लूटी गई बाइक भी बरामद की गई हैं। पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना में दर्ज एक बाइक लूट की घटना में प्रयुक्त बाइक शंभु यादव के पास से बरामद हुई है। वहीं नवादा जिले के पकरीबरावां थाना क्षेत्र में दर्ज बाइक लूट मामले में लूटी गई बाइक शंभु यादव के मकान के पास जलकुंभी से बरामद की गई है। जलकुंभी से कुल दो बाइक की बरामदगी हुई है। पूछताछ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

गंगा में नहाने के दौरान दो किशोर डूबे, लापता किशोरों की तलाश में जुटी एसडीआरएफ

पटना (एजेंसियां)।

पटना सिटी के सुलतानगंज थाना क्षेत्र स्थित घघा घाट पर शनिवार को नहाने के दौरान दो किशोर गंगा नदी में डूबकर लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोर गंगा नदी में डूबे किशोरों की तलाश में जुटे हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों किशोर अपने दोस्तों के साथ नहाने के लिए गंगा घाट पर पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक नदी की तेज धार में बहने लगे।

स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के कारण दोनों को नहीं बचाया जा सका और वे गहरे पानी में डूब गए। लापता किशोरों की पहचान घघा घाट निवासी मुन्ना राय के पुत्र आयुष कुमार और संजय महतो के पुत्र सुजल कुमार के रूप में हुई है। दोनों की उम्र 14 से 15 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही सुलतानगंज थाना अध्यक्ष मनोज कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ की टीम और प्रशिक्षित गोताखोर लापता किशोरों की खोजबीन में लगे हुए हैं। नदी में तेज धार और बारिश के कारण सर्च ऑपरेशन में कठिनाई आ रही है, लेकिन लगातार प्रयास जारी हैं। घटना के बाद गंगा घाट पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन जुटे हुए हैं। सभी की नजरें गंगा की लहरों पर टिकी हुई हैं, जहां से कोई अच्छी खबर मिलने की उम्मीद की जा रही है।

तेज रफ्तार सरकारी बस ने मासूम को रौंदा, मौके पर मौत

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)।

जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में सरकारी बस की चपेट में आने से एक साढ़े तीन वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना साहेबगंज थाना क्षेत्र के सोमगढ़ मस्जिद, वार्ड नंबर 1 की है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान अजय कुमार पासवान के पुत्र रॉकी कुमार (3.5 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया गया कि बच्चा अपने घर के बाहर बरामदे में खेल रहा था, इसी दौरान वह सड़क के किनारे पहुंच गया। तभी तेज रफ्तार से आ रही एक सरकारी बस ने उसे कुचल दिया।

परिजनों ने बताया कि बच्चा घर के पास खेल रहा था। उसी समय साहेबगंज से मुजफ्फरपुर की ओर जा रही बस ने रॉकी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर परिवार के सदस्य दौड़े लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मासूम के चाचा संजय पासवान ने बताया कि हादसे के समय बच्चे का पिता मजदूरी के सिलसिले में घर से बाहर था। उन्होंने बताया कि बस चालक घटना के तुरंत बाद बस लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस बहुत तेज गति से चल रही थी और चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए इस घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारी मिलते ही साहेबगंज थाना प्रभारी सिकंदर कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया है। परिजनों के बयान और आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फरार बस चालक और बस की तलाश में पुलिस द्वारा छानबीन की जा रही है।

नवादा में दर्दनाक सड़क हादसा

बर्थडे पार्टी से लौट रहे 3 दोस्तों को डंपर ने कुचला, सभी की मौत

नवादा (एजेंसियां)।

नवादा जिले के पकरीबरावां थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। ये तीनों दोस्त एक जन्मदिन पार्टी से लौट रहे थे, जब कंचना मोड़ के पास तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा रात करीब 11 बजे हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दो युवकों अमित कुमार और राजू कुमार की तो मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे युवक विकास कुमार को गंभीर हालत में पकरीबरावां अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे नवादा सदर अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतकों में शामिल अमित कुमार, शांति नगर मोहल्ला निवासी भरत मिस्त्री का इकलौता बेटा था। राजू कुमार, दशरथ मिस्त्री का बेटा था। तीसरा युवक विकास कुमार, शेखपुरा जिले के सुकमा गांव निवासी रविंद्र ठाकुर का पुत्र था, जो वर्तमान में पकरीबरावां में ही रह रहा था। परिजनों ने बताया कि विकास अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। वहीं राजू कुमार उसका चचेरा भाई था। एक ही परिवार के दो बेटों की मौत से घर में मातम छा गया है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

नवादा नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि तीनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पकरीबरावां थाना प्रभारी स्नेहा कुमारी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। प्रारंभिक जांच के मुताबिक यह मामला लापरवाही से गाड़ी चलाने का प्रतीत होता है। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है और फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com